जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 18 अगस्त, 2022

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

महाजनी संस्कृति के जाल में फंसी है शिक्षा व्यवस्था

विलासिता खुली अर्थव्यवस्था का एक आवश्यक अंग है। विलासिता पर लोग खर्च करते हैं उससे, मॉल सजते हैं, बाज़ार चलता है। जनसंचार के माध्यमों पर चल रहे प्रचार तंत्र के जरिये बाज़ार हमें उन चीजों पर खर्च करने को प्रेरित करता है जो वास्तव में हमारे जीवन की मूलभूत जरूरतें नहीं होतीं, विलासिता की वस्तुएं होती हैं। समाजशास्त्री मानते हैं कि पूंजीवाद और वामपंथ दोनों का अंतिम सामाजिक लक्ष्य एक ही है। वह लक्ष्य है सब तक विलासिता पहुंचाना। दोनों विचारधाराओं के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, मगर लक्ष्य एक ही रहा है। वामपंथ के शासन में कठोर नियंत्रण से सबको बराबर विलासिता का हक़ सुनिश्चित करने के प्रयास किये गए। दूसरी तरफ पूंजीवाद भी विलासिता में सबकी बराबर भागीदारी चाहता है मगर यह बाज़ार की व्यवस्था में शासन की कम से कम दखलंदाजी तथा निजी पूंजी को सुनिश्चित करता है और लोगों की स्वतंत्ररूप से चुनने का मंत्र देता है। इन दोनों के बीच समाजवाद भी होता है जिसके समर्थक व्यक्ति की स्वतन्त्रता के साथ शासन के जरिये सामाजिक नियंत्रण पर राजी हो लेते हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी का यह समय ऐसा है जब विज्ञान आधारित तकनीकी बदलाव जबर्दस्त तेजी से हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है। मानव अपने इतिहास में इतनी तेजी से ऐसा बदलाव पहली बार अनुभव कर रहा है। इन्हीं बदलावों और जरूरतों के चलते हुए नई आर्थिक नीतियां आमूल परिवर्तनों की तरफदारी करती हैं। हम सहमत हों या असहमत, बदलाव को हमें स्वीकार करना पड़ेगा। इसके अलावा हमारे पास अन्य कोई चारा भी नहीं है। पूंजीवाद की बाढ़ का जो दरवाजा कांग्रेस की सरकार ने खोला था उसे बंद करना अब असंभव है। अब हर तरफ पूंजी का बोलबाला है और सभी उसी की शरण में है उसी प्रकार जैसे **बुद्धम शरणम गच्छामि!** या फिर भक्ति काल में **कृष्णम शरणम ममः।** ऐसे भारतीय मन को पहले राजा या सामंतशाही ने और बाद में हल्के वामपक्ष की ओर झुकाव लिये समाजवाद ने भी आकर्षित किया। आज़ादी के बाद सब कुछ ऊपर वाला करेगा याने सरकार करेगी के भाव ने लोकतन्त्र में भी अधिनायकवाद को नए रूप में जारी रखा। इसके नतीजे में गणतन्त्र का निर्वाचित नेतृत्व का व्यवहार सामंती और अधिनायकवादी होता चला गया।

बाज़ार आस्था को भी भुना लेना जानता है। इसे विद्यानिवास मिश्र ने महाजनी सभ्यता का इंद्रजाल कहा था। यह इंद्रजाल हमारी सनातन परम्पराओं, जो रूढ़ियां नहीं है, की शिक्षा का शमन करता है। इसके लिए वह सबसे पहले हमारे मन को हरता है। भारतीय मन पोथी वाला मन नहीं है। इसलिए यहां की मौखिक परंपरा गहरी मानवीय संवेदना की शिक्षा देती रही है। नयी पोथियों वाली शिक्षा प्रमाणपत्र देती है। वह केवल आश्वस्त भर करती है कि विद्यार्थी ने अमुक विषय की मुख्य पोथियां पढ़ ली है और उनके बारे में पूछे गए सवालों के निर्धारित जवाब औपचारिक परीक्षा में दे दिये हैं। उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री का प्रमाणपत्र मिलता है कि उसने शिक्षा पा ली है। ऐसे प्रमाणपत्रों की शिक्षा जीवन में दूर तक साथ नहीं चलती। विस्मृत हो जाती है, क्योंकि उसका जीवन के कारोबार में कोई उपयोग नहीं होता। इसीलिए कहा जाता है कि आज के प्रमाणपत्रों वाली शिक्षा एक गहरी मानवीय मौखिक परंपरा वाली शिक्षा की पूर्ण विस्मृति की महंगी कीमत पर प्राप्त की गई है। शिक्षा अनंत जिज्ञासा, घनी आत्मीयता, और अपार करुणा का भाव देती है। ऐसी शिक्षा की व्यवस्था प्रमाणपत्र पाने की दक्षता देने वाले व्यावसायिक शिक्षण संस्थान कैसे कर सकते हैं! प्रमाणपत्र देने वाला शिक्षण अहंकार देता है। ऐसी जीत का अहंकार जो किसी भी कीमत पर हासिल की गई हो।

एक समय जब शिक्षक ने भारतीय मौखिक परंपरा को विस्मृत नहीं किया था तब उसमें गुरुत्व था। वह प्रमाणपत्रों के लिए ही नहीं जीवन के लिए भी छात्रों को तैयार करता था। मगर आज की शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थी को अपने आप से, अपने समाज से, अपने परिवेश से अजनबी बनाती है। हर समय चौकन्ना रहना सिखाती है कि कहीं कोई और उसे पीछे न छोड़ दे। महाजनी संस्कृति की शिक्षा के संस्थान दंभपूर्ण आडंबर ओढ़े रहते हैं। इसी चमक से वे सबको भरमाते हैं। वे विद्यार्थियों को यही सिखाते हैं कि प्रतियोगिता में चूक मत करना नहीं तो दौड़ से बाहर हो जाओगे। दौड़ो, दौड़ो। दौड़ते हुए जीतने के लिए भले ही साथ वाले को टंगड़ी मारनी पड़े या अपने प्रभाव से खेल के नियम बदलवा देने पड़ें, मगर जीतने की ज़िद पर अड़े रहो। इस प्रकार देखें तो देखें तो पूरी शिक्षा व्यवस्था में असफल के लिए कोई स्थान नहीं है। शासन हो, समाज हो, अभिभावक हो, या शिक्षक सभी केवल सफलता के गुण सिखाने के प्रयासों में लगे रहते हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि सभी सफल होना चाहते हैं। सबको लगता है कि सफलता आखिर में उनके सब ऐब छिपा देगी। आज के विद्यार्थी को यह सिखाया जा रहा है कि खेल में जीतने के लिए रैफरी को खरीदना पड़े तो वह भी जायज है क्योंकि कहीं कोई जीतने में चूक हुई नहीं कि उसकी ज़िंदगी का सुख छिन जाएगा। सभी यह कहने का पाखंड तो करते हैं कि सीखने में, आगे बढ़ने में, और सफलता पाने में असफलता आवश्यक हैं, किंतु हमें शिक्षा तो असली जिंदगी में असफलता से बचने की दी जाती है। असफलता को दंडित किया जाता है। अब तो विफलता का भूत लोगों के दिमाग पर पहले से कहीं ज्यादा हावी है। अनिश्चितताओं तथा तेजी से आ रहे परिवर्तनों ने असफलता के भूत की छाया को औरअधिक विकराल कर दिया है। असफलता हमें बुरी लगती है। हमारा दिमाग गलतियों से होने वाले परिणामों पर अधिक केंद्रित रहता है, बनिस्पत कि उसके द्वारा खोले गए अवसरों के।

> **आज की शिक्षा व्यवस्था मानवीयता के नैतिक दायित्वों से मुंह फेरते हुए आधारहीन और मूल्यहीन राजसत्ता में अपना वर्चस्व बनाने का लोभ भी पैदा करती है। आज की शिक्षा सत्ता में कुर्सी पाने या उसे बनाए रखने के लिए अनुष्ठान करना सिखाती है। एक ठहरा हुआ मूल्य सिखाती है।**

जब जीवन की शिक्षा में सफलता ही एकमात्र सूत्र बन जाती है तब कोई कितना ही बचे उसे झूठ, फरेब और बेईमानी की राह पर चल कर सफलता पाना आसान लगने लगता है। आश्चर्य नहीं कि आज का युवा पूछता है कि मैं अगर सत्य बोलता हूं और असफल होता हूं, तो क्या करूं? बेईमानी से बचा जाय कि सफलता छोड़ी जाए, क्या किया जाए? जैसे सवालों के जवाब हमारी आज की शिक्षा में नहीं सिखाए जाते। जीवन में बार-बार असफलता मानव के मन में एक भय पैदा करती है। इसलिए वह उन परिस्थितियों से बचने का प्रयास करता है जो उसे असफलता की ओर धकेलती है। इस भय के चलते अनेक लोग अपने सपनों से दूर चले जाते हैं और हीन भावना से भर जाते हैं। जीवन के आज के ऐसे सत्य से हमारी शिक्षा निगाह फेरे हुए है उस कि ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। हम जीवन की प्रतिकूलता के खिलाफ मजबूत बनने की कोशिश करते हैं मगर हम असफलता के विषय का जिक्र ही नहीं करते, उसे भूल जाना चाहते हैं। असफलता से हम निराश महसूस करते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि हम अपने बारे मे कैसे सोचते है और दूसरे लोगों के बारे मे कैसे सोचते है इसी में सारा रहस्य छुपा है। हमारे विचार ही हमारी भावनाओं को प्रभावित करते हैं। वे कहते हैं कि किसी परेशानी की हालत में हमारे विचार हमारी भावनाओं और हमारे शारीरिक लक्षणों को प्रभावित कर सकते है।

आज की शिक्षा व्यवस्था मानवीयता के नैतिक दायित्वों से मुंह फेरते हुए आधारहीन और मूल्यहीन राजसत्ता में अपना वर्चस्व बनाने का लोभ भी पैदा करती है। आज की शिक्षा सत्ता में कुर्सी पाने या उसे बनाए रखने के लिए अनुष्ठान करना सिखाती है। एक ठहरा हुआ मूल्य सिखाती है। जबकि असली शिक्षा निरंतर जांचा जाने वाला, और जांचा जाकर निरंतर नये रूप में निखर कर उभरने वाला मूल्य सिखाती है। बहुतों को तो यहां तक लगता है कि भारत को एक कचरा फेंकू उपभोक्ता संस्कृति वाला ऐसा देश बनाने पर हमारी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था आमादा है जहां सभी लोग बाज़ार के शिकंजे में फंसे हों। सभी पर खरीदो-खरीदो, भले ही बैंक से उधार लेकर ही खरीदो, पर खरीदो का पागलपन सर्वत्र हावी नज़र आता है। कुछ पाने की एक अजीब सी लाचारी में सभी लोग अपने को फंसा पाते हैं। ऐसे में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाएं पास करके और प्रमाणपत्र आधारित चयन प्रक्रिया की व्यवस्था से चुने जा कर बने शिक्षकों से कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वे तत्व ज्ञान वाली भाषा बोल या समझ सकते हैं और वैसी शिक्षा दे सकते हैं। आज की शिक्षा हमें अंध विश्वासों और घोर अकर्मण्य नियतिवाद में ही धकेलती है। यह सबको स्पष्ट दीख भी रहा है। शिक्षा जब बाज़ार का हित साधने वाली बना दी जाती है तब यही होता है। ऐसा इसे कौन बनाता है? हमारे नीति निर्माता और लोकतान्त्रिक विधि से चुने हुए जन प्रतिनिधि इन हालात के जिम्मेवार हैं। हालांकि ये जन प्रतिनिधि विधि सम्मत लोकतान्त्रिक दरवाजों से होकर सत्ता में पहुंचते हैं और नीति निर्धारक बनते हैं, परंतु उनका व्यवहार दर्शाता है कि वे सिर्फ एक ही नीति जानते हैं और वह कि किस प्रकार सत्ता पर अपना कब्जा बनाये रखना और जनहित के मुखौटों के पीछे अपने लिए और अपनों के लिए हो कर रहना और काम करना। इसलिए उन्हें ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ही दरकार रहती है जो सबको मृग मरीचिका में भटकाए रखे ताकि दौड़ते-हांफते लोगों के पास उनसे कोई सवाल करने का समय ही न रहे। इसलिए महाजनी संस्कृति उन्हें बड़ी रास आती है। मगर भारतीय मन ऐसा नहीं है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

विश्व छायांकन दिवस पर विशेष

जड़ में चेतन की तलाश करती दृश्य-छंद कला

छायांकन विरल कला है। छायांकन दृश्य में बसे अदृश्य सौंदर्य को अंवेरने की अद्भुत कला है। छायाकार रंग, स्पेस, रेखाओं और परिवेश से जुड़ी तमाम कलात्मक संभावनाओं का एक तरह से हम सबके समक्ष आकाश खोलता है।

मुझे लगता है, छायांकन देखने को संस्कारित करने की दृश्य -छंद कला है। इस कला के अंतर्गत छायाकार चीजों, व्यक्तियों और यथार्थ से जुड़े दृश्यों में एक प्रकार से रमता है। छायांकन असल में देखे, अनुभूत किए हुए यथार्थ को अपनी मौलिक दीठ में सर्वथा नए ढंग से रूपायित करने की ही विरल कला है।

रघुराय ने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की परन्तु भारतीय जन जीवन, प्रकृति दृष्यावलियों, युद्ध, आस्था स्थलों, स्मारकों के साथ ही राजनीतिक, सामाजिक जीवन से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों के उनके छायाचित्र जड़ को जीवंत करने वाले हैं। एक छायाकार की अंतर्मन अनुभूतियों के भाव को उनकी छायांकन कला संग पढ़ा ही नहीं देखा जा सकता है। रघुराय के संगीत, नृत्य, नाट्य आदि कलाओं से जुड़े कलात्मक छायाचित्रों में कलाकारों के जरिए कला के समय को भी हम सुन-गुन और बांच सकते हैं। छायाकार महेश स्वामी ने कभी नृत्य में छाया-प्रकाश से उभरती भंगिमाओं का ध्यान-लोक सिरजा था। इधर कुछ बरसों से वह कैमरे से ली पेड़-पौधों की जीवंत छवियों का कैनवस रूपान्तरण कर रहे हैं।

अविनाश पसरीचा के हिमालय के चित्र, निमाई घोष के सत्यजीत राय की सिने कला और व्यक्तित्व से जुड़े चित्र, राजदीप राकेश के लोक संवेदना से जुड़े उत्सवधर्मिता से जुड़े छायाचित्रों को देखते बहुतेरी बार यह भी लगता रहा है कि बजरिए छायाचित्र हम कला की उस प्रस्तुति समय में प्रवेश कर गये हैं।

अकबर पदमसी लिखते हैं, 'मैं चित्रकार हूं पर कई बार कैमरे से चित्रकारी करता हूं। परछाइयां रोशनी को शिल्पित करती हैं ।' यह सच है, छायांकन में परछाई में भी रोशनी से बहुत कुछ नया सिरजती है। छायाकार देखे हुए में अपनी संवेदना, घटित किसी तात्कालिकता में उपजे क्षण के सौंदर्य, दृश्य में निहित गहराई, गंभीरता या व्यक्ति या वस्तु से जुड़े किन्हीं अचरज भावों को अपने तईं कैमरे की आंख से जब परोटता है, तब उसका वह कैमरे का छायाकंन, कला में रूपान्तरित हो जाता है। आज ही विश्व छायांकन दिवस पर पुष्पेंद्र उपाध्याय की पहली छायाचित्र प्रदर्शनी जवाहर कला केन्द्र में हो रही है। यह देखना सुखद है कि अपने चित्रों में उन्होंने प्रकृति रचे परिवेश को अंतर के अपने उजास से शिल्पित किया है। मुझे लगता है, छायाकार प्रकृति में क्षण-क्षण में जो परिवर्तित होता है, उस सत्य का सौन्दर्यान्वेषण है, छायांकन कला।

कुछ समय पहले ही प्रख्यात कलाकार हिम्मत शाह अपनी कलाकृतियों की एक किताब 'हाई रिलीफ वर्क बाई हिम्मत शाह' स्वयं वह घर आकर देकर गए थे। उनके द्वारा 1968-69 में सेंट जेवियर स्कूल, अहमदाबाद में दीवार पर सीमेंट,

डॉ. राजेश कुमार व्यास

कंक्रीट, पत्थर और ईटों से बेहद कलात्मक म्यूरल कार्य के चितराम इसमें है। पुस्तक में छायाकार सुरेन्द्र पटेल और राघव कनेरिया ने उनके सिरजे उस समय के सुंदर भित्ति चित्र, दीवार के खंड खंड सौन्दर्य के अखंड को गहरे से जिया है। उनके उन छाया चित्रों को देखकर ही मुझे यह भी अनुभूत हुआ, यह छायांकन ही है जिसमें किसी दूसरी कला साधना को इस तरह से सदा के लिए जीवंत कर कला इतिहास की सौंदर्य सृष्टि होती है। युवा छायाकार आकाश शर्मा ने इधर गोविंद देव जी, नाथद्वारा की कृष्ण मूर्तियों के छायाचित्रों को अपने स्तर पर परस्पर एक साथ संयोजित कर डिजिटल प्रिंट के विरल प्रयोग किये हैं। इन्हे देखकर मन में विचार आते हैं, छायांकन यथार्थ के बरक्स नवीन यथार्थ रचने की कला ही क्या नहीं है! बहरहाल, प्रख्यात प्रिंट मेकर, कलाकार जयकृष्ण अग्रवाल की जवाहर कला केन्द्र में कभी जयपुर के जन्तर-मन्तर पर केन्द्रित एक छायाचित्र प्रदर्शनी देखी थी। इसमें उन्होने जंतर मंतर की सीढ़ियों, समय यंत्रों के चित्रीय तत्वों को खगोलीय घटना की अनुभूति में जीते हुए शिल्प स्थापत्य के अनंत विस्तार का अदभुत छाया चित्र रूपान्तरण किया है। मुझे लगता है, छायांकन में देखना ही महत्वपूर्ण नहीं है, उसे देखे को अपने तईं विकसित करते और फिर ऐसे को अंतर्मन अनुभूति में कैमरे के जरिए रूपांतरित करने की कला अधिक महत्वपूर्ण है।

राजा रवि वर्मा प्रातः 4 बजे उठकर चित्र बनाते थे। कहते हैं, राजा रवि वर्मा ने प्रकृति के इसी उजास और अंधकार के रंगों की अनुभूतियों को अपनी कलाकृतियों में बरतें रंगों में रूपान्तरित किया है। गौर करें, उनकी कलाकृतियों में रंग संयोजन ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। नर्मदा के अनथक यात्री अमृत लाल वेगड़ ने नर्मदा के किनारे बसे गांवों के बेहद मोहक शब्द चित्र ही अपनी यात्रा संस्मरणें में नहीं उकेरे हैं बल्कि अपने रेखांकन में भी नर्मदा यात्रा को गहरे से जिया है। छायांकन कला के बारे में जब भी विचारता हूं, 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' पुस्तक में लिखी यात्रा अनुभूति की उनकी यह पंक्तियां जहन में कौंधती है। वह लिखते हैं, '...सारा दिन मंडला की उस पहाड़ी पर रहा। वह पेपरवेट जैसी लग रही थी। आस-पास के खेत कहीं उड़ नहीं जाए, इसलिए उन पर रखा पेपरवेट।' जिस तरह से वेगड़जी यहां आंख से देखे दृश्यों को अपने मन की आंख से अनुभूतियों में रूपान्तरित कर रहे हैं, ठीक वैसे ही छायाकार भी कई बार दृश्य में ऐसे ही संवेदनाओं को घोल कर यथार्थ को देखे से इतर नवीन ढंग से रूपायित करता हमारे समक्ष रखते है। इसीलिए कहें, छायाकार जो देखता है वह कोई और नहीं देखता है।

भारतीय फिल्मों के भीष्म पिता कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के कैमरे से सिरजी दुनिया के प्रति इतना अधिक जुनूनी थे कि उन्हें इसके लिए अपनी एक आंख तक गंवानी पड़ी थी। 'द ग्रोथ ऑफ द प्लांट' के अंतर्गत मटर बोने और उसके बाद उसके क्षण-क्षण में बढ़ते समय को उन्होंने छायांकन में अद्भुत ढंग से जिया है। फिल्मों में अभी जो 'स्पेशल इफेक्ट' हम देखते हैं, उसके जनक यही दादा साहब फाल्के ही रहे हैं। सत्यजित राय के साथ भी यही था, उन्होंने साधारण विषयों, दृश्यों के भी सूक्ष्म ब्योरों के इतने कलात्मक रूप चलचित्र में सिरजे हैं कि अचरज होता है, कैसे यह संभव हुआ होगा। काशी में कभी उन्होंने 'अपराजित' फिल्म की शूटिंग की थी। 'माई इयर्स विद अपू' में वह लिखते हैं, 'बंगाली टोला मे जाकर वहां के मकानों को ध्यान से देखा।

छायांकन कला का बड़ा सच यही है। इस कला में दृश्य से अधिक उसमें निहित और उभरती छवियों की विरलता अधिक महत्वपूर्ण होती है। आईए, विश्व छायांकन दिवस पर दृश्य छंद की इस कला के ऐसे ही मोहक छंदो में रमें। बहुत कुछ नया, अभूतपूर्व मिलेगा।

डॉ. राजेश कुमार व्यास,
संस्कृतिकर्मी, कवि, कला आलोचक

चिड़ावा के प्रदीप पुजारी ने इन्टरनैशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस में नाम दर्ज कराया

■ मौलिक रचना व हिन्दी साहित्य सेवा के लिए इन्टरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस में हुआ नाम दर्ज

चिड़ावा, (निसं)। रचनाकार प्रदीप पुजारी ने अपनी मौलिक रचना व हिन्दी साहित्य सेवा से सबका दिल जीत कर वर्ल्ड रिकार्ड में नाम शामिल कर एक कीर्तिमान अपने नाम किया है। प्रदीप पुजारी को इन्टरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्डस की ओर से इस बाबत मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मान दिया गया। फरवरी 2022 में बहुत बड़े द्विभाषीय अन्तराष्ट्रीय साहित्यिक व सांस्कृतिक समूह ईवा जिन्दगी ने देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर आजादी विशेषांक ई-मैगजिन प्रकाशित कर एक नया और अनोखा विश्व कीर्तिमान बनाया था। इसमें विश्व के 10 देशों के 227 लेखकों व रचनाकारों ने 700 से अधिक मौलिक कविताओं, लेखों आदि के द्वारा अपना योगदान दिया गया। इसमें चिड़ावा के प्रदीप पुजारी ने भी अपनी रचना द्वारा अपना अमूल्य योगदान दिया। इसके अलावा भी वे कई बार दिवस विशेष रचनाकार के रूप में भी प्रतिष्ठा पा चुके हैं। प्रदीप पुजारी की रचनाऐं राजस्थान व उत्तरप्रदेश के समाचार पत्रों में छ्प चुकी हैं तथा विभिन्न ई-मैगजीन में भी इन्हें रचनाओं के लिए दिवस विशेष रचनाकार, राइटर ऑफ द डे व श्रेष्ठ रचनाकार के रूप में चुना जा चुका है। इसके साथ ही इनके द्वारा चिड़ावा के आराध्यदेव श्रीकल्याण प्रभू का चालीसा "श्रीकल्याण-चालीसा" भी तैयार किया जा चुका है।

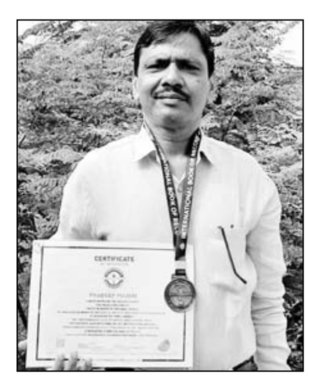

वर्ल्ड रिकार्ड में सर्टिफिकेट के साथ प्रदीप पुजारी।

होटल कासल झूमर बावड़ी का एक करोड़ 2 लाख रूपये से होगा रख रखाव

■ राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने जारी की राशि

सवाई माधोपुर, (निस) । राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल कैसल झूमर बावड़ी सवाई माधोपुर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारम्भ बुधवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यटन को उद्योग का दर्जा देते हुए 1 हजार करोड़ रूपये बजट का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य न सिर्फ होटल इण्डस्ट्रीज को आर्थिक लाभ पहुंचाना है बल्कि होटल इण्डस्ट्री में बूम भी ले करके आना है। उन्होंने कहा कि होटल कैसल झूमर बावड़ी आरटीडीसी के चुनिन्दा सम्पत्ति में से एक है जिसका 1 करोड़ 2 लाख 58 हजार रूपये की राशि से जीर्णोद्धार कर हेरिटेज रूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि निगम की शाही रेल गाड़ी पैलेस ऑन व्हील को भी शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। इसके लिए निगम रेल मंत्रालय के साथ सम्पर्क कर चलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि निगम की सभी होटलों में आधारभूत सुविधाओं में सुधार के साथ इनके बेहतर मार्केटिंग एवं पब्लिसिटी भी की जाएगी ताकि निगम की आय में वृद्धि हो सके और निगम तथा इसके कर्मचारियों के सामाजिक विकास को बढ़ ावा मिल सकें।

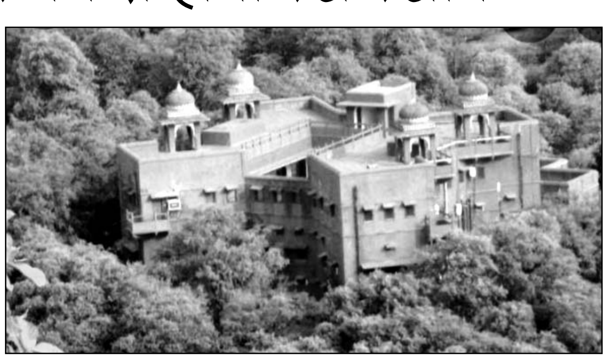

होटल कासल झूमर बावड़ी।

इस अवसर पर सवाई माधोपुर विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार दानिश अबरार, गंगापुर सिटी विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार रामकेश मीना, खण्डार विधायक अशोक बैरवा, प्रबन्धक निदेशक आरटीडीसी विजय पाल सिंह, जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला, जिला पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार विश्नोई, नगर परिषद सभापति विमल चन्द महावर, सहायक निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे। झूमर बावड़ी में रूफ ट्रीटमेन्ट, मरम्मत, रिपेनटिंग, सभी कमरों की रिपेयरिंग और पेंटिंग, किचन और पेन्ट्री रिनोवेशन, सभी कमरों में नई एलईडी टीवी, सभी कमरों, किचन की रिवाईरिंग, सभी कमरों में ए.सी. एवं उद्यानिकी कार्य आदि किए जाएंगे।

"अस्पर्शयता के विरुद्ध 1849 में शुरू लड़ाई अभी मुकम्मल मुकाम पर नहीं पहुंची

■ आजादी के इस दौर मे भी दलित को पानी की कीमत मौत से चुकानी पड़ेगी???

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है किन्तु राजस्थान के जालोर जिले में जातिवादी मानसिकता से ग्रसित एक अध्यापक ने, उसके मटके से पानी पीने पर, तीसरी कक्षा के दलित छात्र, 8 वर्षीय इंद्र कुमार मेघवाल की इतनी बर्बरता से पिटाई की कि 24 दिन के इलाज के बाद भी छात्र के जीवन को नहीं बचाया जा सका। मां सरस्वती के पवित्र प्रांगण में छात्र की पिटाई से मौत होने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। राज्य में शिक्षण संस्थानों में कभी छात्राओं से रेप तो कभी विद्यार्थी के साथ मारपीट होना विद्यार्थियों की सुरक्षा पर सवालिया निशान है।

सबसे हास्यस्पद बात तो यह है कि इतनी विभत्स घटना पर, जब तक छात्र की मौत नही हुई, तब तक सरकार के शीर्ष, मंत्रियों व कलेक्टर, एस.पी. की व तथाखित लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की नींद तक नहीं टूटी-भर्त्सना का एक शब्द सुन ने को नहीं मिला। अगर पीटने वाला अध्यापक छैल सिंह न होकर छेलुखान होता तो सारे गोदी मीडिया को नई खुराक मिल चुकी होती, प्राइम टाइम में यही मुद्दा कनफोड कर्कश बहस का सबसे बड़ा मुद्दा होता।

अब भी सरकार के हवाले से खबर है-- ऐसी घटनाएं देश भर में होती रहती है। हम निंदा करते है-न्याय सुनिश्चित करेंगे। नेता किसी पार्टी के हो, ऐसी घटनाओं पर यह रटी-रटाई प्रतिक्रिया होती है। जिले के एसपी के हवाले से, तो, एक दैनिक अखबार में खबर छपी है कि अभी मटकी की पुष्टि नहीं हुई- स्कूल टीचर्स, विद्यार्थी कह रहे है ऐसी कोई मटकी नही थी!!!! 24 दिन और यह जांच!! यदि किसी नेतानांगले के बेटे के साथ यह हुआ होता तो क्या जांच ऐसे ही चलती??? वैसे यह खबर अभी निकली नहीं है कि एफआईआर कब दायर की गई।क्या आप को लगता है कि जांच सही ढंग से होगी और दोषी को सजा मिलेगी???

महावीर सिंह

असली धर्म है - ब्रह्म जिज्ञासा, सत्यमेव जयते, अहिंसा परमो धर्मः और वसुधैव कुटुंबकम किन्तु उसके सड़े गले रूप की कोख से पैदा हुई है अस्पर्शयता। सदियों से चली आ रही, इस कुप्रथा के खिलाफ आवाज, 1848 से, मुख्यतः बंगाल से उठी और फिर सारे देश में फैली।1950 में भारत का संविधान लागू होने पर ऐसा लगा की यह लड़ाई अपने सही मुकाम पर पहुंच गई। संविधान की धारा 17 में किसी भी प्रकार की अश्पृश्यता को गैक़ानूनी और प्रतिबंधित कर दिया गया। 1955 में संसद नें कठोर, आपराधिक प्रावधानों वाला अस्पर्शयता निषेध कानून बना दिया। किन्तु शीर्ष पर बैठे लोगों की स्वीकारोक्ति है कि ऐसी घटनाएं देश भर में होती रहती है--क्या एक घटना को दूसरी घटनाओं की आड़ में गम्भीरता से नहीं लिया जाए। सदियों की जाती वादी छुआछूत वाली मानसिकता अभी भी विकराल रूप में जिंदा है।

यह बच्चा, जागृत लोगों से, दलित कौम से व पूरे समाज से तथा निकम्मे हुक्मरानों से पूछ रहा है उसका कसूर क्या था? पानी ही तो पिया था। इतना गहरा है जातीय विद्वेष, मटका उसके छूने से अपवित्र हो गया। हो गया था तो मटका फोड देता, उसके पैसे ले लेते, बच्चे को स्कूल से निकाल देते,किन्तु मारा क्यों?

जिसे भगवान माना वह राक्षस क्यों बना ??? आजादी के इस दौर मे भी दलित को पानी की कीमत मौत से चुकानी पड़ेगी???

सरकारों के पास भारत की सभी समस्याओं का एक समाधान होता है, सख्त कानून बनाएंगे। कानून तो बहुत बने हुए है, लागू करते वक्त तेरा-मेरा सामने आता है, सख्त कानून धरा रह जाता है। यह सब राजनीतिक संरक्षण में ही होता है। सब जानते है, हुक्मरान जानबूझ कर भोलेपन का स्वांग करते हैं, यह कह कर की कानून सब के लिए समान है, कानून अपना काम करेगा।

–महावीर सिंह,
(पूर्व आईएएस)

राशिफल

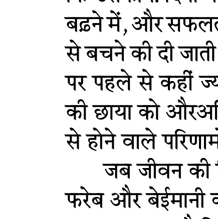

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 18 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र रात्रि 11:35 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:41 तक, विष्टि करण प्रातः 8:53 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:35 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 11:35 से आरम्भ होगा। आज भद्रा प्रातः 8:35 तक रहेगी। आज थदड़ी पर्व और स्मार्त श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:40 तक, चर 10:54 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:44 तक, शुभ 5:21 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:58

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
नवीन कार्यों में में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 17 प्रभात जयपुर, गुरुवार 18 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The Road Less Travelled

At Kaza the vehicles need to be topped up as there are no fuel stations on the way and neither there are mechanic shops. The journey by the end is full of exhaustion.

Oral-hygiene: Beat The Stank

Up & down & round & round, I brush my teeth to keep them sound......

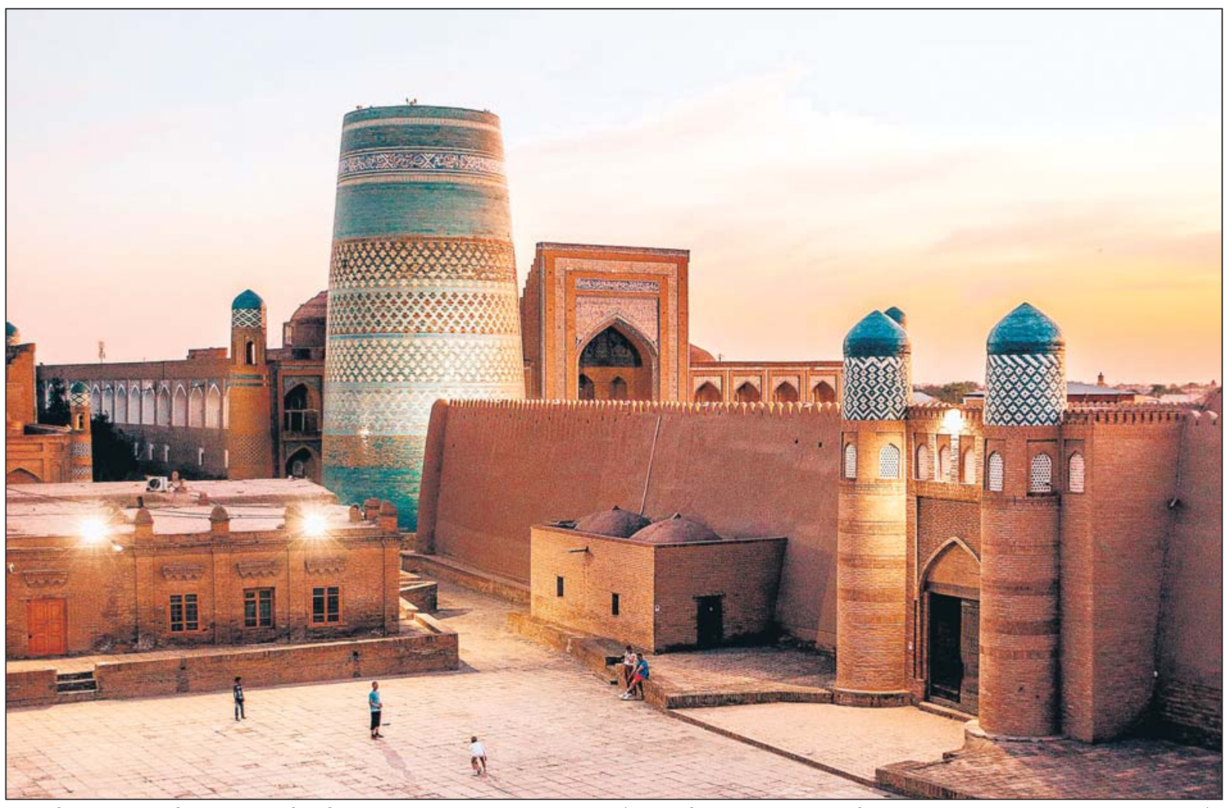

उज़बेकिस्तान का खीवा शहर प्राचीन विश्व के महानतम शहरों में से एक है। स्थानीय दंतकथाओं में खीवा को 2500 साल पुराना बताया जाता है। कहा जाता है कि बाइबल के किरदार ''नोआ'' के एक पुत्र, शैम ने एक कुआं खोदा, जिसका पानी मीठा था। पानी पीने वाले कहते थे ''खे वाख,'' अर्थात् ''क्या आनंद है।'' पुरातात्विक सबूत इसे छठी सदी का बताते हैं। ईसापूर्व दसवीं सदी के हॉरी क्रॉनिकल्स में भी खीवा का उल्लेख है। अरब विद्वान अल इस्ताखरी ने भी खीवा को उस दौर के 30 सबसे बड़े शहरों में से एक बताया था और यह भी कहा था कि खीवा किले की स्थापना नोआ के पुत्र ने रेत पर की थी। खोरेज़्म क्षेत्र में खीवा सबसे लोकप्रिय शहर है। खोरेज़्म में अमू दरिया नाम की नदी बहती है, जो इस क्षेत्र का मुख्य जीवन स्रोत है। यह इस्लाम का एक महत्वपूर्ण शहर है, जिसमें 90 से अधिक मस्जिदें व 60 मदरसे हैं। शहर की एतिहासिक इमारतें इस देश में मिलने वाली अन्य एतिहासिक इमारतों से बहुत अलग हैं। ऊंची कलात्मक मीनारें, भव्य मदरसे और मस्जिदें, बाजार, मध्य कालीन महल और मकबरे, प्राचीन परम्पराएं और सबसे बढ़कर यहाँ की मेहमान नवाज़ी, लोगों को लुभाती है। कैराकुम और केज़ोलकम रेगिस्तानों के बीच में होने के कारण खीवा शहर ग्रेट सिल्क रोड से ईरान व बुखारा जाने वाले काफिलों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रेडिंग पोस्ट व रुकने का स्थान बन गया। एलैक्ज़ैण्डर द ग्रेट, अरब के लोगों, चंगेज़ खान और अमीर तिमूर ने बार-बार इस शहर को तहस-नहस किया। एक समय खीवा सैन्ट्रल एशिया का सबसे बड़ा स्लेव मार्केट था। खीवा शहर का इतिहास बेहद रोचक और बहुआयामी है। यह शहर, जिसे आउटडोर म्यूज़ियम भी कहा जाता है, दो भागों में विभक्त है। बाहरी शहर, डिचान काला, जहाँ अधिकतर खीवा निवासी रहते हैं, तथा ऐतिहासिक भीतरी शहर इचन काला, जो किसी लाइफसाइज़ रेत के किले जैसा दिखता है। यहीं पर खीवा के अधिकतर आकर्षण मौजूद हैं। खीवा में कुतली मुराद इनाक मदरसा और 17 वीं सदी की इमारत, खान अनुष मोहम्मद का स्नानागार देखने लायक हैं। यहाँ की हरेक मस्जिद और मदरसा अपने आप में अनोखा है। यह शहर अपने बाजार के लिए भी विख्यात है, जहां सुंदर कालीन, कशीदाकारी की वस्तुएं, सैरेमिक्स आदि कलाकृतियां खरीदी जा सकती हैं। यह उज़बेकिस्तान का पहला शहर है जिसे युनैस्को ने, 1991 में, युनैस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट का दर्जा दिया।

मोदी-शाह ने भाजपा पर अपनी पूरी पकड़ दर्शायी

नितिन गडकरी व शिवराज सिंह चौहान, दोनों की संसदीय बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव कमेटी की सदस्यता रिन्यु नहीं करवायी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। पार्टी पर अपनी लगातार पकड़ का संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी ने आज सुनिश्चित कर दिया कि केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्टी के निर्णय लेने वाली शीर्ष कमेटियों- संसदीय बोर्ड तथा केन्द्रीय चुनाव समिति से बाहर कर दिया जाए।

- **साथ ही यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पार्टी की इन दोनों सर्वोच्च ''डिसिज़न मेकिंग'' समिति का सदस्य नहीं बनवाया। पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फड़नवीस, जो महाराष्ट्र की शिंदे-भाजपा गठबंधन की सरकार के रचयिता हैं, को पार्लियामैंटरी बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव कमेटी का सदस्य बनवाया। इन दोनों सर्वोच्च डिसिज़न मेकिंग बॉडी के अन्य नये सदस्य हैं, असम के सर्बानन्द सोनोवाल, जिन्होंने असम के मु.मंत्री पद का अपना दावा छोड़कर, हेमन्त बिस्वा सरमा, जो कि हाईकमान की पसन्द थे, को असम का मु.मत्री बनवाया।**
- **अन्य नये सदस्य हैं, येदियुरप्पा, के.एल. लक्ष्मण, इक़बाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव व सत्यनारायण जटिया।**

पार्टी के निर्णय लेने वाले इन दोनों शीर्ष मंचों का पुनर्गठन करते हुये, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी इन दोनों में से किसी फोरम में शामिल नहीं किया है, वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा तथा असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानन्द सोनोवाल इनमें शामिल कर लिये गये हैं।

योगी आदित्यनाथ, जिन्होंने भाजपा को दूसरे अप्रत्याशित रूप से दूसरे कार्यकाल के लिये राज्य की सत्ता में पहुँचाया था, को इन दोनों फोरमों से बाहर रखा जाना चौंकाने वाला है क्योंकि ऐसी चर्चाएँ थीं कि उत्तर प्रदेश में पार्टी की लगातार दूसरी बार जीत के लिये पुरस्कृत करते हुये, योगी को निर्णय लेने वाले सर्वोच्च फोरमों में शामिल किया जायेगा।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा हाईकमान योगी आदित्यनाथ की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाये रखना चाहती है। योगी विभिन्न कार्यक्रमों तथा महत्वपूर्ण घटनाओं और आयोजनों के जरिये, स्वयं को प्रधानमंत्री पद के लिये उपयुक्त एवं सामर्थ्यवान नेता के रूप में प्रोजैक्ट करते आ रहे हैं।

पार्टी का पुनर्गठित संसदीय बोर्ड, जिसमें छः नये चेहरे- बी.एस. येदियुरप्पा, सर्बानन्द सोनोवाल के. लक्ष्मण, इक़बाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव तथा सत्यनारायण जाटिया- शामिल किये गये हैं, नरेन्द्र मोदी-अमित शाह के दौर की भाजपा के सर्वोच्च सोपानों में पीढ़ीगत तथा राजनैतिक बदलाव का संकेत देता है।

संसदीय बोर्ड भाजपा का सर्वोच्च फोरम है, जो मुख्यमंत्रियों, प्रांतीय अध्यक्षों तथा अन्य अति महत्वपूर्ण भूमिकाओं या पदों के बारे में निर्णय लेता है।

नितिन गडकरी, जो आर.एस.एस. के चहेते हैं, को इस सर्वोच्च कमेटी से हटाया जाना इस फेरबदल में सबसे ज्यादा स्तब्ध कर देने वाला निर्णय है। गडकरी, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में वरिष्ठ मंत्री हैं, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष भी हैं तथा पार्टी परम्परागत रूप से अपने पूर्व अध्यक्षों को पार्टी के निर्णय लेने वाली इस सर्वोच्च कमेटी में रखती रही है। पार्टी के सैद्धांतिक परामर्शदाता आर.एस.एस. के साथ गहरे जुड़ाव के कारण गडकरी अब तक, उनके द्वारा अपनी ही सरकार पर प्रायः किये जाने वाले कटाक्षों के बावजूद, इन कमेटियों में बने हुये थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो इन दिनों मोदी-शाह की इच्छानुरूप बने हुये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में कोई सशक्त नेता नहीं ढूंढ पाना खल रहा है भाजपा को

भाजपा लगभग 17 साल (केवल बीच में दो साल को छोड़कर) तक जे.डी.यू. के साथ बिहार में सरकार का हिस्सा रही है, पर नेता की कमी पूरी नहीं कर पाई

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। बिहार के लिये पुनः तैयार की गई रणनीति के हिस्से के रूप में, भाजपा स्व. रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों परस्पर विरोधी गुटों का विलय कराने की, उन्हें एक करने की कोशिश करेगी। इसके अलावा, पार्टी उन छोटी जाति आधारित पार्टियों तथा ग्रुपों के सम्पर्क में आने, उन तक अपनी पहुंच बनाने की भी कोशिश करेगी, जो अत्यधिक पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे भी संकेत मिले हैं कि भाजपा विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी के साथ भी अपने संबंध सुधारने की पहल शुरू कर दी है।

- **अब नीतीश के गठबंधन तोड़कर जाने के बाद, पार्टी लम्बी-लम्बी मंथन बैठकें आयोजित कर रही है।**
- **कई नये-नये फार्मूलों पर विचार हो रहा है, जैसे रामविलास पासवान की पार्टी के दोनों धड़ों को एक करा जाये।**
- **विकासशील इंसान पार्टी से पुनः समझौता किया जाये।**
- **पार्टी के दो पुराने उप मुख्यमंत्रियों की जगह युवा, आक्रामक शैली वाले नेता, ढूंढे जायें, जो विधानसभा व विधानपरिषद में पार्टी की ओर से विपक्ष के नेता नियुक्त हों।**
- **पार्टी को राज्य के लिए एक प्रभारी महासचिव की भी तलाश है, क्योंकि भूपेन्द्र यादव के केन्द्रीय मंत्री बनने के बाद यह पद खाली पड़ा है।**
- **पार्टी ने तीन सूत्री समिति भी तैयार की है।**

मंगलवार शाम को पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग, बड़े संगठनात्मक बदलाव करने की जरूरत के विषय में भी चर्चा हुई, जिससे एक ऐसी अति सक्रिय नेतृत्व टीम अस्तित्व में आ सके, जो बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से 35 सीटें जीतने के पार्टी के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़े। पूववर्ती सरकार के अपेक्षाकृत छोटे कद के पूर्व उपमुख्यमंत्रियों ताराकिशोर प्रसाद तथा रेणु देवी की जगह पर, ई.बी.सी. समुदाय के किसी अच्छे वक्ता, जोशीले तथा गतिशील नेता की खोज शुरू हो गई है। भाजपा के पास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव लड़ना नहीं शिक्षा पाना मूल अधिकार'

जयपुर, 17 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में आयु सीमा में छूट और अंतिम सेमेस्टर के छात्र को चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं देने से जुडे मामले में मौखिक टिप्पणी

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव लड़ने के लिए आयु सीमा में छूट दिए जाने के लिए एक छात्र द्वारा दायर की गई याचिका पर मौखिक टिप्पणी की।**

करते हुए कहा कि छात्रों को शिक्षा पाने का मूल अधिकार है ना की छात्रसंघ चुनाव लड़ने का।

इसके साथ ही अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता छात्र नेताओं को अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए याचिकाओं पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी है। एक्टिंग सीजे एमएम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बलात्कारियों को रिहा करना राज्य सरकार का ही फैसला'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। कांग्रेस ने गुजरात सरकार के इस झूठ को बुधवार को उजागर किया कि उसने बिलकीस बानों गैंग रेप केस के 11 दोषियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रिहा किया हैं।

पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यहां एक प्रैंस कांफ्रैंस में बताया कि जैसा कि गुजरात सरकार द्वारा दावा किया जा रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने उनको क्षमा करने का आदेश नहीं दिया था, बल्कि सिर्फ ये निर्देश दिए थे कि केस का निस्तारण तीन माह के भीतर किया जाए।

उन्होंने राज्य सरकार के इस दावे की भी भर्त्सना की कि उन्हें माफी देने का आधार वर्ष 1992 की नीति थी तथा उन्हें वर्ष 2014 के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्षमा नहीं किया गया हैं। गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों को पढ़ते हुए उन्होंने बताया कि ''गृह मंत्रालय के वर्ष 2014 के दिशा-निर्देश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जिन लोगों पर रेप, गैंग रेप तथा मर्डर जैसे घृणित अपराध सिद्ध हो चुके हैं उन्हें सजा से माफी प्रदान नहीं की जा सकती।''

- **कांग्रेस के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश कभी नहीं दिया कि, बिलकीस बानो के बलात्कारियों को रिहा किया जाये।**

खेड़ा ने कहा कि जो नया तथ्य सामने आया है वह और भी अधिक चौंकाने वाला है। राज्य सरकार वर्ष 1992 की जिस कथित नीति का हवाला दे रही है, उसे गुजरात सरकार ने 8 मई 2013 को समाप्त कर दिया था और उस वक्त नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने 8 मई के आदेश की एक कॉपी भी वितरीत की।

खेड़ा ने कहा कि एक अन्य तथ्य यह है कि राज्य सरकार को सैन्ट्रल एजेंसी द्वारा इन्वैस्टिगेट किए गए केस में दोषियों को माफी देने से पूर्व केन्द्र सरकार की सहमति लेनी पड़ती है। उन्होंने इसे लेकर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह का जवाब चाहा कि क्या केन्द्र सरकार द्वारा सहमति प्रदान की गई अथवा नहीं। केन्द्र ने यदि सहमति प्रदान नहीं की तो वे गुजरात के मुख्यमंत्री के विरूद्ध क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वह जेल एडवायज़री कमेटी के उन सदस्यों के नाम साझा करे जिन्होंने इन 11 दोषियों को माफी देने की सबसे पहले सिफारिश की थी और क्या मुख्यमंत्री की सरकार ने 8 मई 2013 के आदेश को शीर्ष अदालत के साथ साझा किया, जिसके जरिए वर्ष 1992 की नीति को रद्द कर दिया गया था। खेड़ा ने बिलकीस बानो के उन अपराधियों, जिन्होंने रेप किया, नापाक हरकत की, बच्चों की हत्या की और जिन्हें रेप और हत्या का दोषी पाया गया, के प्रति समाज की चुप्पी पर हैरानी जताई।

रोहिंग्यास को फ्लैट?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। गृह मंत्रालय ने बुधवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी इस योजना के लिए लताड़ा कि नई दिल्ली के बकरवाला में ई.डब्ल्यू.एस. (इकोनॉमिकलीवीकर सैक्शन्स) फ्लैट्स रोहिंग्याओं को दे दिए जाएं और उन्हें मदनपुर खादर से स्थानान्तरित कर दिया जाए।

- **रोहिंग्या घुसपैठियों को फ्लैट देने की योजना के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की कड़ी निंदा की।**

एक प्रैस नोट में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि, केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इस सम्बंध में कोई निर्देश नहीं दिया है क्योंकि रोहिंग्या अवैध शरणार्थी हैं और उन्हें भारत से जाना होगा। गृह मंत्रालय पहले ही उन्हें वापस भेजने के बारे में विदेश मंत्रालय के जरिए सम्बंधित देश से बात कर चुका है।

विज्ञप्ति कहती है कि रोहिंग्या जैसे अवैध विदेशियों को उनकी वापसी होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। दिल्ली हाईकोर्ट ने इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन (आई.ओ.ए.) के संचालन का कार्यभार संभालने और

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने तीन ओलम्पिक खिलाड़ियों, अभिनव बिन्द्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज और बी. देव साइश्रम को आई.ओ. सी. के संचालन और चार माह में चुनाव करवाने की जिम्मेवारी सौंपी है।**

चार माह के भीतर नवीन चुनाव करवाने के लिए ओलम्पियन अभिनव बिन्द्रा, अंजू बॉबी जॉर्ज और बोम्बायला देवी साईश्रम को नियुक्त किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुछ ठीक नहीं है भाजपा की कर्नाटक इकाई में

कर्नाटक के प्रभारी महासचिव अरूण सिंह को कर्नाटक भेजा गया, पार्टी में व्याप्त ''कन्फ्यूज़न'' को सुलझाने के लिये

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भाजपा हाई कमान ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य के दिग्गज नेता बी.एस. येदियुरप्पा को बुधवार को पार्टी की शीर्ष निर्णय इकाई-भाजपा संसदीय बोर्ड और केन्द्रीय चयन कमेटी में पदोन्नत किया, लेकिन उसने इसी दिन पार्टी के कर्नाटक प्रभारी अरूण सिंह को राज्य के महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों से पूर्व पार्टी को व्यवस्थित करने के लिए बैंगलोर भेजा।

- **एक तरफ तो मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई, हिन्दू संगठनों का लक्ष्य बने हुए हैं, और ये संगठन उन पर आरोप लगा रहे हैं कि, वे पार्टी के कार्यकर्ताओं को मुस्लिम साम्प्रदायिक संगठनों के जान लेवा हमलों से बचा नहीं पा रहे।**
- **दूसरी ओर उनकी सरकार के विधि मंत्री मधु स्वामी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें, विधि मंत्री ने साफ कहा कि, मुख्यमंत्री बोम्मई की सरकार नहीं चल रही। मु.मंत्री चुनाव तक केवल टाईम पास कर रहे हैं।**
- **इसी प्रकार, परिवहन मंत्री बी. श्रीरामुलू ने अजीबोगरीब टिप्पणी की कि, वे प्रसन्न होंगे अगर, कांग्रेस पार्टी के नेता पूर्व मु.मंत्री सिद्धारमैया, पुनः मु.मंत्री बनें।**
- **शायद मु.मंत्री व पार्टी का मनोबल व हौंसला बढ़ाने के लिये ही, पूर्व मु.मंत्री येदियुरप्पा को पार्टी की ''सर्वोच्च डिसिज़न मेकिंग'' कमेटी, संसदीय बोर्ड व केन्द्रीय चुनाव समिति का सदस्य बनाकर, झाड़-पोंछ कर पुर्नस्थापित किया गया है। लिंगायत नेता येदियुरप्पा से उम्मीद की जा रही है कि, वे लिंगायत वोट बैंक को पार्टी के पक्ष में संगठित कर लेंगे।**

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच बैंग्लोर में अतिव्यस्त राजनीतिक गतिविधियां देखी जा सकती हैं। हांलाकि मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने इससे इन्कार किया है, जो पार्टी कार्यकर्ताओं के जीवन की कथित रूप से रक्षा ना कर पाने को लेकर पिछले कुछ समय से हिंदू संगठनों के निशाने पर रहते आए हैं। उनके और भाजपा के लिए और भी अधिक परेशानी की बात यह है कि राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं जिन्होंने विपक्ष को पार्टी पर प्रहार करने का साधन दे दिया हैं।

कर्नाटक के विधि मंत्री जे.सी. मधुस्वामी ने एक लीक्ड़ वीडियों में टिप्पणी की कि राज्य में सरकार नहीं चलायी जा रही है, बल्कि इसका अगले चुनावों तक प्रबन्धन भर किया जा रहा हैं। इस टिप्पणी ने पार्टी और मुख्यंमत्री को शर्मिंदा कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने जब इस टिप्पणी के लिए मंत्री को फटकार लगायी, तब मंत्री ने घोषणा की कि वह अपनी टिप्पणी के लिए इस्तीफा देने को तैयार हैं।

और इतना ही नहीं।

परिवहन मंत्री एवं भाजपा के दबंग नेता बी. श्रीरामुलू ने कहा कि यदि पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता एस. सिद्धारमैया फिर से मुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें खुशी होगी-1 एक व्यक्ति जो पिछले विधानसभा चुनवों में सिद्धारमैया से हार गया था, यदि अपने विरोधी की प्रशंसा करने लगे तो भृकुटियां तो तनती हैं। उन्होंने सिद्धारमैया को अपना अच्छा मित्र बताया।

इसके अलावा कुछ विधायक पार्टी नेतृत्व और मुख्यमंत्री के प्रति असंतोष व्यक्त करते आए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि भाजपा से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शायद इन्हीं परिस्थितियों पर पार पाने के लिए भाजपा के राज्य प्रभारी अरूण को बैंगलोर भेजा गया है। पार्टी की राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'छह विधायक दे देंगे इस्तीफा'

सुराणा गांव में नेताओं के दौरे के बीच ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा की चेतावनी

- **साथ में दी धमकी, ''पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा''**
- **यह भी बोले, ''उस वक्त के और वर्तमान के हमारे अध्यक्ष कहां थे, जब डांगावास कांड हुआ था, डांगावास कांड के समय पानाचंद ने इस्तीफा क्यों नहीं दिया''**

जयपुर, (का.प्र.)। जालोर के सुराणा गांव में टीचर की कथित पिटाई से दलित स्टूडेंट की मौत के बाद राजस्थान में गरमाई हुई सियासत के बीच कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी के साथ कांग्रेस के नेताओं में होड़ मची है कि सबसे ज्यादा दलित हितैषी कौन बने, इसलिए कांग्रेस के नेता नित नए बयान दे रहे हैं। अब इस लिस्ट में नया नाम जुड़ गया है राजेंद्र गुढा का। अपने बयान के जरिए राजेंद्र गुढ़ा ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भले ही वह कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और मंत्री बन गए हैं, लेकिन जो छह विधायक बसपा से आए हैं, उनका गुट कांग्रेस से अलग है। इसलिए उन्होंने जालौर मामले को लेकर छह विधायकों के इस्तीफे की चेतावनी दे डाली।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने जालौर कांड के साथ ही नागौर के डांगावास कांड की याद ताजा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर भी निशाना साधा है। इसी के साथ गुढ़ा ने जालोर मामले में न्याय नहीं मिलने पर बसपा से कांग्रेस में आए सभी 6 विधायकों के सरकार से समर्थन वापस लेने तक की चेतावनी भी दी है। गुढ़ा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि बच्चे को जिस टीचर ने मारा, उसे चाहे फांसी पर लटका दीजिए, लेकिन इस घटना के लिए पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी एक आदमी ने अपराध किया तो समाज कैसे दोषी हो गया?

गुढा ने कहा कि एक व्यक्ति के अपराध में पूरे राजपूत समाज को खलनायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह अच्छी बात नहीं है, जिसने गुनाह किया है, उसे सजा दीजिए। दलित बच्चे की मौत के मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में डे-टू-डे सुनवाई कीजिए। सजा दिलाकर मिसाल पेश कीजिए, लेकिन एक समाज को बेवजह विलेन बनाना सहन नहीं करेंगे। गुढा ने कहा कि मैं हमारे साथी विधायक लाखन मीणा के बयान से 100 फीसदी सहमत हूं। सरकार कार्रवाई नहीं करेगी। दलित बच्चे को न्याय नहीं मिलेगा, तो हमारे सभी 6 विधायक सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे। इसके लिए चाहे हमारी विधानसभा की सदस्यता ही क्यों न चली जाए?

जालौर मामले के बहाने ही गुढ़ा ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि पानाचंद मेघवाल बताएं कि डांगावास के वक्त इस्तीफा क्यों नहीं दिया? बीजेपी के नेता डांगावास के वक्त कहां थे। डांगावास के समय किसी भी एक हत्यारे को सजा मिली क्या? किसी को न्याय मिला क्या? सचिन पायलट और गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल दागते हुए गुढा ने कहा कि हमारे उस समय के प्रदेशाध्यक्ष और आज के प्रदेशाध्यक्ष हैं, वे इस मामले में क्यों नहीं बोले? जिस वक्त डांगावास कांड हुआ। उस वक्त दलितों के साथ अस्पताल में मैं था, आज बयान देने वाले नेता वहां कहीं नजर नहीं आ रहे थे। डांगावास कांड में पांच दलितों को बेरहमी से मारा गया था, उनके लिए कोई नहीं बोला। मंत्री गोविंद मेघवाल के बयान को लेकर भी गुढा ने कहा कि आज जो नेता बयानबाजी कर रहे हैं, वे डांगावास कांड के वक्त भी अगर पीड़ित दलितों को न्याय दिलाने की मांग करते तो ज्यादा अच्छा होता। हमारे मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि ठाकुरों ने पीट-पीट कर उनकी पीठ तोड़ दी। किसी अपराधी की कोई जाति नहीं होती। एक समाज को विलेन बनाने की कोशिश न की जाए। डांगावास में इनकी संवेदनाएं कहां चल गई थीं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा गजटेड अफसर मेरे विधानसभा क्षेत्र में हैं। मेरे क्षेत्र में 95 फीसदी व्यक्तिगत रूप से राजेंद्र गुढ़ा के साथ हैं। पार्टी के साथ नहीं। दलितों के अधिकारों के लिए हम जान दें दें। राजस्थान की धरती पर दलित के साथ अत्याचार हो तो राजेंद्र गुढ़ा जान दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि जिस डांगावास मामले की बात गुढा ने कही है, उस दौरान नागौर जिले के डांगावास गांव में जमीन विवाद को लेकर 5 दलितों को पीट-पीटकर मार दिया था। यह घटना 2015 में भाजपा राज के दौरान हुई थी। उस समय जमकर विवाद और राजनीति हुई थी। इसके बाद सीबीआई जांच दी गई थी।

'लम्पी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुपालकों को जागरूक करें'

पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने लम्पी स्किन डिजीज को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को पंत कृषि भवन में बैठक ली।

जयपुर, (का.सं.)। पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने प्रदेश के गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन डिजीज को लेकर कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार,पशुपालन विभाग के शासन सचिव पीसी किशनएवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां पंत कृषि भवन में बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस रोग का बचाव ही उपचार है,ऐसे में जन जागरूकता अभियान के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि पर्यवेक्षकों एवं सुपरवाइजर्स को भी इससे जोड़ने के निर्देश दिए।

पशुपालन मंत्री ने बताया कि गौवंशीय पशुओं में फैल रही लम्पी स्किन रोग की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि गुरूवार को कृषि एवं पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे पशु चिकित्सकों एवंकृषि पर्यवेक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिये बीमारी की स्थिति एवं रोकथाम के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाएं जाएंगे।

इससे पूर्व मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने आयुर्वेद एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर लम्पी रोग के बचाव एव रोकथाम में कारगर आयुर्वेदिक औषधियों पर चर्चा की। शर्मा ने लम्पी स्किन रोग की समीक्षा करते हुए तत्काल गोट पॉक्स वैक्सीन खरीदने के निर्देश भी दिए।

करोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की मौत हुई राजस्थान में

बुधवार को भी जयपुर और झालावाड़ में दो संक्रमितों की मृत्यु हुई है

- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 502 नए संक्रमित मिले, वहीं 687 मरीज ठीक भी हुए हैं।**
- **अलवर में सर्वाधिक 107, जबकि जयपुर में 96 नए संक्रमित पाए गए हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से इस महीने में अब तक 18 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी दो और मरीजों की मौत हुई है। इस बीच राज्य में 502 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि साढ़े छह सौ से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेश में करोना संक्रमण का कहर बढ़ता ही जा रहा है। राज्य में बड़ी संख्या में नए संक्रमित मिलने के साथ ही इससे मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। बुधवार को राज्य में जयपुर और झालावाड़ में करोना से दो लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9598 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। इस दौरान 27 जिलों में 502 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 191 रोगी पाए गए थे। इधर राज्य में आज सबसे ज्यादा 107 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा जयपुर में 96, भरतपुर में 72, उदयपुर में 34, भीलवाड़ा व जोधपुर में 28-28, दौसा में 26, चित्तौडगढ़ में 25, प्रतापगढ़ में 20, नागौर में 18, अजमेर व कोटा में 9-9, बूंदी में 5, राजसमंद में 4, पाली व सवाईमाधोपुर में 3-3, टोंक, बांसवाड़ा, जालोर व झालावाड़ में 2-2 तथा बाड़मेर, बीकानेर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और झुंझुनूं में एक-एक नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 687 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3944 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में 190 मरीजों के ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस 1300 रह गए हैं। जयपुर में बुधवार को 32 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 12 नए मरीज मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा झोटवाड़ा में 7, दुर्गापुरा व सांगानेर में 6-6, दूदू में 5, अजमेर रोड, जगतपुरा, जमवारामगढ़ व मालवीय नगर में 4-4, आदर्श नगर, जवाहर नगर, टोंक फाटक व वैशाली नगर में 3-3, बस्सी, ब्रह्मपुरी, चाकसूं, गंगापोल, जौहरी बाजार, लालकोठी व रामगंज में 2-2 तथा बरकत नगर, सी-स्कीम, सिविल लाइन, गोविंद नगर, जयसिंहपुरा खोर, कोटपूतली, निर्माण नगर, प्रताप नगर, राजापार्क, शास्त्री नगर और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

'केन्द्रीय मंत्री ने झूठी, घृणा फैलाने वाली बातें कहीं'

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान से चुनकर मंत्री बनने वाले शेखावत की प्रेसवार्ता में राजस्थान की जनता 13 जिलों के लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने हेतु बनी ईआरसीपी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की घोषणा अथवा प्रदेश को केन्द्र से मिलने वाली योजनाओं हेतु विशेष पैकेज की घोषणा का इंतजार कर रहे थे, किन्तु इन मुद्दों की बजाए केन्द्रीय मंत्री बिना किसी तथ्य के राजस्थान सरकार पर अनर्गल व झूठे आरोप लगाते रहे।

जयपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने वही झूठी व घृणा फैलाने वाली बातें कही, जो आरएसएस की पाठशाला में सिखाई जाती है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री जिस प्रदेश से चुनकर केन्द्र सरकार में ऊंचे पद तक पहुंचे हैं, उसी प्रदेश के बारे में झूठ बोलकर प्रदेश को कलंकित करने तथा खराब प्रदेश बताने की चेष्टा की है जो कि निंदनीय है एवं उनके द्वारा दिया गया बयान झूठा तथा राजनीति से प्रेरित है।

गहलोत की नाक के नीचे आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही : डॉ.सतीश पूनिया

जयपुर के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने की घटना पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी

- **'मुख्यमंत्री इस तरीके की घटनाओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं और उनको रोकने के लिए भी पूरे तरीके से नाकाम हैं'**
- **'एक दलित महिला शिक्षिका के साथ में यह समाज के लिए आंख खोलने वाली घटना है, पुलिस यदि तत्पर होती, प्रशासन यदि तत्पर होता, यदि उसकी सुनवाई होती तो यह घटना नहीं होती'**

जयपुर। जयपुर जिले के जमवारामगढ़ में महिला टीचर को जिंदा जलाने और प्रदेश की बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस शासन में यह पहली घटना नहीं है, इस तरीके की घटनाएं साल में हजारों हो रही हैं और अब तक पूरे प्रदेश में 7 लाख से अधिक मुकदमे, औसतन 18 बलात्कार और 7 हत्याएं प्रतिदिन, यह अपने आप में एक आंकड़ा इस बात को प्रस्तुत करता है, इस बात का साक्ष्य है कि कांग्रेस सरकार के कामकाज की कानून व्यवस्था की यह बानगी है।

पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की नाक के नीचे हुई यह घटना और सुदूर किसी आदिवासी क्षेत्र में होती है, किसी सीमावर्ती क्षेत्र में भी होती है, कभी मेवात के क्षेत्र में होती है, घटनाएं तभी होती है कि जब अपराधी बैखोफ होता है, अपराधी को यह भरोसा होता है कि मैं कुछ भी करूंगा तो मेरा बाल बांका नहीं होगा, मैं सामान्य सी परिस्थिति में धारा में दर्ज होकर मुकदमें से बाहर आ जाऊंगा। राज्य सरकार की शिथिलता, लापरवाही और कानून व्यवस्था के प्रति उसकी संवेदनहीनता, यह ऐसे मामलों को और ज्यादा प्रेरित करती है और यह घटना भी जो जमवारामगढ के रायसर गांव में घटित हुई, एक दलित महिला शिक्षिका के साथ में यह समाज के लिए आंख खोलने वाली घटना है, पुलिस यदि तत्पर होती, प्रशासन यदि तत्पर होता, यदि उसकी सुनवाई होती तो यह घटना नहीं होती। घटनाओं की लंबी फेहरिस्त है और दुर्भाग्य है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री इस तरीके की घटनाओं के प्रति न तो संवेदनशील हैं और उनको रोकने के लिए पूरे तरीके से नाकाम भी हैं। कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और विधायकों द्वारा विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को लेकर की जा रही मनमानी को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में डॉ. पूनिया ने कहा कि, यह सरकार ही गैर-जिम्मेदार है, इसलिए सरकार का मंत्री जिम्मेवार होगा इसकी कैसे उम्मीद कर सकते हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद गैर जिम्मेवार हों ऐसे में कांग्रेस सरकार की अब जो पॉलिटिक्स है वो प्रतिशोध की राजनीति है, ईर्ष्या की राजनीति है, तुष्टिकरण की राजनीति है, इसलिए कांग्रेस का कोई मंत्री निरपेक्ष होकर काम करेगा इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती है। दूसरा कांग्रेस के विधायकों को जिस तरीके से राज्य सरकार के मुखिया का संरक्षण मिला है।

गोवर्धन सिंह को नहीं मिली राहत

- **सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने को भी न्यायिक प्रक्रिया का दुरूपयोग बताया है**

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआर से निलंबित अधिवक्ता गोवर्धन सिंह के खिलाफ दर्ज केसों की जांच व उनमें गिरफ्तारी से जुड़े मामले में प्रार्थी को राहत नहीं दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने गोवर्धन सिंह के आर्टिकल 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने को भी न्यायिक प्रक्रिया का दुरूपयोग बताया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि प्रार्थी ने राजस्थान हाईकोर्ट में अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर की थी और उस याचिका में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला भी सुरक्षित रख लिया था। इसके बावजूद भी उसने न्यायिक प्रक्रिया का दुरूपयोग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, ऐसी याचिका में अदालत सुनवाई नहीं करना चाहती। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश गोवर्धन सिंह की याचिका को खारिज करते हुए दिए। हालांकि अदालत ने प्रार्थी को छूट दी है कि वह सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट के समक्ष ही आवेदन करे और एकलपीठ के समक्ष ही अपना पक्ष रखे।

गोवर्धन सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि कि उसके खिलाफ दायर सभी एफआइआर की एक साथ जांच होनी चाहिए। वहीं उसके खिलाफ नई एफआईआर दर्ज होने पर रोक लगाई जाए और मामलों की जांच राजस्थान से बाहर किसी अन्य एजेंसी से करवाई जाए। इसके विरोध में राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि प्रार्थी ने ऐसी ही राहत के लिए हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की है।

समिति का गठन

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के निर्देश पर अलवर जिले के गोविंदगढ़ में मॉब लिंचिंग की घटना की जांच के लिये एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है, यह जांच समिति घटनास्थल का 18 अगस्त को दौरा करेगी।जांच समिति में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी व प्रदेश महामंत्री मदन दिलावर शामिल हैं।

नोटिस जारी

जयपुर।हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद भी इन सर्विस कोटे में जीएनएम प्रशिक्षण के लिए एएनएम को चयनित नहीं करने पर स्वास्थ्य निदेशक सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश मोनिका व अन्य की अवमानना याचिका पर दिए।

नम्बर मिलाइए
9587884433

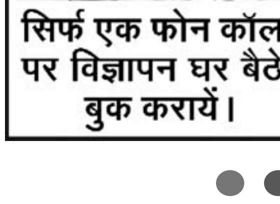

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

गति शक्ति योजना पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा ने रेलवे विभागाध्यक्षों तथा चारों मण्डलों के रेल प्रबंधकों के साथ बैठक की।

जयपुर (का.सं.)। महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा ने उत्तर पश्चिम रेलवे पर विभागों के विभागाध्यक्षों तथा चारों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधको के साथ संरक्षा बैठक की। बैठक में सभी मण्डल रेल प्रबंधक वीडियों कॉन्फ्रेस के माध्यम से जुडे हुये थे। बैठक में महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन में संरक्षित संचालन पर विशेष ध्यान देने के साथ ही गति शक्ति योजना में महत्वपूर्ण कार्यों को लक्षित समय में पूरा करने के दिशा-निर्देश प्रदान किये।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार सर्वप्रथम बैठक में महाप्रबंधक महोदय विजय शर्मा ने उत्तर पश्चिम रेलवे के सभी मण्डलों पर यात्री सुविधाओं में उच्च कोटि के कार्य निष्पादन हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए। महाप्रबंधक ने उत्तर पश्चिम रेलवे पर संरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यो को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए कहा। महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि विगत समय में हुई दुघर्टनाओं ने हमें और अधिक सतर्क रह कर कार्य करने के प्रति जागरूक किया है तथा सरक्षा के लिये सभी स्तर के निरीक्षणों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। महाप्रबन्धक महोदय ने ट्रेन लोकोपायलेट के कार्य एवं ड्यूटी घंटो की सतत् निगरानी के साथ ही विद्युतीकरण एवं वन्दे भारत ट्रेन के लिये उपयुक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही रेल सेवाओं में चैन पुलिंग की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहा। वाणिज्य विभाग द्वारा आय के अन्य स्त्रोतो में ई-ऑक्शन प्रणाली को शत् प्रतिशत लागू करने पर बल दिया।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय राजस्थान आवासन मण्डल
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या :- 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 11677 दिनांक 10.08.1979 जारी कर आवास संख्या- 5-ज-36, नाहरी का नाका, जयपुर क्षेत्रफल 60.00 वर्ग मीटर का हस्तान्तरण श्रीमती देवी बाई पत्नी स्व. श्री दयाल दास के पक्ष में किया गया था। तत्पश्चात उनके पक्ष में आवास का आवंटन पत्र क्रमांक 11858 दिनांक 24.08.1979 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 13.09.1979 को संभलवा दिया गया था। श्रीमती देवी बाई की मृत्यु दिनांक 28.01.2018 को हो जाने के कारण श्री किशोर कुमार छत्तानी एवं श्री दिनेश कुमार छत्तानी पुत्रान् स्व. श्री दयाल दास के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्री किशोर कुमार छत्तानी एवं श्री दिनेश कुमार छत्तानी पुत्रान् स्व. श्री दयाल दास के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

दी राजस्थान अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
प्रधान कार्यालय जी-20, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
टेलीफोन नं. 0141-2360373, 2372384

दिनांक: 18.08.2022

वार्षिक आम सभा की सूचना

बैंक के समस्त योग्यता धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की 33वीं वार्षिक आम सभा की बैठक शनिवार दिनांक 27 अगस्त 2022 को प्रात: 11.00 बजे सभागार, चतुर्थ तल, नेहरु सहकार भवन, भवानी सिंह मार्ग, जयपुर पर आहूत की गई है। इसमें भाग लेने हेतु समस्त योग्यता धारक सदस्य कोविड-19 के सभी सुरक्षा मानकों के निर्देशों की पालना के निवेदन के साथ सादर आमंत्रित है। उक्त बैठक हेतु निर्धारित कोरम पूर्ण नहीं होने की अवस्था में स्थगित आम सभा की बैठक दिनांक 27 अगस्त 2022 को ही दोपहर 12.00 बजे उसी स्थान पर आयोजित की जायेगी।

प्रबंध निदेशक

सूचना दि. 17.05.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय प्लॉट नं. सी-88, हाउसिंग कॉलोनी, रोड नं.15 विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र जयपुर में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 120 वर्गमीटर है। उक्त प्लॉट रीको द्वारा लीज एग्रीमेन्ट रिकार्ड डिस्पोजल ऑफ लैण्ड रूल्स 1979 के अनुसार महावीर बुनकर S/O प्रभाती लाल बुनकर को आवंटित किया था। महावीर बुनकर ने उक्त प्रोपर्टी को श्री पवन कुमार अग्रवाल पुत्र श्री प्रभु दयाल अग्रवाल निवासी ए-88, उद्योग विहार रोड नं. 17, वी. के. आई. एरिया को दिनांक 10.04.2008 को रजिस्ट्री द्वारा बेच दिया था। तत्पश्चात पवन कुमार अग्रवाल ने श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री मांगीलाल निवासी 186, नेताजी सुभाष मार्ग, पूर्वी बाबरपुर शाहदरा दिल्ली को रजिस्ट्री द्वारा दिनांक 17.05. 2011 को बेच दिया था। उक्त प्रोपर्टी का मुख्त्यारनामा महावीर बुनकर और पवन कुमार अग्रवाल के बीच के कागजात बुक नम्बर 40 जिल्द नम्बर 38 पेज नम्बर 200 805 3000 136 बढारना, हरमाड़ा में कहीं गुम हो गये थे। जिनकी एफआईआर एलआर नम्बर 152 6467 /2022 दिनांक 03.08.2022 को करवा दी गई। उक्त प्रोपर्टी पर लोन हेतु एसबीआई में आवेदक रमेश चन्द सैनी S/O पांचू राम सैनी द्वारा लोन हेतु आवेदन किया गया है। उक्त प्रोपर्टी के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति होतो मय साक्ष्यों के 07 दिवस में विमला देवी धर्मपत्नी मांगीलाल से सम्पर्क कर सकते हैं। कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर लोन की कार्यवाही आवेदक के पक्ष में सम्पादित कर दी जावेगी। सूचित रहें। विमला देवी धर्मपत्नी मांगीलाल सी-88, रीको हाउसिंग कॉलोनी, बढारना, हरमाड़ा, जयपुर

सम्पर्क SBI RACPC-1
Kailash Tower, Tonk Road, Jaipur

खोया-पाया

जेडीए की योजना तिरूपति विहार के भूखण्ड संख्या 57, 58, 59 के मूल दस्तावेज जेडीए से जारी जेडीए पट्टा, स्टाम्प पेपर, साइट प्लान, रसीद आदि खो गए है सूचित करें :- राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री गोपाल लाल मो- 9829006050

जेडीए कि योजना न्याय वाटिका के भूखण्ड संख्या बी-17, के मूल दस्तावेज जेडीए से जारी जेडीए पट्टा, स्टाम्प पेपर, साइट प्लान, रसीद आदि खो गए है सूचित करें राजेन्द्र कुमार चचन पुत्र श्री मुरारी लाल मो-7014460701

Declaration regarding name mismatch

I Rajesh Kumar Soni son of Late Shri Satyanarain Soni Resident of 32, Nawal Vihar Colony, Sirsi Road, Panchyawala Jaipur Rajasthan Do hereby declare that in my some educational documents and various other identity documents my name has been mentioned as Rajesh Soni and in some documents my name name has been mentioned as Rajesh Kumar Soni .I hereby declare that both Rajesh Soni and Rajesh Kumar Soni are the my names.

Thanking You

(Manish Prakash Mathur)
Advocate

कार्यालय नगर पालिका लालसोट, जिला-दौसा

क्रमांक-न.पा.ला./2022/2691 दिनांक-16.08.2022

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका लालसोट द्वारा कोयुन लालसोट रोड पर आवासीय पट्टा क्रमांक 361 दिनांक 28.02.2002, 136 वर्गगज का श्री रफीक मोहम्मद पुत्र श्री नजर मोहम्मद द्वारा उक्त भूमि का आवासीय से व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु नगरपालिका में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में किसी आमजन/व्यक्ति/संस्था/को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो अंदर म्याद 15 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मयाद आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

(सीमा चौधरी)
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, लालसोट

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक- एफ-13 ( ) उपा.आयो.।।-/ननिज/2022/052
दिनांक- 16.08.2022

सार्वजनिक सूचना

मूल भूखण्ड सं. 105, लक्ष्मी नगर, कालवाड रोड (भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्री रामपाल पुत्र श्री नाथू के नाम से क्षेत्रफल 137.25 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र की फोटोप्रति, रजि. हकत्याग पत्र की फोटो प्रति एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण किया जाना है। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्री कैलाश चन्द पुत्र स्व. श्री रामपाल के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 137.25 वर्गगज नाम हस्तान्तरण किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना द्वितीय) में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त (आयोजना द्वितीय)
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

(नाम,वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 45/2022

चूंकि श्री महेन्द्र प्रकाश ने प्रन्यास आचार्य श्री सिद्धी दात्री आश्रम चैरिटेबल ट्रस्ट गुवारडी जयसिंहपुरा चौमू जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत श्री सिद्धी दात्री आश्रम चैरिटेबल ट्रस्ट गुवारडी जयसिंह पुरा, चौमू जिला जयपुर ने पूर्व न्यास समिति को भंग कर प्रन्यास के विकास के लिये नवीन न्यास समिति का गठन किया है। महेन्द्र प्रकाश को अध्यक्ष, श्री जय कुमार सैनी को उपाध्यक्ष, श्री रतनलाल शर्मा को सचिव, श्री नारू राम मीणा प्रन्यासी श्री मदन लाल माली प्रन्यासी, श्री सरदार मल यादव प्रन्यासी तथा श्री राम निवास सैनी प्रन्यासी को नवीन प्रन्यासी मनोनीत कर उनके नाम तथा विधान में किये गये परिवर्तनों को दर्ज अभिलेख कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 16.08.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 22.09.2022

रतन लाल योगी
सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर

In The Court of I Civil Judge Class-II Civil Court Nowgong, District Chhatarpur
Presiding Officer: शरद जायसवाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु) (RCSA/0000016/2017)
रावर्ड फ्रान्सिस............वादी
V/s सी.ई. फ्रान्सिस..............प्रतिवादी
Process ID_/2022 पेशी दिनांक :- 26/08/2022
रावर्ड फ्रान्सिस पता विरुद्ध

(1)श्रीमती निरमिला पिता रोली डिकोस्ता पता- निवासी महात्मा गांधी नगर अजमेर रोड जयपुर राजस्थान (2)श्रीमती हैलीन पुत्री पी ई फ्रान्सिस पता- निवासी प्रताप नगर जयपुर राजस्थान (3)श्रीमतीटीना पुत्री रोली डिकोस्ता पता- निवासी महात्मा गांधी नगर अजमेर रोड जयपुर राजस्थान (4)श्रीमती लीरू पिता रोली डिकोस्ता पता- निवासी महात्मा गांधी नगर अजमेर रोड जयपुर राजस्थान (5)श्रीमती ज्योसवीन पति एलक जौडर पता- निवासी प्रताप नगर जयपुर राजस्थान, यह कि प्रार्थी रावर्ड फ्रान्सिस ने आपके विरुद्ध दावा बावत स्वत्व घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करायें। यह आज तारीख 10 August 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मुहर

शरद जायसवाल
व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
नौगांव जिला छतरपुर (म.प्र.)

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अति. जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम-1, जयपुर महानगर (प्रथम)

वाद बावत दीवानी
वाद सं. 20/सन् 2019
राज राजेश्वर बनाम श्रीमती प्रकाश पारीक वगैरहा
बनाम :

1. श्रीमती चन्द्रकला पारीक पुत्री स्व. श्री जमनालाल पत्नी स्व. श्री मोहन लाल पारीक, उम्र 52 वर्ष, निवासी-प्लॉट नं. 238, पेन्टर कॉलोनी, राजपूतों की छतरी, शास्त्री नगर, जयपुर (राज.)-302016
2. श्रीमती मालती पारीक पत्नी स्व. श्री रामचन्द्र पारीक, उम्र 62 वर्ष, निवासी-प्लाट नं. 306, कलाकार कॉलोनी, दूध मण्डी, सुभाष नगर, शास्त्री नगर, झोटवाडा रोड, जयपुर (राज.)-302016
3. कनू पारीक पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र पारीक उम्र 34 वर्ष निवासी-प्लाट नं. 306, कलाकार कॉलोनी, दूध मण्डी, सुभाष नगर, शास्त्री नगर, झोटवाडा रोड, जयपुर (राज.)-302016
4. श्रीमती आभा पारीक पुत्री स्व. श्री रामचन्द्र पारीक पत्नी श्री पंकज पारीक उम्र -वर्ष निवासी-प्लाट नं. 309, कलाकार कॉलोनी, दूध मण्डी, सुभाष नगर, शास्त्री नगर, झोटवाडा रोड, जयपुर (राज.)-302016

वादी ने आपके विरुद्ध दाव डिक्री के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 15 माह 09 सन् 2022 को दिन में 10.30 बजे. दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 17 माह 08 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आज्ञा से
न्यायाधीश
जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-1
जयपुर महानगर (प्रथम)

भारतीय स्टेट बैंक / State Bank of India
भारतीय स्टेट बैंक शाखा-बस्सी साउथ
पता : बस स्टेण्ड, तूंगा रोड़ बस्सी

स्वर्ण आभूषण नीलामी सूचना

भारतीय स्टेट बैंक ने नीचे उल्लेखित उधारकर्ता को स्वर्ण आभूषण गिरवी रखने पर स्वर्ण ऋण प्रदान किया था। उसे ब्याज सहित राशि के पुर्नभुगतान की मांग करते हुए नोटिस जारी किया गया है। चूँकि वह संबंधित खाते में बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहा है। हम सार्वजनिक नीलामी में सोने के आभूषणों की बिक्री से राशि वसूल करने के लिए बाध्य है और यदि नीलामी में आवश्यक राशि नहीं मिलती है तो बैंक निजी संपतियो /अनुबंधों के साथ आगे बढ़ेगा। बैंक बिना कोई कारण बताए नीलामी की तिथि और स्थान को बदलने ध्विस्तारित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

BRCD	SDF BRNM	ACCOUNTID	NAME	OUTS	NET WEIGHT
31039	BASSI SOUTH	35612433736	MUKESH KUMAR SHARMA	189157/-	47.00 grm.

नीलामी का आयोजन भारतीय स्टेट बैंक बस्सी साउथ संबंधित शाखा में दिनांक 22/8/2022 सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक इच्छुक पक्ष उपरोक्त पते पर संबंधित शाखा में शाखा प्रबंधक से संपर्क करें। प्रतिभागियों को नीलामी की तिथि पर पैन कार्ड की प्रति, पासपोर्ट साइज फोटो, वैध पहचान प्रमाण और पते के प्रमाण के साथ नीलामी में भाग लेना चाहिए।

दिनांक : 17/8/2022 स्थान : बस्सी प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक

कार्यालय नगर पालिका मण्डल श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक- नपाश्रीमा/2021-22/3293-94 दिनांक-17.08.2022

आपत्ति आमंत्रण-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका श्रीमाधोपुर में निम्न तालिका अनुसार पट्टा नामान्तरण की पत्रावली पर आपत्ति आमंत्रित की जाती है-

क्र.सं.	नाम पत्रावली	क्षेत्रफल	पत्रावली का प्रकार
1	श्री सुभाष पालीवाल पुत्र श्री प्रेमचन्द पालीवाल निवासीवार्ड नं. 27 कस्बा श्रीमाधोपुर	356.00 वर्गगज	आवासीय पट्टा नामान्तरण

जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो 07 दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज स्वयं की आईडी जिस पर स्वयं के मोबाईल नम्बर अंकित हो व्यक्तिगत उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मियाद विचार नहीं किया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका श्रीमाधोपुर

निलंबित पार्षद चार घंटे तक धरने पर बैठे, नहीं मिली न्यायिक जांच रिपोर्ट

ग्रेटर नगर निगम के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव से बदसलूकी का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । ग्रेटर नगर निगम के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले में न्यायिक जांच रिपोर्ट भले ही राज्य सरकार को सौंप दी गई है, लेकिन इसका खुलासा न तो अभी तक सरकार ने किया है और न ही स्वायत्त शासन विभाग के अफसर इस पर कुछ बोल रहे हैं।

बुधवार को इस प्रकरण में निलंबित पार्षद अजय चौहान और पारस जैन ने स्वायत्त शासन मुख्यालय (डीएलबी) धरना दिया। दोनों पार्षदों ने आरोप लगाया कि न्यायिक जांच के फैसले की कॉपी उन्हें नहीं दी जा रही है। इस कॉपी के आधार पर ही वो आगे कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। ज्ञात रहे कि न्यायिक जांच में महापौर सौम्या गुर्जर व अन्य तीन पार्षदों को दोषी माना गया है। सरकार पूरे मामले पर विधिक राय ले रही है जिसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पार्षद अजय सिंह ने बताया कि राज्य सरकार हमें तो न्यायिक जांच की रिपोर्ट सौंप नहीं रही, दूसरी तरफ हाईकोर्ट में केवियट दायर की गई है।

निलंबित भाजपा पार्षद अजय सिंह शेखावत और पारस जैन ने बुधवार को स्वायत्त शासन मुख्यालय में धरना दिया।

इसे लेकर हमें भी नोटिस भेजा गया है। कांग्रेस सरकार पूरा षड्यंत्र रचकर झूठे मामले में हमें दोषी करार देकर भाजपा की मेयर और पार्षदों को तंग कर रही है। बुधवार को शाम 4 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक हम धरने पर बैठे रहे, स्वायत्त शासन निदेशक ह्रदयेश शर्मा से भी बात की, लेकिन कोई जवाब नहीं दे रहा।

दूसरी तरफ महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर पर एक्शन लेने से पहले सरकार फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। न्यायिक जांच की रिपोर्ट आने के बाद सीधे कार्यवाही करने के बजाए सरकार ने इस पर लीगल राय लेने का मानस बनाया है। इसके लिए सरकार ने एक प्रस्ताव के साथ न्यायिक जांच की रिपोर्ट को लीगल सेल में भिजवाया है।

- **उधर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर पर कार्रवाई करने से पहले विधिक राय लेने में जुटी राज्य सरकार, लीगल सैल में भेजा प्रस्ताव**
- **सौम्या गुर्जर के निलंबन पर राज्य सरकार की पहले भी हो चुकी है किरकरी, सुप्रीम कोर्ट से स्टे लाकर पुनः संभाली थी मेयर की कुर्सी**

संभावना है कि लीगल सेल से राय आने के बाद ही सरकार इस मामले में कोई एक्शन ले सकती है।

सूत्रों के मुताबिक यूरोप के दौरे से लौटने के बाद स्वायत्त शासन विभाग के सचिव जोगाराम ने ये प्रस्ताव लीगल सेल में भिजवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को भिजवाया है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद संभावना है कि प्रस्ताव लीगल सेल में जाएगा। जहां विधि निदेशक के अलावा अतिरिक्त महाधिवक्ता से भी राय ली जा सकती है। हालांकि इस मामले से जुड़े अधिकारी बयान देने से बच रहे है।

सूत्रों का कहना है कि सरकार चाहे तो न्यायिक जांच की रिपोर्ट के आधार पर सौम्या गुर्जर को मेयर के पद से बर्खास्त कर सकती है, लेकिन इस मामले में सरकार कोई जल्दबाजी नहीं करना चाह रही।

इस कार्यवाही से पहले वह कानून के जानकारों से राय-मशविरा करने के बाद ही कुछ करेगी, ताकि आगे जाकर एक्शन लेने के बाद राज्य सरकार की किसी तरह से किरकिरी न हो। न्यायिक जांच के समय सौम्या गुर्जर को मेयर पद से निलंबित करने के बाद सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर से सरकार की किरकिरी हुई थी। इससे पहले संचालन समितियों को भंग करने के आदेश पर भी गहलोत सरकार की जमकर फजीहत हो चुकी है।

सिरसी मोड पर लगे एटीएम उखाड़कर ले जाने वाले 3 शातिर बदमाश दबोचे

जयपुर (कासं)। भांकरोटा पुलिस ने सिरसी रोड पर एक सप्ताह पहले एटीएम तोड़कर ले जाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर तीन बदमाशों को दबोचा है। यह गैंग बड़ी रकम हासिल करने के लिए कर्नाटक से हजारों किलोमीटर का सफर तय कर जयपुर पहुंची थी। यहां जामडोली में 3 जगह, आगरा रोड, सिरसी मोड, सिरसी-अजमेर रोड पर करीब एक महीने पहले से रैकी की थी। पुलिस ने उनके कब्जे से लग्जरी गाड़ी भी जब्त की है।

- **एटीएम लूट के लिए कर्नाटक से जयपुर पहुंचे थे बदमाश, एक महीने तक की थी रैकी**

भांकरोटा पुलिस ने सिरसी रोड पर एक सप्ताह पहले एटीएम तोड़कर ले जाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन बदमाशों को दबोचा।

डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी चेतन चौधरी भूसावर भरतपुर, मनराज निवाई टोंक और नाजिम हुसैन रायपुर नूह सदर हरियाणा का रहने वाला हैं। 8-9 अगस्त की रात को बदमाशों ने सिरसी मोड पर लगे एटीएम के सामने से रैकी की। इसके बाद एटीएम मशीन को उखाड़कर बदमाश अपनी गाड़ी में रख ले गए। पुलिस ने केबिन के अंदर आए दो व्यक्तियों के फुटेजों के आधार पर जांच की तो पता चला कि आरोपी सिरसी, भोज्यावास, भांकरोटा, केशपुरा की तरफ गए है। पुलिस को खाली प्लॉट पर एटीएम मशीन के टुकड़े मिले। पुलिस को वहां गाड़ी की नम्बर प्लेट मिली, जिसके आधार पर पुलिस गाड़ी मालिक तक पहुंची।

नंबर प्लेट और सीसीटीवी की जांच के दौरान नंबर प्लेट फर्जी होने की जानकारी सामने आई। जिसके बाद पुलिस ने तमाम सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध एसयूवी कार तक पहुंची। बदमाशों ने इसी गाड़ी से एटीएम उखाड़कर एक फॉर्म हाउस में रखा। जिसके बाद दूसरी गाडड़ी दौसा होते हुए नूह मेवात हरियाणा जाकर वहां से गैस कटर और अन्य औजार लेकर वापस जयपुर आए और फार्म हाउस में मशीनों को काटकर नकदी निकाली। जिसके बाद ये बदमाश फिर फरार हो गए।

पुलिस की माने तो गैंग से जुड़े कुछ बदमाश वारदात से एक दिन पहले आगरा रोड स्थित अपने साथी के कमरे पर पहुंचे और एटीएम लूट की योजना बनाई। इन बदमाशों ने सिरसी रोड पर एटीएम मशीनों को चिन्हित कर लूट की वारदातों को अंजाम दिया। जांच में सामने आया है आरोपी शाहिद खान के खिलाफ करीब दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज है।

प्रथम वर्ष विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृति

जयपुर (का.सं.)। आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने की ख़ुशी में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर द्वारा वर्ष 2022 बैच के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव" नामक छात्रवृत्ति की घोषणा की गयी।

यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर प्रो डॉ बिस्वेजॉय चटर्जी ने बताया कि यह छात्रवृति उन सभी विद्यार्थिओं के लिए होगी जो विश्विद्यालय में उपलब्ध सभी पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष 2022 के प्रथम वर्ष में प्रवेश लेंगे। छात्रवृति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को पाठ्यक्रम की पात्रता से सम्बंधित विषयों में उच्च माध्यमिक परीक्षा 75 फीसदी या उससे अधिक अंको से पास की हो साथ ही साथ जेईई मेन में रैंक 75000 (सामान्य) तक या नीट परीक्षा में 75 फीसदी तक स्कोर प्राप्त किया हो। प्रो चटर्जी ने बताया की उक्त छात्रवर्ती की राशि केवल प्रथम वर्ष के लिए एक साल की फीस की 75 फीसदी होगी तथा इसके आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त रहेगी।

सिंधी कैंप बस स्टैंड पर रोडवेज बस में आग

चीफ मैनेजर भानू प्रताप सिंह और रोडवेजकर्मियों की समझदारी से हादसा टला

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर खड़ी एक रोडवेज बस में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी खतरनाक थी कि उसे देखकर हर कोई डर गया। आग को बुझाने के लिए दमकल की एक गाड़ी बुलानी पड़ी। गनीमत ये रही कि जिस समय ये आग लगी उस समय बस खाली थी और प्लेटफार्म से दूर खड़ी थी।

सिंधी कैंप के ट्रैफिक मैनेजर हितेश जांगिड़ ने बताया कि जिस बस में आग लगी, वह दोपहर करीब 12:30 बजे पाली से जयपुर पहुंची थी। 1:15 बजे बस को वापस पाली निकलना था। इसी दौरान अचानक बस में आग लग गई। आग बुझाने के लिए बस स्टैंड पर लगे फायर फाइटिंग सिस्टम से उसे बुझाने का प्रयास भी किया, लेकिन आग इतनी ज्यादा थी कि कंट्रोल नहीं हो सकी। इस दौरान प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर दौरा कर रहे चीफ मैनेजर भानू प्रताप सिंह ने आग की लपटें देखी तो दौड़ते हुए बस के पास पहुंचे और आसपास खड़ी करीब 50 बसों को बाहर निकलवाया। इसके बाद बस को जलता देख भानू प्रताप सिंह पानी का पाइप लेकर पूरे प्रेशर के साथ पानी चालू करवाकर आग बुझाने में जुट गए। अंदर की ओर आग पर काबू पाने के लिए वे जलती हुए बस के गेट पर खड़े हो गए और पूरे प्रेशर के साथ बस के अंदर पानी फेंका। उधर नगर निगम में फोन करके दमकल की गाड़ी बुलाई गई।

पाली से जयपुर पहुंची रोडवेज बस में बुधवार दोपहर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर आग लगी।

करीब 15 मिनट के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने पूरी तरह से आग पर काबू पाया। बस की लपटें तेज होने पर एक बार के लिए चीफ मैनेजर ने सभी यात्रियों को बस स्टैंड से बाहर निकालने के लिए कहा। कुछ मिनटों में ही सभी यात्रियों को बाहर कर दिया गया। साथ ही एंट्री और एग्जिट गेट से किसी को अंदर प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी गई। भीड़ को नियंत्रित करने से कोई जनहानि नहीं हुई। आगजनी की घटना के कारण सिंधीकैंप बस स्टैंड से करीब पौन घंटे तक किसी रूट पर बस का संचालन नहीं किया गया।

'जल जीवन मिशन की थर्ड पार्टी जांच'

जयपुर (कासं)। जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत किये गये कार्य तकनीकी रूप से सुदृड होने चाहिए। जिससे भविष्य में किसी भी तरह की परेशानी नहीं आए।

उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब तक हुये कार्यों का थर्ड पार्टी से इन्सपेक्शन करवाया जाए। कलक्टर बुधवार को सभागार में आयोजित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में जयपुर जिले की जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर महीने दिये गये लक्ष्य के अनुसार कार्य पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें जिससे जिले में जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर को नल कनेक्शन से जोड़ा जा सकें। जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्य गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए इनमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के तहत जो कार्य अभी तक लम्बित है उन्हें पूर्ण करें।

सार-समाचार

नर्सिंग ऑफिसर दीपक मंडावत सम्मानित

जयपुर । आजादी के अमृत महोत्सव और 76 वे स्वाधीनता दिवस के अवसर पर एसएमएस अस्पताल के प्रिंसीपल व कंट्रोलर डॉ. राजीव बरगट्टा ने उत्कृष्ट सेवा के लिए सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर दीपक मंडावत को दक्षता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें महिला चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ. आशा वर्मा ने बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता दिवस पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में और सम्बंध हॉस्पिटल में कार्यरत नर्सिंग ऑफ़िसर और अन्य कर्मचारियों को प्रिन्सिपल डॉक्टर राजीव बग़रहटा द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान नर्सिंग ऑफिसर मनोज दुब्बी को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मनोज दुब्बी ने 6 साल आइसोललेश वार्ड में काम किया, जहाँ लावारिस मरीज़ों तथा एक साल कोविड 19 के मरीज़ों की सेवा की।

सुबोध महाविद्यालय में पौधारोपण

जयपुर (का.सं.)। एस एस. जैन सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय रामबाग सर्किल पर आज महाविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण तथा हैल्थ चैकअप कैंप का आयोजन किया गया ।महाविद्यालय के सयोंजक विनय चंद डागा प्राचार्या डॉ रेनू जोशी तथा उप प्राचार्या डॉ इंदु शर्मा ने स्टाफ तथा एन एस एस स्वयंसेवकों के साथ वृक्षारोपण किया। छात्राओं तथा स्टाफ सदस्यों में पौधों का वितरण भी किया गया इस अवसर पर रूट क्योर होम्योपैथी की ओर से आयोजित हेल्थ चेकअप कैंप में स्टाफ सदस्यों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर इसका लाभ लिया ।

शिविर में 115 यूनिट रक्तदान

जयपुर । महावर वैश्य सेवा संस्था जयपुर की ओर से आदर्श नगर के महावर वैश्य भवन में 13वां विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। महावर वैश्य नवयुवक सेवा संस्थाके अध्यक्ष मुदित गुप्ता ने बताया कि शिविर में 115 रक्तदाताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। दुबई, दिल्ली व अन्य जगहों से पधारे अतिथियों ने भी रक्तदान कर जीवन बचाने की मुहिम में साथ दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप आयकर आयुक्त धीरज कुमार गुप्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि अंशुल गुप्ता, दीपिका गुप्ता, पर्यावरणविद डॉ. नरेंद्र भूषण सिंह और उज्जवल इंडिया के निदेशक नरेंद्र शर्मा रहे। रक्त संकलन का कार्य मोनार्क ब्लड बैंक की टीम ने किया।

डॉक्टर्स व नर्सेज का सम्मान किया

जयपुर (कासं)। चाँदपोल स्थित जनाना हॉस्पिटल की अधीक्षक डॉ. कुसुमलता मीणा ने उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ. नीलम भारद्धाज, डॉ.ओ.पी नायक, डॉ. राखी आर्य, डॉ. विजयलक्ष्मी, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. रितु ढंढ, डॉ. संध्या राणावत, डॉ. अनिल गुर्जर, आरएमओ डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. नीलम मीणा, डॉ.एसआर सैनी, नर्सिंग अधीक्षक अशोक मेहता, ओपीडी इंचार्ज रमेश सैनी, एओ एसडी मीणा व वार्ड इंचार्ज बीरबल मीणा सहित कई लोगों को प्रशस्ति पत्र व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस पर अस्पताल परिसर में आयोजित समारोह में इन डॉक्टर्स और नर्सेज का सम्मान हुआ। ओपीडी प्रभारी रमेश सैनी के अनुसार कार्यक्रम में चिकित्सकों, नर्सेज व पैरा मेडिकल स्टाफ ने देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।

परमानंद दलवाड़ी की 'ए विजिट टू फ्रांस-1970' फोटो प्रदर्शनी शुरू

जयपुर, (का.सं.)। 70 के दशक में फ्रांस की अपनी यात्रा के दौरान 82 वर्षीय फोटोग्राफर, प्रो. परमानंद दलवाड़ी द्वारा निकोन एफ कैमरा में कैद की गई फ्रांस की विषम और असामान्य स्थितियों की लगभग 50 तस्वीरों का एक संग्रह तैयार किया है। इन चित्रों में हास्य, कोमलता और फ्रांसीसी समाज का वर्णन है, जिसमें प्रत्येक तस्वीर को छोटी कहानियों के माध्यम से बताया गया है। पोट्रेट्स और लैंडस्केप्स के संयोजन को प्रदर्शित करते हुए, ए विजिट टू फ्रांस, 1970: एन एग्जीबिशन बाय परमानंद दलवाड़ी का उद्घाटन बुधवार को जयपुर के जेम सिनेमा में किया गया। इस दौरान दलवाड़ी की फ्रांस यात्रा और फोटोग्राफी पर चर्चा का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने अनुभव और अपनी प्रदर्शित तस्वीरों के पीछे की कहानी साझा की। चर्चा में सुधीर कासलीवाल, मुग्धा सिन्हा और स्वाति वशिष्ठ शामिल रहे। संग्रह में पेरिस के साथ-साथ फ्रांस के बाकी हिस्सों की तस्वीरें भी शामिल हैं। यह एग्जीबिशन विजिटर्स के लिए 31 अगस्त तक सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक रहेगी।

एग्जीबिशन के बारे में प्रो. दलवाड़ी ने बताया कि, एग्जीबिशन महान फोटोग्राफर, हेनरी कार्टियर-ब्रेसन के साथ मेरी दोस्ती की एक रचनात्मक प्रतिक्रिया और काव्यात्मक परिणति है और फोटोग्राफी की उनकी अनूठी शैली का प्रमाण है। कार्टियर-ब्रेसन को कैंडिड फोटोग्राफी और स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए जाना जाता है। जब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन (एनआईडी), जहां से मैंने शुरूआत की थी, ने मुझे हेनरी कार्टियर-ब्रेसन से मिलने और उनके साथ रहने का मौका दिया, तो मेरे फोटोग्राफर की नजर इस कला से इस तरह से जुड़ी जिसकी मैंने पहले कभी कल्पना भी नहीं की थी।

विद्यार्थियों ने की भूख हड़ताल

जयपुर (कासं)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए छात्रसंघ चुनाव का बहिष्कार करने की धमकी दी है।

जानकारी के मुताबिक बीए की सारा ईस्माइल, अरुंधति, राहुल मीना, कपिल शर्मा, विहान और एमए के छात्र सोमू आनंदख् अभिनव यादव भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। विद्यार्थियों की मांग है कि अध्यक्ष और महासचिव के पद के लिए न सिर्फ मास्टर्स के विद्यार्थियों बल्कि बीए के विद्यार्थियों को भी लड़ने का मौका दिया जाए।

करोना के कारण 2 वर्ष तक छात्र संघ के चुनाव नहीं हुए इसलिए चुनाव लडऩे के लिए आयु सीमा में दो साल की छूट दी जाए। ऐसा नहीं होता तो सभी विद्यार्थी चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

मंत्री ने खत्म कराया छात्रों का धरना-अनशन

जालौर में दलित बच्चे इंद्र मेघवाल की मौत को लेकर था विरोध

जयपुर (कासं)। जालौर के दलित बच्चे इंद्र मेघवाल की मौत के विरोध में राजस्थान यूनिवर्सिटी में पिछले 5 दिनों से बैठे छात्रों का धरना बुधवार को खत्म हुआ। मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास और मुरारी लाल मीणा ने राजस्थान यूनिवर्सिटी पहुंचकर धरनार्थियों से समझाइश की और उनकी मांगों को पूरा करने का वादा किया। इसके साथ ही 24 घंटे से अनशन पर बैठे छात्र नेता रोशन मुंडोतिया को भी जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। दरअसल जालौर के दलित बच्चे इंद्र मेघवाल की मौत के विरोध में राजस्थान यूनिवर्सिटी में पिछले 5 दिनों से छात्र धरने पर बैठे थे। राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नरसी ने कहा कि स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मृतकों के परिजन को सरकारी नौकरी देने की मांग पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही भविष्य में ऐसी कोई घटना ना हो, इसको लेकर भी हमें आश्वासन मिला है। ऐसे में सरकार से मिले आश्वासन के बाद आज हम सब ने सर्वसम्मति से धरना समाप्त करने का फैसला किया है।

छात्रनेता लोकेन्द्र ने यूनिवर्सिटी में युवाओं से वोट मांगते हुए खुद की हथेली काट डाली, पुलिस खड़ी देखती रही

छात्रसंघ चुनाव में समर्थन पाने के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में निकाली थी रैली

जयपुर (कासं)। छात्रसंघ चुनाव को लेकर इन दिनों राजस्थान यूनिवर्सिटी में प्रचार-प्रचार जोरों पर है। बुधवार को छात्र नेता लोकेन्द्र सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में लंबी-चौडी रैली निकाली। छात्राओं को वोट मांगते हुए जोश-जोश में लोकेन्द्र ने चाकू से खुद की हथेली तक काट ली। उसके हाथ से खून बहता रहा, लेकिन पुलिस और अधिकारी मूकदर्शक बने देखते रहे। दूसरी तरफ खून निकलता देख छात्र भी उसे उकसाते रहे, लेकिन किसी ने भी उसे रोकने की कोशिश नहीं की।

दरअसल, छात्र नेता लोकेंद्र सिंह बुधवार को अपने समर्थकों के साथ छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा दिलाने, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में स्थाई फैकल्टी लगाने,

छात्रनेता लोकेन्द्र सिंह

बदहाल यूनिवर्सिटी कैंपस को दुरुस्त करने समेत कई मुद्दों को लेकर यूनिवर्सिटी में रैली निकाली। रैली के दौरान लोकेंद्र ने छात्रों को संबोधित करते हुए चाकू से अपनी हथेली पर कट मारकर यूनिवर्सिटी प्रशासन पर आरोप लगाने लगा। पुलिस और यूनिवर्सिटी के अफसरों ने छात्रनेता को रोका नहीं, उधर छात्र भी नारेबाजी कर लोकेंद्र को उकसाते रहे, जिसकी वजह से उसका काफी खून बह गया। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बाद लोकेंद्र को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उधर लोकेन्द्र ने खुद की हथेली काटने के पीछे तर्क दिया कि "मैंने कई बार छात्र शक्ति की मांग को लेकर सरकार को खून से पत्र लिखा है। कई बार लोगों के लिए अपना खून डोनेट भी किया है। जब चुनाव आते हैं तो पूंजीवादी, नेता और जातिवाद के आधार पर लोग वोट मांगते हैं, इसलिए आज मैंने अपना खून बहाकर यह साबित किया कि मैं आगे भी छात्रों के लिए खून बहाने से पीछे नहीं हटूंगा।"

दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि "छात्रनेता लोकेन्द्र ने अचानक इस पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया, जो कि नियमों के खिलाफ है। छात्र की हरकत से बड़ी अनहोनी हो सकती थी। ऐसे में छात्र के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।" वहीं दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी परिसर में तैनात गांधीनगर पुलिस के अफसरों का कहना है कि यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर धरना चल रहा था। जहां सरकार के दो मंत्री आए थे। कुछ देर के लिए अधिकारी वहां गए, लेकिन इसी वक्त का फायदा उठाकर छात्र नेता लोकेन्द्र ने खुद की हथेली काट ली।

श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड का पाठ

जयपुर (कासं)। मानसरोवर सेक्टर-5 स्थित टेऊंराम पार्क में टेऊँ राम पार्क फ्रेंड्स क्लब की ओर से सुन्दरकांड और हनुमान चालीसा पाठ हुआ। कार्यक्रम संयोजक अजय कुमार शर्मा एवं लोकेश जोशी ने बताया कि स्थानीय महिला-पुरूष व बच्चों ने भगवान बजरंगबली की पूजा-अर्चना की और जयकारे लगाये। यह आयोजन स्वतंत्रता दिवस पर हुआ। स्थानीय लोगों ने एकत्र होकर ध्वजारोहण किया और लड्डू बांटे। देश भक्ति के गीतों पर बच्चे, महिलाएं, युवा सभी झूमकर नाचे और भारत माता की जय और वन्दे मातरम जैसे नारों से आकाश गुंजायमान कर दिया। सभी ने एक दूसरे को आजादी के अमृत महोत्सव की बधाई दी। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता प्रणवेन्द्र शर्मा, भाजपा कार्यालय प्रभारी लोकेश जोशी, सेक्टर-5 वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष अशोक शुक्ला, श्याम सुंदर केडिया, टेऊंराम फेन्स क्लब के एडवोकेट मुकेश जोशी, सुनील प्रजापत, अनील बिजलानी मौजूद थे।

Serendipity Day

Serendipity is the term for a 'happy accident' or a 'pleasant surprise'. Thus, Serendipity Day encourages people to look for and notice those unexpected good things that are always out there, if people would just have the eyes to see them. In fact, the creators of this lovely day believe that serendipity is no accident at all, but an attitude or a lifestyle in which people are always reaching for those unexpected things and expecting happy surprises to occur.

#ORAL-HYGIENE

Beat The Stank

"Bad breath is typically caused by not brushing one's tongue"

Bad breath plagues everyone at some point. Well, not babies - thanks to their lack of teeth, and because the mother's milk they drink contains odour-fighting white blood cells, their breath always smells like sweet newborn. But for the rest of us waking up next to our spouse, our toddlers or our dogs is a reminder that bad breath - and especially morning breath - can be truly revolting.

Thankfully, you can easily take care of bad breath on the spot by popping a mint and there are steps you can take to keep the stink away from your mouth for the long run. But to fix morning breath and bad breath throughout the day, first you need to know what causes it.

The Causes of Morning Breath

The number one cause of bad breath in the morning or otherwise is poor dental hygiene. If you don't brush your teeth well, you leave a lot of food particles and bacteria to hang out in your mouth for much longer than recommended,

which can cause bacteria build-up and stench.

Whenever we brush our teeth we are trying to remove bacteria that accumulates on tooth surfaces. This bacteria or 'plaque' is that white stuff that can make your teeth feel fuzzy or dirty after a long day of not brushing.

Similarly, poor hygiene can lead to your tongue trapping bad smells because both bacteria and foods' odour particles get trapped in the tongue. 'Bad breath is typically caused by not brushing one's tongue'.

Having a dry mouth can also increase the risk of a stinky smell and is the main culprit behind morning breath.

What Causes Bad Breath Throughout The Day?

Even if you're brushing well, pungent foods can cause bad breath in the short term although how they do so depends on the particular food. Coffee and alcohol cause dry mouth which can in turn cause bad breath. But garlic and onions, for example, release sulphur compounds in the mouth that can stick around for hours and they contain smelly chemicals that are absorbed into the bloodstream that flow to the lungs and are released when you breathe. Mixing strong-smelling foods with saliva and bacteria in the mouth only accentuates their reek.

And food that gets stuck in teeth can allow bacteria to grow until the next time you brush. Meat and other foods high in protein are likely to give you bad breath because plaque bacteria thrive off them.

Smoking can cause bad breath too. The smell is generated when stale smoke particles linger in the mouth and throat, mixing with saliva and bacteria in the mouth and causing 'smoker's breath'.

If you have good dental hygiene your bad breath is persistent and mouth infection could be the cause. Last but not least, other health conditions such as stomach reflux, sinus infections, postnasal drip and metabolic issues can result in bad breath because of the bacteria involved with them.

Kids get bad breath for largely the same reasons that adults do but you should also look out for mouth breathing, which can cause bad breath via dry mouth and for foreign objects stuck in the nose which can cause an icky-smelling infection.

How To Get Rid Of Morning Breath

Bad breath remedies are relatively straightforward. On the spot, try a mint, mouth freshener spray, or sugarless gum to combat the odour. Specifically, consider products with xylitol, a chemical compound that helps prevent the formation of plaque.

The main advice for combating bad breath however is to maintain good dental hygiene. The first place to start is with a visit to your dentist as they can guide you on proper care tips.

A great tip to remember is the acronym 'FBI' meaning to floss first, brush and then irrigate with a mouth rinse or a water pick. When flossing, take your time rather than snapping the floss up and down quickly.

On top of that try eating more hard fruits and vegetables such as apples and celery, which can act as a natural mouth rinse. That's because they're full of fibre and they brush food residue away from your teeth. They also incentivize the production of saliva which rinses your mouth out. Be sure to stay hydrated by drinking plenty of water because that will increase saliva production too.

If you're worried your bad breath might be a sign of something serious especially if you're experiencing pain or bleeding in your mouth, see a dentist.

#ADVENTURE

Vikram Joshi
Textile Technologist & Historian

Kunzum pass.

The Road Less Travelled

> I was driving the Land Rover Discovery at 15,500 feet and while crossing the Kunzum Pass it suddenly lost power and refused to move even an inch. It might be uncommon knowledge but vehicles require oxygen to burn the fuel to create torque. Since there was less oxygen at this height my car's fuel sensors could not detect the fuel-oxygen ratio. So I decided to change from automatic to manual mode but this didn't help either. I was feeling frustrated and nervous all at the same time. After struggling for 15 minutes I managed to get the car moving at a slow speed to reach the pass. From this point onwards the road starts descending towards Batal Valley where we were supposed to lunch.

My first visit to Lahaul and Spiti Valley was in the summer of 2014. This part of our country was difficult to access as there wasn't a motorable road to Kaza and beyond. I wasn't comfortable driving on this terrain so we hired a local taxi to take us there. It took us three days to reach Kaza from Kotgarh near Shimla. So this year, I thought of driving there myself with a couple of friends in our trusted SUVs. So we stocked up our cars with provisions, gas stoves and cooking vessels in case we got stuck somewhere. My idea was also to collect stories as we travel; luckily I met some interesting people and learnt about their extraordinary life.

We started our journey from Jaipur and headed off to Chandigarh. From there it took us eight hours to reach Thanedar, our first halt at the picturesque foothills of the Himalayas.

Banjara Orchards, Thanedar

Our first stop was in the middle of a misty apple orchard. Since we were so tired from the drive we woke up early and took a walk through the orchard and it was such a treat after the scorching heat of Rajasthan.

If you haven't been to this part of the mountains then you might not know that Thanedar is known as the Apple Capital of Himachal. Before 1916, Thanedar was just a pine tree forest and now it is full of apple, plums and cherry orchards. How apples reached this place is an interesting story. During the winter of 1916, an American businessman called Samuel Evans Stokes, who came to India to work with Lepers - leprosy impacted patients near Shimla - and fell in love with the place and a local Rajput girl. He married her and adapted Arya Samaj and re-named himself Satyanand Stokes. He not only settled in Thanedar Kotgarh but also planted the first apple trees which were called 'Red Delicious' from a nursery owned by Stark Brothers in Louisiana, USA. The first lot of apples were ready by the year 1925.

These apple trees became popular among the locals and today Thanedar, Kotgarh is full of fruit-bearing orchards and produces the largest amount of apples for export. It's interesting how few saplings which came from America have changed the socio economic conditions of this region. The residents now live a well-settled and relaxed life which you will notice when walking around the quaint villages. After a relaxed sleep, we got ready for our next drive to Kalpa.

Chacha Chachi Ka Dhaba.

Kalpa

Kalpa is a picturesque town close to Reckong Peo, the district headquarters of the Kinnaur region. On a clear day, you can see the majestic Kinnaur-Kailash range. If you are lucky then you may see Mt Raldang and Jordan, and witness the Holy Shivling. A small trek through the valley, covering a stunning green forest of pine trees will take you to a village called Roghi. Another small village close to Kalpa is Sapni and the exceptionally beautiful fort built by Raja Padam Singh of Rampur. Interestingly, the fort is built by joining two structures together. This seven-storey fort has a Mahakali temple on the 5th floor and has the most intricate wood carving on the doors and window frames. After covering Kalpa we headed towards another town called Nako.

Nako

When we reached Nako, there was a small dhaba covered with stickers and names of travellers who had taken a stop there to eat Rajma Chawal, the only thing on the menu. A comforting and humbling meal prepared by a local lady who serves this hot and fresh at 12 thousand feet. Nako is close to the Indo-China border and in the backdrop of this village, you will see the magnificent Reo Purgyal which is at 22,362 feet which is the highest mountain in Himachal Pradesh. The village also has a small lake on the opposite bank of the Nako River. This lake changed course from its original place because of the 'tectonic upliftment'. The effect of 'tectonic upliftment can be seen clearly as one starts driving towards Tabo and Kaza. The mountain range has vertical plates which almost look like books stacked from a distance. After lunch we started descending towards Tabo.

Tabo

Tabo is a small town before Kaza situated at 10,760 feet. It is surrounded by one of the oldest monasteries called Chos-Khor. In 1996, His Holiness the 14th Dalai Lama conducted the Kalachakra initiation ceremony here which witnessed many buddhist monks from all over the world. The Dalai Lama finds this monastery the holiest and wanted to stay here after his retirement. The monastery has the most beautiful and intricate wall paintings and mud statues which need to be protected and preserved for generations to come. After staying for a night, just to get our muscles some rest, we again started driving towards Kaza.

Kaza

Kaza is the headquarters of Lahaul and Spiti. It is one of the most important destinations before crossing the Kunzum Pass to reach Khoksar on the Manali-Leh highway. Here the vehicles need to be topped up as there are no fuel stations on the way and neither there are mechanic shops.

Once we reached Kaza, we were exhausted from the strenuous drive and of course low oxygen levels at this altitude make your body lethargic. However, we were carrying our oximeters to monitor our levels but luckily we were all in the range of 85-90. So we took it easy and rested it out for awhile and managed to get lunch at a Spitian inspired café called Taste of Spiti, which is run by Ishita Khanna. We ordered Thukpa which is a brothy noodle soup with seasonal green and herbs - you could also add a meat of your choice. Momos or steamed dumplings are another great option. We also tried a local preparation called Balep made from barley or millet like a loaf of sourdough bread along with the juice made of Sea Buckthorn berries, as locals suggest that it builds your resistance against reduced air pressure and lower levels of oxygen which can cause AMS – Acute Mountain sickness.

Ishita Kanna also has a very interesting connection with Sea Buckthorn as she came across an article about this miraculous berry that grows in the high altitude of

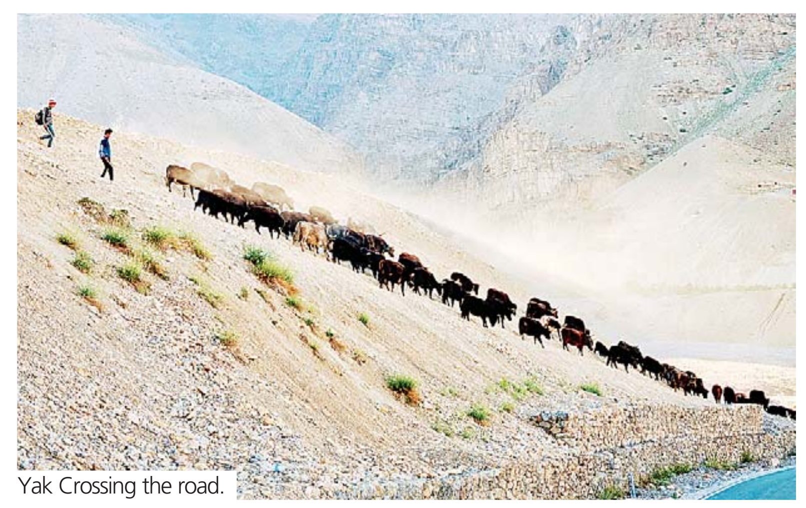

Yak Crossing the road.

this region. At that point, she was working with the State Government of Himachal Pradesh as a social worker. Sea buckthorn had immense ecological and economic potential, whose wonders remained hidden and untapped. She always use to wonder: "Why has nothing been done about this miracle berry to help improve the livelihoods of local communities in Spiti?" So she and one of her friend set off on a motorbike to Spiti, to figure out the answer to that question. This was the start of a lifelong relationship for Ishita with Spiti.

Ishita is a dynamic social entrepreneur who is one of the co-founders of Ecosphere and Muse. Her experience of working at the grassroot level and passion for the environment and mountains have been the driving force for both Muse and Ecosphere - which enables her to live her philosophy. She was voted as an Mtv Youth Icon in 2008, and has been featured in various magazines and articles as one of India's 50 leading social entrepreneurs. She has been awarded the Real Heroes award by CNN-IBN and is also an Ashoka Fellow.

In Kaza, we visited the Key Gompa – a Tibetan monastery which is famous for its architecture called Pasada style. Pasada style is characterised by two or more stories and often plays the role of a fort-monastery. It is the biggest centre of Buddhist learning in Spiti Valley, which is over 1000-year-old and is the oldest training centre for Llamas. It is located at a height of 13,668 feet. Founded by Dromton, a famous disciple of teacher Atisha in the 11th century.

Another place of interest in Kaza is a village called Hikkim, which is at a height of 14,567 feet. There is a very special post-office here as it's the highest in the world. Apparently, it is also the most instagrammed view in Kaza. Tourists also end up sending out postcards from the post-office as souvenirs. So don't forget to send out one.

Kaza to Khoksar

Just as you get out of Kaza you will cross the Chicham Bridge which is the highest bridge in Asia. Driving from Kaza to Khoksar is an adventurous experience to say the least. The road was never metalled or tarred as for half the year this road is covered in snow. During the summers when Kunzum pass is open to the public, it's impossible to make any repairs as only one vehicle can pass at a given time. While arriving on this state highway 30, we had to cross many streams flowing across the road and these could easily be a couple of feet deep. We came across many enthusiastic bikers who often would get down in knee-deep water or drag their bikes out of water.

Discovering Discovery

I was driving the Land Rover Discovery at 15,500 feet and while crossing the Kunzum Pass it suddenly lost power and refused to move even an inch. It might be uncommon knowledge but vehicles require oxygen to burn the fuel to create torque. Since there was less oxygen at this height my car's fuel sensors could not detect the fuel-oxygen ratio. So I decided to change from automatic to manual mode but this didn't help either. I was feeling frustrated and nervous all at the same time. After struggling for 15 minutes I managed to get the car moving at a slow speed to reach the pass. From this point onwards the road starts descending towards Batal Valley where we were supposed to lunch.

Chacha Chachi Ka Dhaba

Bodh Dorjee and his lovely wife Hishe Chhomo known as Chacha-Chachi run this dhaba to feed the travellers crossing the Batal Valley. They come every year in the beginning of summer just as the roads open for the Kaza-Manali traffic and are probably the last to leave before the chilly winter. The humbling couple have also been awarded the prestigious Godfrey Philip Bravery award for their relentless support and rescue to innumerable people visiting this region.

The dhaba was jam-packed when we reached and waited to get a space and got served Rajma Chawal with seasonal vegetable curry, for a reasonable price of 200 rupees a Thali.

After lunch we headed towards Khoksar. The drive becomes a bit tough at this point as one has to drive through running streams and heavy boulders. The valley along the river Chenab offers the most spectacular scenes as we drive slowly and carefully through that rough road. The local drivers driving Sumo and the Tempo Travellers often overtook us wherever they found a little allowance and it's amazing to see how they manage to drive on that narrow road. One certainly needs a 4x4 drive and preferably automatic in this terrain as it's difficult for drivers who are not used to mountain driving.

Once we reached Gramphu village we discovered motorable roads in parts till Khoksar which was partly covered with snow. We finally reached the recently built Leh-Manali highway, which is a four-lane highway guarded with side collars. At this point we were pretty exhausted after 9 hours of driving and stopped by a Dhaba to drink some warm tea and catch the last rays of the sun. After our break it had started to get a little dark. Some might feel they shouldn't drive in the mountains post sunset but I feel the darker it gets the better it becomes for driving as you can see the incoming traffic lights on blind curves.

Ghemoor - a small village in Jispa

The elevation of Ghemoor is about 11,000 feet and our bodies were tired but climatized to this altitude. We checked in a small little homestay called Gemoor Khar which is part of an estate founded by Thakur Mangot Rais who was the Wazir of Lahaul. The walls of the homestay are decorated with old pictures and paintings. The dining area is cozy and is adorned with hand carved cooking vessels that the family has collected over the years. There's a flowing river right across the property called Bhaga with a majestic view of the mountain on the backdrop. The rooms were small yet comfortable but sitting outside the rooms overlooking the valley was a treat.

The next day we planned to go to Bara Lacha Pass which is about 15,910 feet in the Zanskar Valley connecting Lahaul to Leh but we met some travellers who discouraged us as the pass was flooded with tourists. So instead we ended up visiting Shinkula Pass which is apparently lesser known.

Shinkula Pass

The other two SUVs were okay to reach this height except for my British beauty - Discovery, which had not acclimated to this altitude and became dull and refused to pick up speed. However, the drive from Jispa to Shinkula was a visual treat. Once we reached the pass we experienced the most breathtaking view of the Lugnak Valley in Zanskar. We were advised not to stay there for more than 20 minutes as there were chances of us getting AMS. The Border roads organisation popularly known as BRO is making a double-lane road for all-weather connectivity between Manali and Leh via Dharcha. The roads up to the Shinkula pass are almost complete except for the last couple of kilometres which are still motorable.

Bodh Dorjee and his lovely wife Hishe Chhomo.

Chos-Khor monastery.

Chicham Bridge

Atal Tunnel

The next day we started our journey from Ghemoor to Manali via the newly built Atal Tunnel. This tunnel is 9 km long which is the longest single tube tunnel at the height of 10,000 feet in the world. Earlier the route from Manali to Leh was through the Gramphu-Rohtang pass which used to take about 5 to 6 hours and always had a risk of landslide blockages and traffic jams. Interestingly, the proposal for the construction of the tunnel across Rohtang Pass was first conceived in 1942 by a Britisher Dr John Bicknell Auden, who was working on the Geological Survey of India. In 2000, when Shri Atal Bihari Vajpayee became the Prime Minister he visited Lahaul after receiving a request from the local residents. As this area was partly cut off from the country during winters, he declared that the Rohtang Tunnel would be constructed. On 26th May 2002, the approach road to the entrance of the tunnel was inaugurated by Shri Atal Bihari Vajpayee. However, the project did not move further until 2007 after Dr Man Mohan Singh awarded a new contract. Finally, the cabinet committee on security in the UPA government cleared the project and finally the construction commenced. The current Prime Minister Shri Narendra Modi renamed this tunnel as Atal Tunnel which was inaugurated on 25th December in 2019, to commemorate Shri Vajpayee's birth and life.

The Sonaugi Homestead

This beautiful property is run by Mr Vivek Sharma and has the most charming cottages located near Naggar, a little outside of Manali. It was a treat to unwind ourselves in the middle of apple and apricot orchards after being in the dry vegetation of Lahaul Spiti. The estate manager Naresh was enthusiastic and showed us around the property narrating stories about Sonaugi and the travellers that had visited in the past.

Since we had been away for quite a while we were all missing our famous Rajasthani Laal Maas. So we asked Naresh if he could help arrange a setup for me to cook and he happily agreed. He managed to source the right quality of meat from the local market and deputed his cook to prepare the meat as per my instructions. Luckily, the meat turned out palatable and even the other house guests enjoyed the spicy mutton with freshly made Tawa Rotis.

I was very curious to find out more about the property so I asked Naresh to connect me with Vivek, the owner of Sonaugi Homestead. We got talking and he told me about his life and travels, and how he got to Himachal from New Delhi. In 1996, he was accompanying a television crew to document the Kalachakra ceremony by HH Dalai Lama in Tabo monastery. Here, he met an Austrian filmmaker who lived near Naggar and they both started working on a film based on the Ladakhi Amchis (medicine men). On one of the trips to Naggar, he met an Italian girl called Francesca who ran - Italian Dhaba in Tabo during the Kalchakra. Francesca invited him over to her cottage which was far from the road in a jungle. It is in the coming years that her husband Eris and Vivek became friends and it is because of this friendship that Vivek started to visit often and decided to set up a home in Sonaugi. Since Eric and Francesca also wanted to move from their cottage, the friends collectively decided to buy land together. Eric wanted to use recycled wood, stone and slates ripped off from old redundant village houses. The piece of land they chose was a 15-minute walk from the road but it seemed like a distant Shangrila. Looking at the difficulty of access to the property they decided to build a motorable road with the help of locals. It is during the building of this road that Eris ran into trouble with the locals and decided to move back to Italy. So Vivek took over this opportunity which is now Sonaugi Homestead.

The next day we visited the Naggar Castle which is a 20 minute drive from the property and is a must-visit if you are in this area. The castle is mostly built out of wood and stone by Raja Sidh Singh around 1460 CE, and is now a heritage hotel run by the Himachal government. Naggar Castle was built using stones from an abandoned palace called Gardhak which was built by Rana Bhonsal. The stones were transported forming a human chain from the left bank to the right bank of river Beas. In 1905, this castle survived an earthquake where everything except the castle was ruined.

Another place of interest to visit is the Nicholas Roerich's art gallery which is a part of his house in Naggar. He was a Russian writer, archaeologist, theosophist, philosopher and painter. In 1942, when Jawaharlal Nehru and Indira Gandhi visited the painter's home, they were impressed by his knowledge and experience. Devika Rani the first lady of Indian cinema married his son Svetoslav Roerich in 1945. After living in Himachal Pradesh for some years the couple moved to Bangalore. After their death, since there was no legal claimant of their house in Bangalore so the government of Karnataka acquired their 450 acres of land.

'Don't tell me how educated you are, tell me how much you've travelled'.

I collected stories of amazing travellers who came from different parts of the world as I travelled from Thanedhar to Naggar:

- The story of an American traveller Samuel Evans Stokes later renamed Satyanand Stokes, who changed the socio economics of Himachal by introducing apple cultivation to the state.
- Raja Padam Singh of Rampur travelled to 'Sapni' village in Kalpa- Kinnaur district and built a 7-storey Fort structure.
- HH Dalai Lama travelled to Tabo to conduct the 'Kalachakra' in the mid-nineties and declared that he will retire there.
- Ishita Khanna of Ecosphere who left her job and her home in Dehradun and made Spiti her new home after reading an article on the magical berry - Sea Buckthorn.
- Bodh Dorjee and his wife Hishe Chahomo run Chacha Chachi Dhaba to feed the numerous travellers visiting the Batal Valley.
- Nicholas Roerich, a Russian painter who came from Saint Petersburg and settled in Naggar near Manali. He was instrumental in building the Indo-Russian relationship along with Jawaharlal Nehru.
- Francesca and Eris, an Italian couple who met Vivek Sharma from Delhi and build Sonaugi Homestead near Naggar in the middle of apple orchards.

As the famous saying by the famous American writer Susan Sontag goes: "I haven't been everywhere, but it's on my list." I too hope that I will hopefully travel soon enough on roads less travelled to collect even more experiences and stories much like this one.

Shinkula Pass

writetoarbit@rashtradoot.com

(Photos by Sonu Joshi)

THE WALL

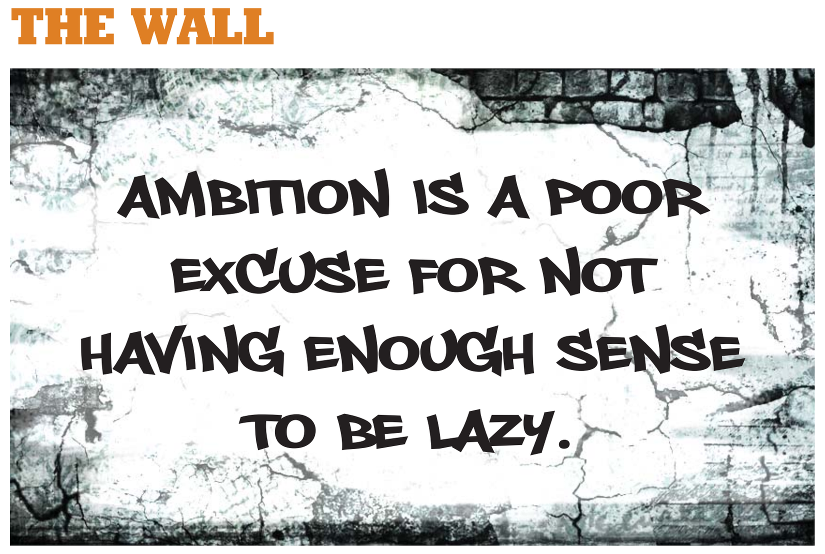

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

वल्लभनगर, सलूम्बर व जयसमंद क्षेत्र में बारिश से कई गांवों का संपर्क टूटा

वली गांव में तेज बहाव से गुजर रही पिकअप वैन बही, तीन जनों को बचाया, जयसमंद में किसान डूबा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर अंचल के वल्लभनगर, सलूम्बर व जयसमंद क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश से इस क्षेत्र की झामरी, गोमती सहित कई नदी-नाले ऊफान पर है। कई नदियों के पुल से ऊपर बहने से गांवों का संपर्क भी टूट गया। वहीं कुराबड़ क्षेत्र के वली गांव में तेज बहाव से गुजरते पिकअप वैन पानी में बह गई। उसमें सवार तीन जनों ने वैन के ऊपर चढ़ कर जान बचाई। पुलिस व ग्रामीणों की मदद से उन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। वहीं जयसमंद झील में एक किसान की डूबने से मौत हो गई।

शहर से 55 किमी दूरी पर कुराबड़ क्षेत्र में स्थित वली गांव रोड़ पर झामरी नदी से आ रहे पानी की पुलिया पर तेज बहाव से पीकअप वाहन चालक ने वैन निकालने की कोशिश की जो तेज बहाव में बह गई। पीकअप वाहन चालक पुलिया पार कर जगत की ओर जा रहा था। पुलिया के समीप तैनात पुलिस एवं ग्रामीणों ने चालक को पानी में नहीं जाने की हिदायत भी दी थी लेकिन इसके बावजूद चालक वाहन ले गया। पुलिया के तेज बहाव में कुछ दूरी पर

उदयपुर में झामरी नदी में पिकअप बह गई।

जाते ही पिकअप वैन बह गई और उसमें सवार तीन जने जान बचाने के लिए पिकअप वैन के ऊपर आ गए जिन्हें पुलिस की टीम एएसआई रामलाल, हेडकांस्टेबल जीवननाथ, सज्जनसिंह, कांस्टेबल रतनसिंह,

- उदयपुर शहर सहित जिले में बारिश का दौर आज भी जारी
- नदी नाले उफान पर, जलाशयों में आवक जारी

ईश्वरसिंह, आरटी कुशाल मय टीम एवं दूसरे छोर पर खड़े ग्रामीणों ने रस्सों की सहायता से मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया।

वहीं बुधवार में दोपहर में घाटी जयसमंद निवासी गौतम पुत्र शंकर (34) खेत से चारा लेकर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते घाटी में पांव फिसलने पर जयसमंद झील में जा गिरा जिससे उसकी पानी में डूबने से मौत हो गई।

आज सुबह भी उदयपुर की फतहसागर, स्वरूपसागर व उदयसागर के गेट आज भी खुले रहे। सीसारमा नदी का वेग 3 फीट से बढ़ कर पांच फीट हो गया। झीलों में लगातार आवक जारी है। उदयपुर शहर में आज सुबह से रूक-रूक कुछ मिनटों के लिए कभी तेज तो कभी बूंदाबांदी होती रही।

जल संसाधन विभाग उपखण्ड गिर्वा के सहायक अभियंता निर्मल कुमार मेघवाल ने बताया कि वल्लभनगर (सरजना) बांध का जलस्तर सुबह 8 बजे पूर्ण भराव स्तर 19.50 फीट से 17.80 फीट हो गया है। आगामी दो दिनों में यह किसी भी छलकर ओवरफ्लो हो सकता है। ऐसे में उन्होंने चेतावनी सूचना जारी करते हुए कहा कि बांध की रपट/बांध के डाउन स्ट्रीम/बहाव क्षेत्र के आसपास कोई गतिविधि ना करें एवं बहते पानी में नदी/ रपट/ पुलिया पार करने का प्रयास ना करें। इधर, सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार जिले में प्रातः 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में स्वरूपसागर पर 35, देवास स्टेज प्रथम 35,मदार 24, नाई 20, उदयसागर 30, वल्लभनगर 70, बागोलिया में 28 मिमी बारिश हुई।

भरतपुर के प्रतिनिधि मण्डल ने ईआरसीपी के मामले में सीएम से मुलाकात की

'मैं चाहता हूं कि मेरे जीवन में ईआरसीपी का कार्य पूरा हो जाये और हमारी नदियों में पानी आ जाय'

भरतपुर, (निसं)। पूर्व सांसद पंडित रामकिशन के नेतृत्व में किसान नेता इन्दल सिंह जाट, जिला परिषद सदस्य मोहन सिंह गुर्जर, अनिल कुमार शर्मा (कुक्कू) के प्रतिनिधि मण्डल ने राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जयपुर से आकर मुलाकात की और मुख्यमंत्री को ईआरसीपी (ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) को आगे बढ़ाने के लिये धन्यवाद दिया।

लगभग दो घन्टे चली इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने भी पूर्व सांसद पंडित रामकिशन के संघर्ष और सक्रियता के लिये बधाई और शुभ कामनाएं दी। मुलाकात में पंडित रामकिशन ने कहा कि मैं चाहता हूं कि मेरे जीवन में ईआरसीपी का कार्य पूरा हो जाये और हमारी नदियों में पानी आ

- डेढ़ घन्टे चली बैठक में खुल कर हुई मंत्रणा

जाये। इस संकल्प के लिये मुख्यमंत्री ने शुभ कामनाएं दी और कहा कि आप संघर्ष जारी रखो पानी जरूर आयेगा। प्रतिनिधि मंडल की माँग पर मुख्यमंत्री ने बजट और बढ़ाने का भरोसा दिलाया।

पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने कहा कि भरतपुर शहर के व्यस्ततम सारस चौराहे पर हर दिन वाहन दुर्घटनाऐं होती रहती हैं अब तक अनेक लोगों की जान जा चुकी है जनता जर्नादन की मांग है कि सारस चौराहे पर पुल का निर्माण होना चाहिये इस पर मुख्मंत्री ने सहमति जताते हुऐ शीघ्र ही ओवर ब्रिज बनाने का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुलकर अनेक सरकारी फैसलों पर पूर्व सांसद की राय जानी तथा अनेक राजनैतिक विषयों पर विचार विमर्श किया। राजभवन में पूर्व सांसद पंडित रामकिशन से लम्बें समय के बाद मिलने बाले अनेक पुराने राजनेताओं, ब्यूरोक्रेटस, पत्रकारों, पुराने अधिकारियो ने कुशलक्षेम जानने उनके पास ही आ गये और पुराने समय के साथियों के साथ पूर्व सांसद भी पुरानी यादों और किस्सों में खो गये। भाजपा के कालीचरन सर्राफ, मंत्री डा. चन्द्रमान के अलावा अनेक राजनेताओ ने उनके साथ समय बिताया।

चक्काजाम, प्रदर्शन व जुलूस

सादुलपुर, (निसं)। जालौर में छात्र की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने बुधवार को कस्बा राजगढ़ के अम्बेडकर सर्किल से जुलूश व प्रदर्शन शुरू कर महाराणा प्रताप चौक, मुख्य बाजार, घंटाघर, कुरेशी मार्केट, नंद प्लाजा होते हुए मिनीसचिवालय के समक्ष पहुंचा। जहाँ उक्त आदोलन के दौरान भीम आर्मी के सत्यवान इन्दासर को शांतिभंग के आरोप में राजगढ़ थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने के विरोध में करीबन आधा घंटा के लगभग मिनीसचिवालय में समक्ष चक्का जाम रखा गया। तत्पश्चात उपखण्ड अधिकारी के समक्ष पेश कर उसे रिहा करने पर मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी राजगढ निखिल पोद्दार को ज्ञापन सौंपा गया।

इसी बीच उपखण्ड अधिकारी निखिल पोद्दार, डीवाईएसपी बृजमोहन असवाल मय पुलिस के प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे, मगर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सत्यवान इन्दासर को रिहा करने के बाद ही ज्ञापन देने की चेतावनी देने पर एक बार उपखण्ड अधिकारी को बिना ज्ञापन लिये ही वापस लौटना पड़ा, तत्पश्चात उसे रिहा करने पर ही प्रतिनिधि मण्डल ने उन्हें ज्ञापन सौंपा।

हाईकोर्ट की शराब दुकान गारंटी वसूलने पर रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शराब की दुकान से पूरे महीने की गारन्टी राशि जिला आबकारी अधिकारी द्वारा वसूल करने पर रोक लगाई है।

ग्राम सेवकी कलां तहसील भोपालगढ़ जिला जोधपुर के निवासी कैलाश चन्द्र लखारा ने जोधपुर में तुलसी मार्केट, झालामण्ड चौराहा में वर्ष2022-23के लिए ऑनलाईन नीलाम बोली में उच्चतम बोली लगाकर शराब की दुकान का लाइसेंस मांगा था जो आबकारी विभाग की ओर से जिला आबकारी अधिकारी जोधपुर ने आवंटन पत्र29-04-2022द्वारा कैलाश चन्द्र लखारा को शराब की बिक्री हेतु दुकान के लिए आवंटन पत्र भेजा था। लेकिन बाद में उन्होंने कैलाश चन्द्र लखारा से माह अप्रैल 2022 के सम्पूर्ण महीने की गारन्टी राशि रूपये507668.56की मांग नोटिस द्वारा की थी।

इस पर जिला आबकारी अधिकारी जोधपुर द्वारा कैलाश चन्द्र लखारा को भेजे गए नोटिस को उसने अपने एडवोकेट निखिल भण्डारी के मार्फत राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में रिट याचिका को चुनौती दी। प्रार्थी के एडवोकेट निखिल भण्डारी ने अपनी बहस करते हुए यह तर्क दिया कि जिला आबकारी अधिकारी जोधपुर ने प्रार्थी को29 अप्रेल-2022को शराब की दुकान के लिए आवंटन पत्र भेजा था जिसमें सम्पूर्ण अप्रैल माह 2022 की सम्पूर्ण गारन्टी राशि की मांग की गई थी जबकि प्रार्थी को29-04-2022को आवंटन होने से वह 29 अप्रैल तथा 30 अप्रैल केवल 2 दिन ही शराब की दुकान पर बिक्री कर सकता था। ऐसे में उससे सम्पूर्ण अप्रैल माह के 30 दिनों की गारन्टी राशि की मांग किया जाना अनुचित हैं, जिसे राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा रोका जाना आवश्यक हैं।

एडवोकेट निखिल भण्डारी ने यह भी बहस में बताया कि वर्तमान मामले की तरह दो अन्य मामलों में राजस्थान हाईकोर्ट ने पूरे माह की गारन्टी राशि की वसूली पर रोक लगा दी थी। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस विनीत कुमार माथुर ने एडवोकेट निखिल भण्डारी के तर्कों से सहमत होते हुए जिला आबकारी अधिकारी जोधपुर द्वारा प्रार्थी कैलाश चन्द्र लखारा से सम्पूर्ण माह अप्रैल 2022 के वसूली आदेश पर स्थगन आदेश जारी कर रोक लगा दी।

परिवहन विभाग में सर्वर डाउन

बीकानेर, (कासं.)। जिला परिवहन कार्यालय में डीटीओ के रिक्त पदों एवं आरटीओ व एआरटीओ के जयपुर प्रवास के चलते परिवहन विभाग का हाल दो दिन से सबसे ज्यादा बुरा हैं।अपने वाहन संबंधी काम हो या लाइसेंस संबंधी काम हो ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से आने वाले सैंकड़ों लोग तीन दिन के अवकाश के बाद कल जब कार्यालय पहुंचे तो कल दोपहर से ही इंटरनेट का सर्वर डाउन हो गया तथा बिजली भी गुल हो गई।लोगो के विंडो पर पहुंचते ही एक ही जवाब मिलता हैं।सर्वर डाउन,तो कभी बिजली गुल हैं।कल आना। जब आज पब्लिक सुबह ऑफिस खुलते ही फिर कार्यालय की खिड़कियों पर पहुंची तो फिर से वही हाल 'सर्वर डाउन'बिजली गुल !जनरेटर खराबऔर अधिकारी एक भी नही। जनता की सुने तो कौन सुने !

बीकानेर जिला परिवहन कार्यालय में इंटरनेट नही चलना अब आम बात हो गई हैं और विभाग के प्रमुख अधिकारियों के पास भी इस समस्या का कोई प्रमुख हल नही हैं।बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि अभी पन्द्रह बीस दिनो से इंटरनेट नही चलना व लम्बे अवकाश के बाद ऑफिस खुलते ही सर्वर बंद हो जाना,डीटीओ कार्यालय में एक गंभीर समस्या बनी हुई हैं। कल और आज भी दोपहर बाद इंटरनेट नही चला, विभागीय सर्वर डाउन रहा।बीकानेर में डीटीओ की पोस्ट लंबे समय से रिक्त चल रही हैं और एआरटीओ बने जुगल माथुर ही सभी डीटीओ का अतिरिक्त चार्ज संभाल रहे हैं। डीटीओ नही होने के कारण विभाग में जिम्मेदार अधिकारी नही हैं,जो इंटरनेट की समस्या का स्थाई समाधान निकाल सके और एआरटीओ जिनके पास डीटीओ का चार्ज हैं।जो अधिकांशत प्रशासनिक मिटिंगो में व्यस्त रहते हैं। आज जयपुर मीटिंग में शामिल हैं और रिटायर्मेंट भी नजदीक होने के कारण इनका कार्मिकों पर भी कोई असर नहीं हैं। यदि अधिकारी चाहे तो बजट उपलब्ध करवाकर इंटरनेट की समस्या को दूर किया जा सकता हैं।जब जनता के टैक्स के कारण ही राजस्व प्राप्ति में बीकानेर इस वित्तीय वर्ष में प्रथम रहा हैं। तो पब्लिक के लिए इंटरनेट और जनरेटर चलाकर बिजली की समस्या को दूर क्यों नही किया जा सकता।

75 बीघा सरकारी भूमि पर भूमाफिया का कब्जा

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ के नजदीक करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि पर भूमाफिया द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने का मामला सामने आया। सूरतगढ़ के नजदीक 75 बीघा भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर किसान नेता राकेश बिश्नोई ने सूरतगढ़ तहसीलदार हाबूलाल मीणा को भूमि पर अवैध कब्जे के मामले से अवगत करवाया।

तहसीलदार हाबूलाल मीणा ने बताया कि किसान नेता राकेश बिश्नोई ने मामले को लेकर अवगत करवाया है। जिसको लेकर कब्जाशुदा भूमि का निरीक्षण किया है। जल्द ही भूमि को कब्जा मुक्त करवाया जायेगा। गौरतलब है कि शहर के वार्ड नंबर 5 में सरकारी भूमि पर ट्रैक्टर चलाकर समतलीकरण करने की शिकायत पर तहसीलदार ने सात दिन पहले मौके पर पहुंचकर 2 ट्रैक्टर जब्त किए थे। भूमि के समतलीकरण के कार्य को रूकवा दिया था। गौरतलब है कि वार्ड नम्बर पांच में कुछ लोग सरकारी भूमि पर ट्रैक्टर चला कर भूमि समतलीकरण का कार्य कर रहे थे। किसान नेता राकेश बिश्नोई ने उक्त सरकारी भूमि को सरकारी विभागों को आवंटन की मांग की है। बिश्नोई ने बताया कि राजस्व भूमि को सूरतगढ़ के विभिन्न सरकारी विभागों को आवंटन करने की मांग करते हुए सरकारी विभागों को स्थाई आवंटन की मांग की है।

हज यात्रा पर पैदल निकले केरल के 'शिहाब' से अजमेर में बदसलूकी

अजमेर, (कासं)। केरल से हज के सफर पर पैदल निकले शिहाब मंगलवार को सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह जियारत करने पहुंचे। शिहाब 8 हजार 600 किलोमीटर की इस पाक पदयात्रा के दौरान अजमेर में शिहाब दरगाह शरीफ के आस्ताने में दुआ कर रहे थे, इस दौरान यहां खादिम ने उनके साथ बदसलूकी कर दी, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने घटना की निंदा की। चर्चा रही कि खादिम ने शिहाब से चलता बन (जाने के लिए) कह दिया था।

वहीं बुधवार को घटना के बाद अंजुमन कमेटी के सचिव सरवर चिश्ती ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि खादिम की इस तरह की हरकत को लेकर सभी शर्मिंदा है। उन्होंने कहा कि दरगाह अंजुमन कमेटी और खादिम समुदाय में इस बात को लेकर नाराजगी है कि वह एक

अजमेर से रवाना होते हुए शिहाब।

नेक काम के लिए हज की यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने कहा कि वह खादिम के खिलाफ सख्त कार्रवाई इस तरह के व्यवहार के लिए की जाएगी। चिश्ती ने कहा कि अगर उन्हें जानकारी होती तो

- अजमेर दरगाह कमेटी ने मांगी माफी

अंजुमन कमेटी की ओर से उनका स्वागत और इस्तकबाल किया जाता। वहीं उन्होंने शिहाब से आग्रह किया है कि देश में अमन शांति कायम हो उसके लिए भी दुआ करें।

ख्वाजा साहब की दरगाह जियारत के दौरान शिहाब को देखने व उनकी फोटो खींचने के लिए जायरीनों की भीड़ भी उमड़ पड़ी। बुधवार अलसुबह शिहाब ख्वाजा साहब की दरगाह में जियारत करने के लिए पहुंच गए थे, तो ऐसे समय में जायरीनों की भीड़ काफी कम होती है, लेकिन फिर भी शिहाब चित्तूर ने दरगाह जियारत की लोगों को जैसे ही जानकारी मिली तो उन्हें देखने के लिए दरगाह शरीफ में काफी लोग नजर आ रहे थे। वहीं शिहाब को धक्का मुक्की के बीच दरगाह पर हाजिरी देनी पड़ी।

छात्र संघ चुनाव की आचार संहिता लागू

सुजानगढ़, (निसं)। राजकीय ज्ञानीराम हरकचंद सरावगी महाविद्यालय में आचार संहिता लागू होने के साथ ही छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राचार्य सी.एस. डोटासरा ने बताया कि 18 अगस्त को मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा तथा 20 अगस्त तक आपतियों का निस्तारण कर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

प्राचार्य ने बताया कि 22 अगस्त को 10 बजे से तीन बजे तक नामांकन होगा तथा इसी दिन शाम को तीन बजे से पांच बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी। 23 अगस्त को वैद्य नामांकन पत्रों की सूची प्रकाशित की जायेगी और 23 अगस्त को ही 11 बजे से दो बजे तक नामांकन वापसी हो सकेगी और 2 से पांच बजे तक अंतिम अभ्यर्थी सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

लव मैरिज से नाराज भाई ने बहन को ससुराल से उठाया

श्रीगंगानगर, (कासं)। बहन के लव मैरिज करने से नाराज भाई उसके ससुराल आकर किडनेप कर ले गया। युवती के पति ने अपने साले के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पति ने पुलिस को बताया कि युवती का भाई और तीन अन्य उसके घर आए। कुछ देर परिवार के लोगों से बातचीत की और फिर युवती को जबर्दस्ती कार में डालकर अपने घर जालंधर ले गए।

युवती के पति ने इस संबंध में घड़साना थाने में मामला दर्ज करवाया है। इसमें साले और तीन अन्य पर पत्नी का अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाया है। श्रीगंगानगर के सुंदर कॉलोनी निवासी प्रिंस का कुछ समय से जालंधर में पीएपी चौक के पास रहने वाली युवती अरुणदीप कौर से प्रेम प्रसंग था। पिछले दिनों युवक ने ससुराल पक्ष को बिना बताये युवती से लव मैरिज कर ली थी।

शादी के बाद अरुणदीप अपने ससुराल घड़साना में रहने लगी। पिछले दिनों अरुणदीप के पीहर वालों को उसकी जानकारी मिल गई। इस पर युवती का भाई अर्शदीप अपने तीन साथियों के साथ घड़साना आया और प्रिंस के परिवार वालों से मिला। प्रिंस का आरोप है कि उसके बाद युवती का भाई अर्शदीप जबर्दस्ती उसे कार में बैठाकर ले गया। जांच अधिकारी एएसआई कमल सिंह गोदारा ने बताया कि वार्ड 2 के रहने वाले प्रिंस ने पुलिस को रिपोर्ट दी। मामला दर्ज किया गया है। घटना की सूचना मिलने पर ड्यूटी ऑफिसर भजनलाल व दिलबाग सिंह एएसआई मौके पर पहुंचे।

भाखरांवाली गांव में रात को साधु की हत्या की

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के संगरिया उपखंड के ग्राम भाखरांवाली में एक बुजुर्ग संत चेतनदास (75) की बीती देर रात को किसी ने हत्या कर दी। साधु का शव बुधवार सुबह कुटिया में लहुलूहान हालत में मिला। साधु की नाक और मुंह से खून निकला हुआ था। ऐसे में किसी नुकीली वस्तु से वार कर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। इसकी खबर जैसे ही गांव में फैली ग्रामीणों की भीड़ कुटिया के आगे जुट गई।

हनुमानगढ़ जिले के संगरिया उपखंड के ग्राम भाखरांवाली में एक बुजुर्ग संत चेतनदास की हत्या की खबर सुनकर कुटिया के बाहर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। थाना प्रभारी हनुमानाराम ने बताया कि रिश्ते में मृतक के दोहिते लगने वाले रविशंकर शर्मा ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसके नाना साधु चेतनदास निवासी पंजाब भाखरांवाली गांव में कुटिया बनाकर करीब 25 साल से रह रहे थे। उनको ग्रामीण भक्त ही कुटिया में जाकर खाने-पीने के लिए सामग्री दे आते थे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि साधु का शव कुटिया के गेट के बीच में उल्टा पड़ा हुआ है। इस कारण उनकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।

सूचना पर मौके पर डीएसपी और सीआई पुलिस जाब्ता लेकर पहुंच गए। हनुमानगढ़ एसपी से बातचीत के बाद फोरेंसिक टीम बुलाई गई है। जिसके आने के बाद घटनास्थल का मुआयना होगा। फिलहाल बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिस मौजूद हैं। पुलिस ने साधु चेतनदास के शव को संगरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। अभी तक हत्या का कोई कारण भी सामने नहीं आ पाया है और न ही किसी आरोपी को पकड़ा जा सका है।

मृतक साधु के रिश्ते में दोहिते रविशंकर शर्मा ने संगरिया पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट के मुताबिक किसी ने धारदार हथियार से गला रेत कर मार डाला। दोहिते ने गांव के कुछ लोगों पर शक होने की बात भी कही है। वहीं डॉक्टर अजय सिंह ने बताया कि अभी किसी नजदीकी या नशा करने वाले व्यक्ति द्वारा हत्या करने की बात को लेकर पुलिस जांच कर रही है। एक महीने के अंतराल में राजस्थान में तीसरे साधु की मौत हो गई है।

करीब 15 दिन पहले भरतपुर के एक मंदिर के बाहर ही साधु का शव लटका हुआ मिला था। वह साधु भी 20 साल से मंदिर में रह रहा था और नेत्रहीन होने के कारण आसपास के लोग ही संत के लिए खाने का इंतजाम करते और कुछ पैसे भी दे जाते थे। वहीं करीब 12 दिन पहले जालोर के रानीवाड़ा में एक साधु ने आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या का कारण जमीन विवाद बताया गया।

मथुरा के लिए चलायी मेला स्पेशल ट्रेन

कोटा, (निसं)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी मेला के अवसर पर मथुरा के लिए कोटा-मथुरा-कोटा के मध्य मेला स्पेशल रेल प्रसाशन द्वारा चलाया जायेगा। यह अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन रेलवे द्वारा 18 अगस्त से 21 अगस्त (चार ट्रिप) दोनों दिशाओ में मथुरा में होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला के दौरान होने वाली भीड़ एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चलाने का निर्णय लिया हैं। कोटा-मथुरा-कोटा के मध्य चलने वाली इस मेला स्पेशल ट्रेन में कुल 11 कोच होंगे।

गाड़ी संख्या 09819 कोटा-मथुरा मेला स्पेशल कोटा से सुबह 07.25 बजे प्रस्थान होकर इन्द्रगढ़ , सवाई माधोपुर, मलारना, गंगापुर सिटी, श्री महावीरजी, हिण्डौन सिटी, बयाना, भरतपुर होते हुए दोपहर 12.50 बजे मथुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09820 मथुरा-कोटा मेला स्पेशल मथुरा से दोपहर 01.30 बजे प्रस्थान होकर भरतपुर, बयाना, हिण्डौन सिटी, श्री महावीरजी, गंगापुर सिटी, मलारना , सवाई माधोपुर, इन्द्रगढ़ होते हुए शाम 07.10 बजे कोटा पहुँचेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

छात्र की मौत का मामला: सुराणा में नेताओं का आना जारी, गांव बना पुलिस छावनी

भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतपाल तंवर भी बुधवार शाम को सुराणा गांव पहुंचे

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट सुराणा में एक दलित छात्र की मौत व मामला के बाद मामला गर्माना के बाद प्रदेश के नेता सुराणा गांव पहुंच रहे हैं। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा, राष्ट्रीय अजा आयोग के सदस्य सुभाष पारधी, राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य शिव भगवान नागा ने सुराणा पहुंचकर पीड़ित परिवार से वार्ता कर घटना की पूर्ण जानकारी ली तथा न्याय दिलाने की पूर्ण भरोसा दिलाया।

छात्र की मौत के बाद राजनीति शुरू हो गई। वही छात्र की मौत के बाद राजस्थान सरकार के मंत्रियों का सुराणा गांव आने का सिलसिला जारी है। जनप्रतिनिधि पहुंचकर केवल मात्र पीड़ित परिवार को आश्वासन देने के सिवाय कुछ नही दे पा रहे है। ऐसे में छात्र की मौत को लेकर राजनीति काफी गर्माती नजर आ रही है।

सायला संवाददाता के अनुसारः- भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतपाल तंवर भी बुधवार शाम को सुराणा गांव पहुंचे और शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी। इससे पूर्व सतपाल तंवर के काफिले को पोषाणा-सियावट चौराहे पर पुलिस द्वारा रोक

सायला के निकट सियावट चौराहे पर भीमसेना के अध्यक्ष सतपाल तंवर ने सम्बोधित किया।

दिया गया। जिस पर सतपाल तंवर ने सियावट चौराहे पर भीमसेना को संबोधित करते हुए कहा कि भीमसेना पीडित परिवार के साथ है। वही पीडित परिवार को न्याय नही मिलने पर धरना देने की चेतावनी दी। दलित नेताओं के कार्यक्रमों को लेकर सुराणा के पास पोषाणा गांव में फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और पुलिस तैनात है। गांव में 6 जिलों के सात सौ जवान तैनात किए गए हैं। वहीं, जालोर मुख्यालय सहित सुराणा में बाहर से आने वाले रास्तों के पॉइंट पर पुलिस फोर्स तैनात है। जिले की पुलिस के साथ ही मेवाड़ भील कोर पुलिस दल को बुलाया गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद जालोर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से बीस लाख रुपए की आर्थिक सहायता छात्र के परिजनों को देने की घोषणा की।

सुराणा में अस्थाई पुलिस चौकी की स्थापितः- मृतक छात्र के परिजनों ने मंगलवार को मिलने आए सचिन पायलट व गोविंदसिंह डोटासरा से सुरक्षा को लेकर मांग की गई थी। सायला थानाधिकारी ने बताया कि गांव में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए ग्राम पंचायत भवन में चौकी स्थापित कर दी। जिसमें हैड कांन्स्टेबल और कांस्टेबल तैनात किए गए हैं। सुराणा में दलित छात्र की मौत के बाद निलंबित बीट कांस्टेबल थानसिंह को बहाल करने की मांग जोर पकड़ रही है। पुलिस के जवानों ने भी अपने वॉट्सअप स्टेटस लगाकर कांस्टेबल थानसिंह को बहाल करने की मांग की। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक कांस्टेबल ने बताया कि सुराणा प्रकरण में आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार करने में कांस्टेबल थानसिंह भी शामिल थे। लेकिन राजनीतिक दबाव में उसे निलंबित कर दिया।

कोटा बैराज से पानी छोड़े जाने से धौलपुर में दिख सकता चम्बल नदी का रौद्र रूप

जिला कलेक्टर ने दिए अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश

धौलपुर, (निसं)। कोटा वैराज से पानी छोड़े जाने के कारण चम्बल नदी में लगातार जल स्तर बढ़ रहा है। जिसके चलते गुरुवार को धौलपुर जिले में चंबल नदी रौद्र रूप पर पहुंच सकती है।

- **चम्बल का जल स्तर आज 135 से 136 मीटर तक पहुंचने की संभावना**
- **धौलपुर में चंबल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है**

धौलपुर में गुरुवार को चम्बल के खतरे के निशान से ऊपर बहने की संभावना बनी हुई है।

बुधवार शाम को 7 बजे चंबल नदी का जलस्तर 133.10 मीटर दर्ज किया गया। वहीं चंबल नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला कलक्टर अनिल कुमार अग्रवाल ने अधिकारियों को आवश्यक राहत व बचाव सम्बंधी तैयारियों के साथ मुस्तैद रहने के निर्देश दिए है। जिला कलेक्टर ने बताया कि अधिशाषी अभियन्ता निचली यमुना मण्डल केन्द्र जल आयोग आगरा द्वारा अवगत कराया गया है कि चम्बल नदी का जल स्तर 18 अगस्त गुरुवार को 135 से 136 मीटर तक पहुँचने की संभावना है, जबकि धौलपुर में चंबल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि राज्य स्तर से प्राप्त सूचना के अनुसार कोटा वैराज से 17 अगस्त को सुबह 13 गेट खोलकर 1 लाख 70 हजार 174 क्यूसेक पानी, राना प्रताप सागर बांध चित्तौढ़ गढ से 6 गेट खोलकर 1 लाख 76 हजार 682 क्यूसेक पानी, कालीसिंध बांध से 5 गेट खोलकर 69 हजार 187 क्यूसेक पानी एवं गांधी सागर बांध से 5 गेट खोलकर 1 लाख 62 हजार 780 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इस पानी की निकासी से चम्बल नदी में जल स्तर बढ़ ने से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ सम्बंधी किसी भी घटना की सूचना तत्काल जिला बाढ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 05642 220033 पर दें।

हाईकोर्ट ने 20 सितंबर तक मांगे दस्तावेज

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधिपति संदीप मेहता व न्यायाधिपति कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए जलदाय विभाग के एक्सईएन लेवल के अधिकारी को मौके पर खड़े रहकर टैंकर से पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पानी वितरण के फोटोग्राफ्स और आवश्यक दस्तावेज 20 सितंबर तक पेश करने को कहा है।

अधिवक्ता एवं याचिकाकर्ता अशोक चौधरी की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई में बताया गया कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद जसवंत नगर, हनुमान नगर, गीताधाम व तनावड़ा में गत 30 दिन से पानी के टैंकर से सप्लाई नहीं की जा रही है। गीताधाम में तो एक बार भी पर्याप्त जलापूर्ति नहीं की गई है। जलदाय विभाग की ओर से बताया गया कि पाइपलाइन जोडने की प्रक्रिया चल रही है। रेलवे लाइन के नीचे से पाइप डालने की प्रक्रिया अटकी हुई है।

हाईकोर्ट ने रेलवे की ओर से पेश हुए एएसजी मुकेश राजपुरोहित को निर्देश दिए कि रेलवे एक सप्ताह में डिमांड नोटिस जारी करे और अनुमति देवे। वहीं पीएचईडी के एक्सईएन ने भी न्यायालय के आदेश की पालना करते हुए बुधवार से ही इस काम में जुटने की तैयारी कर ली है। जसवंत नगर, हनुमान नगर, गीताधाम व तनावड़ा क्षेत्र में जनता जल मिशन योजना के तहत पाइपलाइन बिछा दी गई है। हालांकि दो माह से पानी की सप्लाई चालू नहीं की गई है। इसमें रोडा रेलवे फाटक है, जिसे क्रॉस कर पाइप लाइन डालनी है। 1 अगस्त को पीएचईडी और रेलवे अफसरों ने रेलवे फाटक की विजिट भी की।

पिंडवाड़ा में 12 घंटे में सवा चार इंच बारिश

पिण्डवाड़ा का कादंबरी बांध मूसलाधार बारिश से ओवरफ्लो हुआ

पिंडवाड़ा, (निसं)। पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र में सोमवार रात से तेज मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। बारिश के बाद तहसील क्षेत्र के कई बांध ओवरफ्लो हो गए हैं। कई मार्गों का सम्पर्क सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने रास्ता रोका। पिंडवाड़ा शहर उसके आस-पास के गांवों की प्यास बुझाने वाला पेयजल स्त्रोत कादंबरी बांध लगातार तेज मूसलाधार बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गया है। रपट में बहते पानी को देखने के लिए सैकडों की संख्या में लोग रपट पर पहुंचे। तेज बहते पानी की खबर मिलते ही पिंडवाडा के पुलिस थानाधिकारी चंपालाल बारड जाब्ते के साथ लोगों की जान की सुरक्षा के चलते नदी के दोनों तरफ पुलिस जवान लगाकर आवागमन के लिए रास्ता बंद किया।

पिंडवाडा क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में सवा चार इंच सबसे अधिक 108 एमएम बरसात हुई। मंगलवार रात से रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश हो रही है। वहीं शहर के निकटवर्ती सिवेरा के पास स्वरूप सागर बांध ओवर फ्लो हो गया है साथ ही तहसील क्षेत्र के अन्य बांधों और झरनों में पानी की तेज आवक हुई है। मौसम विभाग की भारी बरसात की चेतावनी के चलते जिला कलेक्टर ने आस-पास के लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वह दो दिन के सरकारी सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

रेवदर में दो दिन जमकर बरसे बादल

रेवदर, (निसं)। पिछले दो दिन से रूक-रुक कर रिमझिम जारी बारिश के दौर ने क्षेत्र में पानी ही पानी कर दिया। क्षेत्र भर में कभी रुकी तो कभी हल्की बूंदे तो कभी तेज हवा के साथ तेज बारिश का दौर जारी रहा। क्षेत्र में दो साल बाद जमकर बारिश हुई।

बारिश को लेकर जन-जीवन व पशुधन अस्त-व्यस्त हो गया। वही दूसरी और बारिश के दौर को लेकर प्रशासन भी हर मोड पर अलर्ट है। लगातर जारी बारिश से गलियों व बाजारो में पानी की नदियां चलने लगी। बारिश के चलते बाजार भी बंद रहा। क्षेत्र के करोटी नदी, मारोल नदी, गुलाबगंज नदी, जीरावल नदी, भेरुगढ़ नदी समेत क्षेत्र की करीबन सभी नदियां तेज वेग के साथ में बहने लगी। वही अनादरा से सांगारली जाने वाले मार्ग पर गोगुआ नदी तेज वेग के साथ में बहने के कारण लोगों का आवागमन तक बंद हो गया। एमरजेंसी में अस्पताल आने में भी काफी दिक्कते होती है। डाक ग्राम पंचायत के अधीन डाक गांव के करमदिया कृषि कुए पास बना हुआ एनीकट के तेज बहाव के चलते किसानो के खेतो के पास होकर गुजरती देवागन नदी के बहाव से आस पास के किसानो के करीबन 10 बीघा कृषि भूमि पर पानी के तेज वेग बहाव से कटाव हुआ।

रेवदर उपखण्ड क्षेत्र भर में लगातर दो दिन से हो रही जमकर बारिश के चलते टोकरा बांध, करोडी ध्वज बांध के ओवरफ्लो होकर उसके ऊपर होकर चादर चलने और लगातार बारिश के दौर को लेकर नदियों बहने लगी जिससे तहसील का सबसे बड़ा बांध गोकुल भाई भट्ट सुकली सेलवाड़ा बांध में पानी की आवक शुरू हुई। सिंचाई विभाग जेईएन बाबूलाल सैनी ने बताया की शाम करीबन 7 बजे तक सेलवाड़ा बांध में 1.3० मीटर तक पानी की आवक हुई थी और लगातार पानी की आवक जारी है।

माउंट आबू की पहाड़ियों के झरनो से बहते पानी की टोकरा बांध और उडवारिया बांध में आवक होने से दोनों बांध लबालब होकर छलकने लगे। और दोनों बांधों के छलकने से नदियों में पानी की आवक होने लगी। टोकरा बांध के लबालब होने के बाद में ओवरफ्लो बढ़ने से पानी की आवाज तेज वेग से सेलवाड़ा में आना शुरू हुआ।

रेवदर उपखण्ड मुख्यालय सहित समूचे क्षेत्र भर में दो दिन से जारी अलर्ट के बाद में जमकर हो रही बारिश के चलते प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया। लगातार बांधो का निरीक्षण कर जायज ले रहे हैं।

बहरोड थाने पर फायरिंग मामले में पपला की पेशी

पपला को हरियाणा की जेल से बहरोड़ कोर्ट में लाया गया।

अलवर, (निसं)। हरियाणा के गैंगेस्टर व मोस्टवांटेड विक्रम उर्फ पपला को बुधवार 1 बजे हरियाणा की भोंडसी जेल से गुडगांव पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच बहरोड एडीजे-1 कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर चार्ज फ्रेम होने के बाद आगामी पेशी की तारीख 28 सितंबर 2022 दी गई है। विक्रम उर्फ पपला हरियाणा के महेंद्रगढ के गांव खेरोली का रहने वाला है।

एसओजी के विशिष्ट लोक अभियोजक जितेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि बहरोड पुलिस थाने की हवालात से 6 सितंबर 2019 को फरार होने के बाद विक्रम उर्फ पपला को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से 28 जनवरी 2021 को महिला मित्र जियाचांद सिकलीगर के साथ गिरफ्तार किया था। मार्च 2021 में एसओजी ने पपला के खिलाफ चालान पेश किया। जिसके बाद से लगातार कोर्ट से तारीख पर तारीख लगाई जा रही थी। एडीजे-1 कोर्ट से 21वीं तारीख पर पुलिस की कडी सुरक्षा के बीच पेश किया गया।

प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रोफेसर और छात्रा पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के करवड़ स्थित सरदार पटेल पुलिस विश्व विद्यालय में मई महिने में बीए का प्रश्नपत्र आउट हुआ था। इस पर गहन जांच पड़ताल के बाद अब विश्व विद्यालय की कुलसचिव ने कॉलेज के प्रोफेसर और छात्रा को नामजद करते हुए मामला दर्ज कराया गया है। करवड़ पुलिस इस बारे में जांच में जुटी है।

थानाधिकारी कैलाशदान ने बताया कि सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय की कुल सचिव डॉ. प्रोफेसर डिंपल पंवार की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि गत 31 मई को पुलिस विश्वविद्यालय में बीए का पेपर आउट हुआ था। इस बारे में जांच पड़ताल की गई। बाद में पता लगा कि इसमें कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. विजय सिंह एवं छात्रा कुंजल डूकिया ने मिली भगत कर पेपर आउट किया। थानाधिकारी ने बताया कि इस बारे में अब दोनों के खिलाफ राजस्थान परीक्षा अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच की रही है। कॉलेज प्रशासन की तरफ से कुछ जानकारी भी पुलिस को प्रदान की गई है।

भीण्डर में छात्राओं ने स्कूल बंद कर लगाया ताला

- **प्राथमिक स्कूल भवन में चल रहा है उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय**
- **उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने मौके पर पहुंच बालिकाओं के आन्दोलन को किया खत्म**

भीण्डर, (कासं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल के लिए बलिदान हुए बालिका स्कूल को एक प्राथमिक स्कूल भवन में संचालित करने से खफा बालिकाओं व परिजनों ने स्कूल बंद करके फाटक के ताला लगा दिया। इसके बाद सड़क पर उतर करके बच्चियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी मौके पर पहुंच करके बालिकाओं, परिजनों व जनप्रतिनिधियों से बात करके समस्या जानी और मामला शांत किया।

भीण्डर के सूरजपोल पर एक प्राथमिक विद्यालय में पिछले वर्ष से बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय संचालित हो रहा है। जिसमें करीब 300 छात्राएं अध्ययनरत है। विद्यालय में बैठने के लिए केवल 8 कमरे ही हैं और उनमें से भी कई कमरों में पानी गिर रहा है। इसको लेकर पहले भी प्रशासन से मांग करने के बाद भी सुनवाई नहीं होने पर बुधवार को बालिकाओं व परिजनों ने स्कूल के मुख्य दरवाजे को बंद करके ताला लगा दिया और सभी बालिकाएं सड़क पर उतर करके नारेबाजी करने लग गई। सूचना पर भीण्डर पंचायत

भीण्डर में बालिका स्कूल के बाहर नारेबाजी करती बालिकाएं।

समिति प्रधान हरिसिंह सोनिगरा सहित जनप्रतिनिधि, पुलिस और नागरिक मौके पर पहुंचे। प्रधान हरिसिंह सोनिगरा ने फोन करके शिक्षा विभाग के सीबीईओ महेन्द्र जैन को घटना से अवगत करवाया । सहायक सीबीईओ भेरूलाल सालवी के मौके पर पहुंचने के बाद भी बालिकाएं नहीं मानी और लगातार हंगामा करती रही। इस पर भीण्डर उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी को मौके सूचना दी।

उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने शिक्षा विभाग के भेरूलाल सालवी को निर्देश दिये कि भवन में पानी रोकने के लिए सबसे पहले छत की मरम्मत का काम शुरू करें। इसके लिए आज ही विभाग के अभियंता से जांच करवा करके काम शुरू करें। इसके अलावा स्कूल में पढाने के लिए पर्याप्त स्टॉफ की व्यवस्था की जावें। वहीं भवन में कम कमरे होने से दो पारी में विद्यालय संचालन के निर्देश दिये । उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी ने बालिका स्कूल के लिए वर्तमान भवन छोटा देखकर उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिये कि बालिका स्कूल के लिए नया भवन बनाने का प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा जाए ताकि नगर में जमीन आवंटित करके वहां पर बालिका स्कूल का निर्माण करवाया जाए।

इस दौरान थानाधिकारी विजेन्द्र सिंह शेखावत, भीण्डर सहायक सीबीईओ भेरूलाल सालवी, भीण्डर पंचायत समिति प्रधान हरिसिंह सोनिगरा, भीण्डर नगर पालिका उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, पूर्व पालिकाध्यक्ष व पार्षद गोवद्र्धनलाल भोई, पार्षद जितेन्द्र कुमार साहु, ओमप्रकाश भोई आदि उपस्थित रहे।

जीप व बोलेरो की टक्कर में तीन जातरूओं की मौत, पांच घायल

सादुलपुर, (निसं)। जिले की राजगढ़ तहसील के जाहरवीर गोगापीर की जन्म स्थिली ददरेवा में भरने वाले ऐतिहासिक लक्खी मेले में दर्शन कर वापस लौट रहे उतरप्रदेश के जातरूओं से भरी जीप व बोलेरो की हुई टक्कर में जीप में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गये। घायलों को कस्बा राजगढ के श्रीनाथ अस्पताल एवं रायका हॉस्पीटल राजगढ़ में भर्ती करवाया गया, जहाँ उपचाराधीन बताये जा रहे हैं।

थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि प्रकरण में संजू कुमार पु० रूपचन्द जाति जाटव निवासी कककेपुर

आमने-सामने की टक्कर में कमांडर जीप के परखच्चे उड़ गए।

तहसील सरधना जिला मेरख उतरप्रदेश ने उपस्थित थाना हाजिर होकर इस आरोप की रिपोर्ट पेश की कि उसका भाई सोनू कुमार पुत्र रूपचन्द 16 अगस्त को उनके घर से अपने दोनों बच्चों अभि व सेन्सम व अपनी पत्नी प्रेमलता तथा उसके दोनों पुत्र यश व अन्शन को साथ लेकर गोगाजी महाराज के ददरेवा में दर्शन करने के लिए आये हुए थे। जब उसका भाई सोनू ने ददरेवा में महाराज के दर्शन व पूजा करके वापस राजगढ आ रहे थे, तब ददरेवा बस स्टेण्ड से एक कमांडर गाडी में बैठे थे, उस समय गाडी में गोविन्द राम, केसर देवी, चन्द्रवती तथा गोविन्द का पुत्र यशु भी उनकी गाडी में बैठे थे।

जैसे ही उक्त कमांडर जीप एनएच 52 तारानगर पुलिया के पास सर्विस रोड पर पहुंची तो सामने से आ रही एक बोलेरो गाडी के चालक ने बोलेरो को तेज गति व गफलत से चलाकर गलत दिशा में लाकर कमांडर जीप को टक्कर मार दी, जिससे जीप अनियंत्रित होकर पलटा खा गई तथा जीप में बैठे उसके भाई सोनू कुमार, उसके पुत्र रोमन्स व कमांडर जीप में बैठी चन्द्रवति की मौके पर ही मृत्यू हो गई तथा उसके भाई की पत्नी प्रेमलता व उसके पुत्र अभि, गोविन्दराम, केसरदेवी व यशु को चोट लगने से घायल हो गये तथा घटना के बाद बोलेरो चालक बोलेरो को भगा ले गया, मगर उसके भाई की पत्नी प्रेमलता व गोविन्द ने बोलेरो के नम्बर देख लिये।

करौली दंगे के मुख्य आरोपी ने किया पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

करौली, (नि.स.) । करौली. नव संवत्सर बाइक रैली पर पथराव, उपद्रव, आगजनी मामले में फरार चल रहे चार मुख्य आरोपियों में से एक हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह गुर्जर ने बुधवार को एसपी ऑफिस में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण चंद यादव के समक्ष उपस्थित होकर सरेंडर किया है।

आरोपी साहब सिंह गुर्जर को मामले की जांच कर रहे एसआईटी प्रमुख एएसपी किशोर बुटोलिया के सुपुर्द कर दिया है। एसआईटी आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी साहब सिंह गुर्जर 2 अप्रेल को निकली नव सम्वत्सर रैली आयोजन कर्ताओं में शामिल है। आरोपी पर तोडफोड, आगजनी और डीजे पर धार्मिक भावनाएं भडकाने वाले गाने बजाने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि साहब सिंह गुर्जर के सरेंडर करने के बाद भी मुख्य आरोपी मतलूब अहमद, राजाराम गुर्जर सहित अन्य अभी फरार चल रहे हैं। मामले में

करौली दंगा के आरोपी साहब सिंह गुर्जर (बीच में) को हिरासत में लेकर जाते एसआईटी प्रभारी किशोर बूटोलिया।

एक एफआईआर पुलिस की ओर से दर्ज कराई गई थी। जिसमें करीब अब तक डेढ़ सौ लोगों को आरोपी बनाया है और करीब 40 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि आम लोगों की ओर से 44 अन्य एफआईआर दर्ज कराई गई थी। आरोपी के सरेंडर करने से अब पुलिस पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का दबाव बढ़ेगा। साहब सिंह गुर्जर के एसपी ऑफिस पहुंचने की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मी अलर्ट हो गए और उसे एएसपी के समक्ष लेकर पहुंचे।

पूर्व डिप्टी सीएम पायलट के कार्यक्रम को असफल करने को गहलोत के मंत्रियों ने लगाया जोर ?

गहलोत सरकार के चार मंत्री आनन-फानन जालोर दौरा कर मंगलवार सुबह सुराणा पहुंचे

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सुराणा ग्राम में पिछले दिनों एक दलित छात्र की अध्यापक की थप्पड़ से मौत होने पर शोक जताने आए पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के कार्यक्रम के असफल करने के गहलोत सरकार के चार मंत्री आनन-फानन जालोर दौरा कर मंगलवार सुबह सुराणा पहुंचे तथा पायलट के दौरे को असफल करने का प्रयास किया। मंगलवार शाम को जालोर शहर के सर्किट हाऊस में पत्रकार वार्ता का भी आयोजन किया, लेकिन मंगलवार शाम को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के दौरे ने प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा सहित मंत्रियों के दौरे पर पानी फेर दिया।

पायलट ने पीड़ित परिवार की आपबीति को आत्मीय भाव से सुना तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। पायलट के काफिले में 70-80 वाहनों की कतार देखी गई। जिले के दो बड़े कांग्रेसी पदाधिकारी के अलावा गहलोत गुट के कार्यकर्ता साथ नहीं देखे गये। जालोर जिले में गहलोत गुट व पायलट गुट को लेकर चर्चा का बाजार एक बार फिर गर्म हो उठा।

जालोर जिले के सुराणा ग्राम में एक निजी विधालय में अध्यापक की थप्पड़ से एक दलित छात्र की मौत हो जाने से देश सहित प्रदेश के कई मंत्रियों के आने जाने के सिलसिला जारी है।

प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के सोमवार को जालोर जिले के सुराणा ठाम में कार्यक्रम तय होने पर सरकार ने पूर्व मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश, आपदा प्रबंधन एवं सहायता, प्रशासनिक सुधार और समन्वय, सांख्यिकी एवं नीति निर्धारण प्रकोष्ठ मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त एवं विकास कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पवन गोदारा, वंशावली संरक्षण एवं संवर्धन अकादमी के अध्यक्ष रामसिंह राव सहित कई विधायकों ने मंगलवार

सुबह करीब 11.00 बजे सुराणा पहुंचकर मृतक दलित छात्र के घर पहुंचकर श्रद्धाजंलि देकर आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा करने का आश्वासन दिया। मृतक के छात्र के परिजन उनके आश्वासन से संतुष्ट नही हो पाये तथा पायलट के जालोर पहुंचने से एक घंटे पहले शाम को पांच बजे सर्किट हाऊस में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया।

मंगलवार शाम को आये डिप्टी सीएम पायलट को पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाते हुए अपनी व्यथा बताई। पीड़ित परिवार ने पायलट के समक्ष बताया कि पुलिस व प्रशासन के रवैया से नाराजगी जाहिर कर प्रशासन द्वारा बच्चे का अंतिम संस्कार रात्रि में करने का दबाव बनाया तथा छात्र के अंतिम संस्कार में भाग लेने आये मेहमानों व ग्रामीणों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। मंत्रियों के आश्वासन पर संतुष्ट नही होने की बात बताई।

जालोर दौरे के दौरान पायलट का दिखा शक्ति प्रदर्शन जालोर जिले के सुराणा में मृतक दलित छात्र की मौत के मामले में श्रद्धाजंलि देने आये पुर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के काफिले में करीब 70-80 वाहनों की लम्बी कतार देखी गई। जोधपुर से जालोर पहुंचे पायलट का जगह -जगह गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ। एक दिन में प्रदेश के कई मंत्री व पर्व डिप्टी सीएम के अलग अलग आने से गुटबाजी की बात जमकर सामने आई तथा लोगों में चर्चा का विषय बना रहा। पायलट के दौरे के दौरान पूर्व सरकारी उप सचेतक रतन देवासी, डॉ समरजीतसिंह , जितेद्र कसाना, मंजू मेघवाल सहित आदि उपस्थित थे।

मृतक छात्र के घर श्रद्धांजलि देने आये डोटासरा के बोतल से पानी पीने का फोटो हो रहा है वायरल

जालोर जिले के सुराणा में मृतक छात्र की मौत होने पर श्रद्धांजलि देने आये मंत्रियों समूह में प्रदेशाध्यक्ष गोविदसिंह डोटासरा के पास पड़ी पानी की बोतल से पानी पीने से फोटो तेजी से वायरल हो रहा है। लोगों ने बताया कि संवेदना व्यक्त करने आये मंत्री भी मृतक छात्र के घर का पानी नहीं पीकर पानी की बोतल साथ लेकर आये है। आज भी दलित के घर पानी पीना पंसद नहीं कर रहे हैं। फोटो को लेकर पूरे दिन व्हाटसअप, फेसबुक सहित सोशियल मीडिया में फोटो वायरल हो रहा है।

रिश्वत लेते वरिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

राजसमन्द, (निसं)। एसीबी राजसमंद की टीम ने बुधवार को बडी कार्यवाही करते हुए भीम तहसील के राजकीय स्कूल ठीकरवास कलां के वरिष्ठ सहायक को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ सहायक भुपेन्द्रपाल सिंह ने यह राशि सेवानिवृत शिक्षक बाबूलाल के पेंशन प्रकरण को ऑनलाइन करने की एवज में मांगी थी। शिक्षक इसी विद्यालय से सेवानिवृत हुआ था। ब्यूरो के महानिदेशक भगवानलाल के अनुसार एसीबी राजसमन्द को परिवादी शिक्षक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पेंशन प्रकरण को ऑनलाइन करने के लिए वरिष्ठ सहायक 12 हजार रुपए की डिमांड कर रहा है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उदयपुर (राजस्थान)

(पता:-मकान न.16 ब्लॉक सी हिरणमगरी सवीना सेक्टर-9 क्रिस्टल प्लाजा के पास उदयपुर
(email-eemhudaipur@gmail.com,ee-mh-udaipur.gov.in)

क्रमांक : चि.एवं.स्वा./उदयपुर/2022-23/835 दिनांक :- 03.08.22

ई निविदा सूचना संख्या: 06/2022-23

(NIB Code: NRH2223A0138)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के उदयपुर एवं सिरोही जिले में निर्माण कार्य मय पांच साल की दोष निवारण अवधि (जहां लागू हो) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के एए.,ए.,बी,सी एवं डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें दिनांक 25.08.2022 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बधित विवरण https://.eproc.rajasthan.gov.in व www.SPPP.rajasthan.go.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.
NRH2223WSOB00619, NRH2223WSOB00621, NRH2223WSOB00623, NRH2223WSOB00624, NRH2223WSOB00625, NRH2223WSOB00626, NRH2223WSOB00627, NRH2223WSOB00628, NRH2223WSOB00629, NRH2223WSOB00630, NRH2223WSOB00631, NRH2223WSOB00632, NRH2223WSOB00633

(बाबु लाल माली)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उदयपुर

जरूरतमंद किसानो को योजनाओं में प्राथमिकता मिले : कलेक्टर सोनी

■ कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय समितियों की बैठक

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय समितियों की बैठक आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर ने कृषि विभाग के उप निदेशक एवं कृषि अधिकारियों को निर्देश दिये कि कृषि विभाग की योजनाओं में उन किसानों को प्राथमिकता दी जाये जो अधिक जरूरतमंद होवे। उन्होंने निर्देश दिये कि योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देवे। कृषि पर्यवेक्षक किसानों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें योजनाओं से जुडकर लाभ उठाने को प्रेरित करें। उन्होंने नेशनल मिशन फोर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर वर्षा आधारित क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत चयनित बानसूर के लेकडी कलस्टर के कृषि पर्यवेक्षक द्वारा चयनित किये गए किसानों की सूची की समीक्षा कर निर्देश दिये कि पुनः सर्वे करके सूची को तैयार करे।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिले में क्रियान्विति की समीक्षा कर बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि, कृषि अधिकारियों एवं संबंधित उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी किसानों को दी जाये। फसल खराबे पर मुआवजा लेने की प्रक्रिया का विशेष तौर से उल्लेख करे। उन्होंने पटवार मण्डल से बीजाई के उपरांत बरसात से बीज खराबे होने या नहीं होने की रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय तथा कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति 2019 के तहत दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति लि. घाटला द्वारा 7.15 लाख रूपये की परियोजना लागत से बीएमसी स्थापना एवं मैसर्स बॉस ऑयल मिल ग्राम मेहरमपुर किशनगढबास के द्वारा 153.77 लाख रूपये की परियोजना लागत से सरसो सीड प्रसंस्करण की स्थापना के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

जिला कलेक्टर ने ग्राम गुजूकी निवासी किसान दुलीचन्द प्रजापत से बैठक में कृषि विभाग की संचालित योजनाओं का धरातल पर क्रियान्विति का फीडबैक लिया। किसान दुलीचन्द ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाएं अच्छी है इनसे किसानों को बहुत अधिक संबल मिलता है। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। इस पर जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि धरातल में अधिकारी जाकर खास तौर पर कृषि पर्यवेक्षक योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर किसानों को योजनाओं से जोडकर उन्हें लाभांवित करावे।

अलवर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्राम गुजूकी निवासी किसान दुलीचन्द प्रजापत से बैठक में कृषि विभाग की संचालित योजनाओं का धरातल पर क्रियान्विति का फीडबैक लिया।

संक्षिप्त

कार्यकारिणी का गठन किया

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम नारेहडा के राधा कृष्ण मंदिर परिसर में रामलीला कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष ओम सिंह नंबरदार, उपाध्यक्ष कैलाश चंद मीणा, कोषाध्यक्ष नानगराम सैनी, सह कोषाध्यक्ष महिपाल सिंह, स्टोर कीपर नानगराम सैनी, सहायक स्टोर कीपर रतन सिंह तवर, सचिव सुनील कुमार बासनिवाल को नियुक्त किया गया। इसके अलावा संरक्षक मंडल में मांगू सिंह, शंकर लाल ठेकेदार, सीताराम अग्रवाल, जसवंत माठ, अर्जुन लाल सैनी, जगदीश सिंह गुरुजी, फुलचंद, कलाकार चयन में भवानी सिंह, ओम सिंह नंबरदार, करतार सिंह, फतेह सिंह, रुपेश शर्मा, रूप सज्जा ओम प्रकाश सैन, मंच सज्जा लालचंद जांगिड़, रतन सिंह तवर, नानगराम सैनी, विरेन्द्र सिंह तंवर को नियुक्त किया गया।

डॉ. अभिजीत ने कार्यभार संभाला

रामगढ-पचवारा, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर नवसृजित खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ब्लाक सीएमएचओ पद पर लालसोट जिला अस्पताल से स्थानांतरित कर डॉ अभिजीत को लगाया गया है। नवनियुक्त ब्लॉक सीएमएचओ डॉ अभिजीत द्वारा बुधवार को कार्य दिवस में कार्यालय में जाकर कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण किया। इस मौके पर नवनियुक्त ब्लॉक सीएमएचओ का चिकित्सा कर्मियों द्वारा स्वागत अभिनंदन भी किया गया।

एलआईसी एजेंट पंजाबी का सम्मान

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा श्रीमाधोपुर में बुधवार को एलआईसी एजेंट नरेश कुमार पंजाबी श्रीमाधोपुर का 101 बीमा पॉलिसी पूर्ण करने व वित्तीय वर्ष में शाखा में प्रथम शतकवीर बनने पर गोल्ड मेडल, साफा तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक छीतर सिंह निठारवाल, एस.बी.ए गजेंद्र सिंह, आर.डी .मित्तल, रणजीत सिंह, राजेश सैनी, जितेंद्र कुमावत, गोपाल सैनी, ख्यालीराम सहित सभी कर्मचारी तथा अभिकर्तागण उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर निगम के जयपुर मंडल प्रभारी ने भी शुभकामनाएं दी है।

प्रशासन शहरों के संग शिविर आज

टोंक, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के अन्तर्गत 17 व 18 अगस्त को अग्रवाल धर्मशाला में वार्ड 30, 39, 40 का शिविर अग्रवाल धर्मशाला में 18 अगस्त को सामाजिक कार्यक्रम होने के कारण प्रशासन शहरों के संग शिविर अग्निशमन केन्द्र पर आयोजित किया जाएगा। नगर परिषद आयुक्त अनिता खींचड ने बताया कि बुधवार को प्रशासन शहरों के संग शिविर का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया।

150 लीटर वॉश व भट्टी नष्ट की

मालपुरा, (निसं)। आबकारी दल ने बुधवार को डिग्गी व पचेवर थाना क्षेत्र के तीन ठिकानों पर छापामार कार्यवाही कर 150 पेटी वॉश व भट्टी नष्ट की। आबकारी ईओ महावीर कुमार के निर्देशन में प्रहराधिकारी निर्मला चौधरी, एएसआई लक्ष्मण सिंह, कैलाश चन्द, भंवर सिंह व महिला हॉमगार्ड की टीम ने डिग्गी कस्बे की सांसी बस्ती व किरावल एवं चावण्डिया में अवैध हथकड शराब के ठिकानों पर दबिश की कार्यवाही कर 150 लीटर वॉश व एक भट्टी नष्ट की।

संभागीय आयुक्त आज टोंक में

टोंक, (निसं)। संभागीय आयुक्त अजमेर भंवर लाल मेहरा गुरुवार 18 अगस्त को टोंक दौरे पर रहेंगे। मेहरा राजीव गांधी सेवा केन्द्र, कलेक्ट्रेट टोंक में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई का निरीक्षण करेंगे। जनसुनवाई के निरीक्षण के पश्चात जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ अपरान्ह 3 बजे लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम एवं उपचार व कानून व्यवस्था के संबंध में समीक्षा बैठक लेंगे।

जुआ खेलते 11 गिरफ्तार

चौरु/उनियारा, (निसं)। उनियारा उपखंड क्षेत्र सोप थाना अंतर्गत में पुलिस थाना सोप व जिला डी.एस.टी. टीम द्वारा बडी कार्यवाही सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुये 9 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जुआ राशि 41670 रुपये एवं सट्टा खाई वाली करते हुये दो व्यक्ति गिरफ्तार कर सट्टा राशि 2410 रुपये जप्त कुल रुपये 44080 जप्त किये।

स्क्रैप व्यापारी से 19 लाख की लूट

■ पुलिस ने पीछा कर 2 बदमाशों को हिरासत में लिया, तीन फरार

अलवर, (निसं)। जमीन का सौदा करने जा रहे स्क्रैप व्यापारी व उसके साले से दिनदहाडे बदमाशों ने 19 लाख रुपए लूट लिए। बाइक पर सवार होकर आए 5 बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पीडित ने कहा कि लुटेरों ने सिर पर तमंचा (कट्टा) तान दिया और रुपए से भरा बैग ले गए।

मामला अलवर के सदर थाना इलाके का है। पुलिस ने पीछा कर 2 बदमाशों को हिरासत में लिया। जबकि 3 फरार हैं। व्यापारी हकमुद्दीन भरतपुर के कामां स्थित धोगडी और उनका साला हारून सबलाना के रहने वाले हैं। पिछले 18 साल से हकमुद्दीन गुजरात में कबाड (स्क्रैप) का व्यापार करता है।

हकमुद्दीन ने बताया कि 8 दिन पहले 10 अगस्त को उसने गोदाम के लिए दादर (अलवर) गांव में 1 बीघा जमीन खरीदी थी। जमीन को लेकर सौदा भी तय हो गया था। रुपए का लेन-देन करने तीन दिन पहले 15 अगस्त को वह अपने साले हारून के साथ लिवारी (अलवर) आया था। बुधवार को दोनों दोपहर 12 बजे अलग-अलग बाइक से मालाखेडा (अलवर) जाने के लिए निकले थे। वहां बैंक में रुपए भी जमा कराने थे और जमीन के रुपए भी देने थे। मालाखेडा से करीब 13 किलोमीटर पहले जयसमंद गांव के पास दो अलग-अलग बाइक पर आए 5 बदमाशों ने घेर लिया। रुपए से भरा बैग हारून के पास था। हकमुद्दीन ने बताया कि एक बदमाश ने हारून की बाइक के आगे खुद की बाइक लगा दी। वहीं दूसरे ने सिर पर पिस्तौल तानी और इनका तीसरा साथी रुपए से भरा बैग लूटकर फरार हो गया। हकमुद्दीन ने बदमाशें का पीछा भी किया लेकिन एक बदमाश ने उसकी बाइक को टक्कर मार नीचे गिरा दिया। वारदात के बाद दोनों जीजा-साला घबरा गए। इस पर उन्होंने लिवारी में अपने रिश्तेदार को फोन किया। उसने पुलिस को लूट की सूचना दी। पीडितों ने बताया कि लुटेरे जयसमंद बांध की तरफ भागे हैं। इस पर पुलिस ने भी उनकी बताई लोकेशन के आधार पर पीछा किया। यहां बांध के आगे श्मशान के पास दो आरोपियों को हिरासत में लिया, जबकि तीन फरार हो गए। हकमुद्दीन ने बताया कि उसके चार बेटे हैं। दो भाई सूरत में कबाड का काम करते हैं। वहां करीब 18 साल काम करके कुछ पैसा कमाया था। एक बार में ही पूरा पैसा लुट गया। लुटेरों में से एक युवक मोटा था। बाकी चार भी 25 से 28 साल की उम्र के बीच के थे।

मस्जिद बनाने की चर्चा से हिन्दू संगठनों में रोष

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में दो स्थानों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा मस्जिद बनाने की चर्चा से हिन्दू संगठनों में रोष है। इसको लेकर बुधवार को राष्ट्रीय मंत्री योगी सेना मोहनदास महाराज के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने तहसीलदार शिवानी शर्मा को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन के मुताबिक बाहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा कस्बे में अलवर सडक मार्ग पर पीर बाबा मंदिर और मानसरोवर जोहड में मस्जिद निर्माण के लिए पत्थर डाले गये है। जहाँ पर अनेक देवी-देवताओं के मंदिर और आसपास में बडी संख्या में हिन्दू समुदाय के लोग रहते है। इससे साम्प्रदायिक दंगे होने की संभावना बनी हुई है। इसको लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने तहसीलदार शिवानी शर्मा को एसडीएम के नाम ज्ञापन देकर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा मस्जिद बनाने की प्रकिया को रोकने की मांग की है। इधर तहसीलदार शिवानी शर्मा ने बताया कि ज्ञापन के जरिये मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा मस्जिद बनाने की सूचना मिली थी। मैं, पटवारी और एएसआई ने मौके पर जाकर देखा तो ऐसा कोई भी कार्य नहीं हो रहा था। इस मौके पर राकेश फोजी, बलबीर यादव, बुद्धाराम यादव, हनुमान पापट्यान, महेश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

कलेक्टर ने गौशाला का दौरा कर व्यवस्था जांची

अलवर, (निसं)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने लम्पी स्किन डिजीज के प्रकोप की रोकथाम के मद्देनजर बुधवार को स्टेशन रोड स्थित सार्वजनिक गौशाला का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला कलक्टर ने गौशाला में गायों के बाडे में जाकर चारे, पानी एवं साफ-सफाई आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लिया जिसमें गौशाला की व्यवस्था दुरूस्त पाई गई। उन्होंने गौशाला प्रबंधन से कहा कि मवेशियों में फैल रहा लम्पी स्किन डिजीज एक संक्रामक रोग है अतः इसकी रोकथाम हेतु गौशाला में साफ-सफाई, पौष्टिक आहार, संक्रमित पशु को क्वारेंटीन करने, बीमार पशु का चिकित्सकीय उपचार करवाने आदि बातों का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग के कार्मिक इस रोग के प्रकोप की स्थिति पर नजर रखते हुए पूरी तरह से मुश्तैद है। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में पशुओं के सर्वे का कार्य निरन्तर जारी रखे। साथ ही पशुओं का टीकाकरण करावे, पशुओं बाडे इत्यादि स्थानों पर सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिडकाव करावे व आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित करावे। पशुपालन विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. रमेश चंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन पर लम्पी स्किन डिजीज की रोकथाम हेतु जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में पशुपालन, कृषि एवं ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग के कार्मिकों द्वारा 16 व 17 अगस्त को विशेष अभियान के माध्यम से 5 लाख 76 हजार 594 पशुओं का सर्वे किया गया। उन्होंने बताया कि इस रोग के प्रभावी प्रबंधन, नियंत्राण एवं रोकथाम हेतु राज्य सरकार के निर्देशानुसार पशु बाडों में साफ सफाई, चूने को बिछाना, सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिडकाव, जू, चिचड, मच्छर, मक्खी आदि से बचाव हेतु पशुपालकों एवं आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

साथ ही पशुओं को संतुलित आहार देने, हाथों, कपडों आदि को सैनेटाइज करने, क्वारेंटीन करने, मृत पशु को गांव, गौशाला एवं जल स्त्रोत से दूर डेढ मीटर गड्ढे में चुना एवं नमक के साथ वैज्ञानिक विधि से दफनाने के बारे में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि इस रोग से बीमार पशु का दूध गर्म करके उपयोग में लिया जा सकता है।

300 शौर्यवीरों का सम्मान किया

कोटपूतली, (निसं)। समर्थ सशक्त कोटपूतली टीम के द्वारा क्षेत्र के गौरव सैनिकों व विभिन्न सुरक्षा बलों से जुडे सभी वीर जवानों के सम्मानार्थ एक सम्मान समारोह शौर्य को नमन कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत बनेठी परिक्षेत्र के 300 शौर्यवीरों का सम्मान किया गया। पूर्व सरपंच गजराज सिंह, पूर्व सरपंच सुरेश सिंह, कैप्टन कैलाश सिंह ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा मण्डल मंत्री अनिल कुमावत, जितेन्द्र बागौरिया, मण्डल उपाध्यक्ष राकेश पाल सिंह, राजपाल सिंह, महेश कुमावत टैण्टवाले, सुनिल कुमावत, बिट्टू कुमावत, मनोहर कुमावत, मुकेश वर्मा, अरविन्द वर्मा, विष्णु वर्मा, जीतू सिंह, अंकित सिंह, मामराज सिंह रामनगर, राहुल सिंह रामनगर आदि बडी संख्या में सैनिक, अर्द्धसैनिक, विभिन्न सुरक्षा व पुलिस बलों के जवान व परिजन मौजूद थे।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी

■ 26 अगस्त को मतदान, 27 को परिणाम घोषित

निवाई, (निसं)। छात्र संघ चुनाव 2022 को लेकर राजकीय महाविद्यालय में 26 अगस्त को होने वाले चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव व कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव होगा। चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को सुबह 10 बजे चुनाव अधिघोषणा हो गई है। गुरूवार को सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक मतदाता सूचना का प्रकाशन किया जाएगा। 20 अगस्त को 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदाता सूची पर आपत्तियां मांगी गई हैं। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक किया जाएगा। नामांकन पत्रों की प्रस्तुति 22 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक, जांच एवं आपत्तियां दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक ली जाएगी। वैध नामांकन सूची का प्रकाशन 23 अगस्त को 10 बजे किया जाएगा। नामांकन वापसी 23 अगस्त को 11 बजे से 2 बजे तक, अंतिम सूची प्रकाशन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक की जाएगी। इसी प्रकार मतदान एजेन्टों की नियुक्त 25 अगस्त को दोपहर 3 बजे, मतदान प्रक्रिया 26 अगस्त को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। मतगणना 27 अगस्त को सुबह 10 बजे से की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना के तुरन्त बाद चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ ग्रहण करवाई जाएगी।

दुकान का ताला व शटर तोड़ नकदी से भरा गल्ला ले गए चोर

■ शनि मंदिर टसकोला भौनावास रोड पर है पीड़ित की दुकान

पावटा, (निसं)। शनि मंदिर के पास टसकोला भौनावास रोड पावटा स्थित जनरल स्टोर की दुकान पर अज्ञात चोरों ने ताले व शटर तोडकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दुकान से करीब गल्ले में रखे 30-35 हजार रुपये गल्ले सहित चुरा कर ले गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची प्रागपुरा थाना पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी ले चोरों की तलाश में जुटी है।

टसकोला भौनावास रोड पावटा स्थित स्थित दीपक जनरल स्टोर की दुकान पर चोरों ने बुधवार को सुबह करीब 5 बजे दुकान के ताले व शटर तोडकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने शटर के ताले व शटर तोडकर दुकान के गल्ले में रखें करीब 30-35 हजार रुपए के साथ गल्ला लेकर फरार हो गये। घटना को अंजाम देने के बाद चोरों ने घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर मैक्स संजीवनी हॉस्पिटल के पास सर्विस रोड के पास गल्ला फेंक दिया जिसमें से चोर नकदी लेकर चले गए। चोरी की घटना का जब पता चला जब पीडित का पिता सुबह दूध लेने गया व दुकान के पास कुछ 10-20₀ के नोट व चिल्लर बिखरे देख पास जाकर देखा तो दुकान के ताले व शटर टूटे पडे थे। जिस पर उन्होंने अपने पुत्र दीपक को घटना की जानकारी दी। वही सूचना के बाद प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव ने मय पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिनमे 4-5 लडके सुबह 5 बजे के करीब भौनावास फ्लाईओवर की तरफ से आये व दुकान का ताला व शटर तोडकर एक सफेद रंग की गाडी मे भागते नजर आये। वहीं प्रागपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी है। वही पुलिस भागने वाले रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है। वही चोरी की सूचना पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने मौके पर पहुँचकर दिन में चोरी की वारदात को लेकर नाराजगी जताते हुए प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव को जल्दी से जल्दी चोरों को पकडकर इसका खुलासा करने के निर्देश दिये। वही मौके पर पहुँचकर सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, गोपाल अग्रवाल, वार्ड पार्षद विजय गुप्ता, संजय सैन, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने घटना की जानकारी ली।

सार-समाचार

मौसमी बीमारियों को लेकर फोगिंग कराई

मंडावरी, (निसं)। नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर फोगिंग करवाने के साथ जिन जगहों पर पानी एकत्र हो रहा है वहां एमएलओ डलवाया गया। अधिशासी अधिकारी नमन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगरपालिका क्षेत्र में मौसमी बीमारियों और डेंगू से बचाव के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए गए हैं। अधिशासी अधिकारी शर्मा ने बताया कि नगर पालिका के द्वारा कई जगहों पर एकत्र पानी में मच्छर रोधी सॉल्यूशन एवं संक्रमित मच्छरों को मारने के उद्देश्य से फोगिंग कराई गई। अधिशासी अधिकारी शर्मा ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि कूलर, गमले, गमले की ट्रे, टूटे-फूटे सामान, मटके, खाली रखे बर्तन आदि की नियमित सफाई की जाए ताकि मच्छर ना पनप सकें। मच्छर जनित बीमारियों को रोकन के लिए यह कवायद जरूरी है। ताकि मौसमी बीमारियां ना फैल सके व घर के अंदर रखे पानी के स्त्रोतों को साफ रखें। अभिषेक शर्मा ने बताया कि एडिज मच्छर साफ पानी में, खासकर घरों में पनपते हैं। इसलिए इसमें आमजन को भी अपनी भागीदारी निभानी होगी और नियमित रूप से मच्छरो का खात्मा करने के लिए इस तरह की गतिविधयां करनी होंगी। बताया की मलेरिया के लक्षण बुखार आना, सर्दी लगना, सिरदर्द होना, बदन दर्द होना, उल्टी होना। डेंगू के लक्षण-बुखार आना, लाल चकते होना, कमर सिर दर्द व आंखों में दर्द, मांसपेशियों मे दर्द, जोडों में दर्द आदि की शिकायत होने पर चिकित्सक से संपर्क करें।

फुलेरा में जगह-जगह फहराया तिरंगा

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में सोमवार को आजादी का अमृत महोत्सव 76 वां स्वतंत्रता दिवस बडे धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थानों पर तिरंगा फहराया गया। नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी शिकेश कांकरिया ने बताया कि कस्बे की न्यू कॉलोनी के निकट स्थित स्कूल खेल मैदान पर नगर पालिका मण्डल के तत्वावधान एवं पालिकाध्यक्षा संगीता अग्रवाल की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत के द्वारा ध्वजारोहण किया। इसी प्रकार राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या नविता वर्मा के द्वारा, फुलेरा पुलिस थाने पर थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड के द्वारा, दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा कार्यालय पर अध्यक्ष अशोक वासदेव व मुख्य अतिथि फुलेरा जीआरपी थानाधिकारी भंवरराम गोठन, विधायक निवास पर विधायक निर्मल कुमावत एवं कांग्रेस कार्यालय पर जन सेवक नेता विद्याधर सिंह चौधरी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसी प्रकार भूतपूर्व सैनिक कमेटी के अध्यक्ष मनोज कुलहरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा शहीद सैनिक स्मारकों(प्रतिमा) पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित करते हुए स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

समारोह के लिए गणेश निमंत्रण दिया

मालपुरा, (निसं)। विप्र फाउण्डेशन शाखा मालपुरा द्वारा 4 सितम्बर को कोमल पैराडाईज मालपुरा में आयोजित तहसील स्तरीय विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह के निर्विघन आयोजन को लेकर बुधवार को माणक चौक बाजार मे विघ्न हरण गणेश महाराज को प्रथम निमंत्रण दिया। पंडित राजाराम शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजा करा गणेशजी को विप्र फाउण्डेशन का निमंत्रण पत्रिका पढकर सुनाई। इस दौरान विप्र फाउण्डेशन के तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपल्वा, कार्यक्रम संयोजक भगवान सहाय शर्मा, रामावतार गोवला, घनश्याम गोवला, चिरंजीलाल व्यास, एडवोकेट राजेन्द्र तिवाडी, प्रमोद गौतम, अमरचन्द काच्छवाल, हरी शर्मा, नरसी शर्मा, बुद्धिप्रकाश गोवला,सीताराम शर्मा, योगेश गोवला, रविशंकर गौतम, रामबाबू शर्मा, रामजीलाल चिन्दोला, रमाकांत पटेल, सुभाष गालव, मणिशंकर रूथला, भानू गोवला,ओमप्रकाश पारीक, चंद्रप्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश बील, प्रहलाद चिन्दोला सहित बडी संख्या मे विप्रजन मौजूद रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

बहरोड/नीमराना, (निसं)। बहरोड कस्बे में कार्यालय सहायक कमांडेंट बी कंपनी सातवीं बटालियन आरएसी बहरोड कार्यालय के मुख्यालय पर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव पर कंपनी के मुख्यालय बहरोड अस्पताल परिसर, पुलिस चौकी पर सहायक कमांडेंट देशराज कुलदीप द्वारा ध्वजारोहण किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर से सलामी दी गई। इसमें हेड कांस्टेबल सूरजमल, कांस्टेबल राजेंद्र, कांस्टेबल धर्मेंद्र कांस्टेबल सौरव कांस्टेबल कपिल कांस्टेबल मुकेश द्वारा राष्ट्रीय सलामी दी गई। वहीं कार्यालय थानाधिकारी विद्युत चोरी निरोधक पुलिस थाना बहरोड स्थित कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया।

कॉलेज में विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

किशनगढबास, (निसं)। सिंगल यूज़ प्लास्टिक बेन के लिए आमजन को जागरूक करने व यूज़ में नहीं किए जाने के लिए कृषि महाविद्यालय बास कृपाल नगर मैं छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई गई।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 I फैक्स- +91 44 4564 4022
संपर्क नम्बर -9874702021 ई-मेल- abhishek.kumar30@idfcfirstbank.com

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निमाण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कॉलम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता (ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 06.00.2022 को "जहाँ है जैसी है" "जो कुछ है यह हैं" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर जैसा नीचे वर्णित है, कालम (i) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋण-ग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी। बिक्री की शर्तों व नियमों की विस्तृत जानकारी के लिये कृपया आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की वेबसाईट https://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC पर दिये गये लिंक को देखें।

क्र. सं.	(i) डिमांड नोटिस तिथि एवं राशि	(ii) नाम कर्जदार (रों) और सह-कर्जदार (रों)	(iii) सम्पत्ति का पता	(iv) आरक्षित मूल्य राशि	(v) ईएमडी राशि	(vi) ईएमडी तथा दस्तावेज जमा कराने का अंतिम समय व तिथि (ऑनलाइन) तब/पहले	(vii) नीलामी की तिथि व समय	(viii) सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय
1.	14.04.2021 को रुपये 6,24,604.16	1. श्री हिम्मत सिंह 2. मैसर्स निर्मल एंटरप्राइजेज वास्ते श्री हिम्मत सिंह 3. श्रीमती प्रकाश कंवर	अचल सम्पत्ति, फ्लैट नं. एफ-4, क्षेत्रफल 470 वर्गफिट, पहली मंजिल, प्लाट नं. जी-75, मंगलम सिटी एक्स, ग्राम हाथोज, कलवाड रोड, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमाये है-उत्तर-प्लाट नं. जी-74, दक्षिण-प्लाट नं. जी-76, पूर्व- प्लाट नं. जी-68, पश्चिम-रोड	रुपये 800000/-	रुपये 80000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
2.	23.06.2021 को रुपये 6,99,936.83	1. पवन सैनी 2. राजेन्द्र सैनी	प्लाट नं. 150, स्कीम गोकुल गार्डन सिटी, ग्राम किशोरपुरा और पनवालिया, डिग्गी रोड, तहसील सांगानेर, जयपुर	रुपये 280000/-	रुपये 28000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
3.	14.04.2021 को रुपये 1063057.23	1. श्री रामबलि मंडल 2. श्रीमती निर्मला देवी	यूनिट नं. एस-3, क्षेत्रफल 747.98 वर्गफिट, दूसरी मंजिल, "तिरूपति एनक्लेव-7", प्लाट नं. सी-115, रायल सिटी, ब्लाक-सी, ग्राम माचवा, कलवाड रोड, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-रोड 40' फिट चौड़ी, पश्चिम-अन्य प्लाट, उत्तर-प्लाट नं. सी-114, दक्षिण-प्लाट नं. सी-116	रुपये 1212000/-	रुपये 121200/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
4.	15.04.2021 को रुपये 856210.95	1. श्री नितिन कायथ 2. मैसर्स बैराला ग्रुप, वास्ते श्री नितिन कायथ, श्रीमती माधवी परमार	अचल सम्पत्ति, प्लाट नं. 289, गोकुल गार्डन सिटी स्कीम, ग्राम केशोपुरा पनवालिया, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 134.44 वर्गगज, और सीमायें है-उत्तर-प्लाट नं. 264, दक्षिण-रोड 30 फिट, पूर्व-प्लाट नं. 288, पश्चिम-प्लाट नं. 290	रुपये 350000/-	रुपये 35000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
5.	23.07.2021 को रुपये 2130873.76	1. श्रीमती अर्चना जौहरी 2. श्री सुशील कुमार जौहरी	प्लाट नं. 405, क्षेत्रफल 142.03 वर्गगज, रायल रेजीडेन्सी-1, ग्राम सारंगपुरा बड के बालाजी, अजमेर रोड, तहसील सांगानेर, जयपुर, राजस्थान-302021 का पूरा व प्रत्येक भाग और सीमाये निम्न है-पूर्व-प्लाट नं. 406, पश्चिम-30 फिट रोड	रुपये 1500000/-	रुपये 150000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
6.	08.04.2021 को रुपये 1594148.15	1. कृष्ण कुमार 2. बबीता कृष्ण	बंधक रखी सम्पत्ति का विवरण-प्लाट नं. 391, क्षेत्रफल 111.11 वर्गगज, रायल रेजीडन्सी, फेज-1, ग्राम सारंगपुरा एवं रामचन्द्रपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमाये निम्न है-उत्तर-पूर्व प्लाट नं. 390, रोड 30', दक्षिण-प्लाट नं. 392, पश्चिम-प्लाट नं. 384	रुपये 1162000/-	रुपये 116200/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
7.	14.04.2021 को 1006066.46	1. मनीष शर्मा 2. सरिता शर्मा	यूनिट नं. जी-2, क्षेत्रफल 750.00 वर्गफिट, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं. एच-125, मंगलम सिटी विस्तार ब्लाक-एच, ग्राम निवारू एवं पीथावास हाथोज) कलवाड रोड, तहसील एवं जिला जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग और सीमायें है-पूर्व-रोड 30'-0" चौडी, पश्चिम-प्लाट नं. एच-95, उत्तर-प्लाट नं. एच-126, दक्षिण-प्लाट नं. एच-124	रुपये 700000/-	रुपये 70000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक
8.	08.04.2021 को रुपये 645665.59	1. श्री राजन कुमार 2. श्री विपुल सोनी	प्लाट नं. 204, गोकुल गार्डन सिटी, किशोरपुरा पनवालिया, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल करीब 111.11 वर्गगज, और सीमायें है-पूर्व-अन्य भूमि, पश्चिम-रोड 30 फिट, उत्तर-प्लाट नं. 203, दक्षिण-प्लाट नं. 205	रुपये 370000/-	रुपये 37000/-	05.09.2022	06.09.2022 प्रातः 11.00 से 1.00 तक	26.08.2022 प्रातः 11.00 से 3.00 तक

अस्वीकरण : कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिये जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियां बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक : 16-08-2022
स्थान : राजस्थान

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)

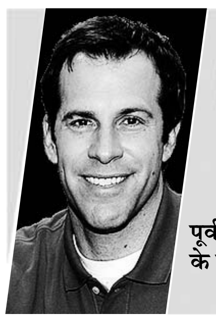

आप अगर टेनिस के बारे में कुछ नहीं जानते हों, पर आपको सेरेना विलियम्स के नाम के नाम का पता है। वह एक 'आइकन' है और हम अपने खेल के एक 'आइकन' को खोने वाले है, और उसकी कमी सच में खलेगी।

- ग्रेग रूडसकी

पूर्व टेनिस खिलाड़ी, सेरेना विलियम्स के के संन्यास की संभावना पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

मेग लैनिंग

ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग ने बुधवार को अनपेक्षित समाचार देते हुए कहा कि वह निजी कारणों से क्रिकेट से अनिश्चितकालीन विराम ले रही हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लैनिंग के फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी वापसी की कोई तारीख फिलहाल तय नहीं है। लैनिंग ने विराम की घोषणा करते हुए कहा, व्यस्तता से भरे दो सालों के बाद मैंने फैसला लिया है कि एक कदम पीछे लेकर अपने ऊपर ध्यान देने के लिये समय निकालूं। मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और अपने टीम के साथियों के समर्थन के लिये शुक्रगुज़ार हूं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओं से दो गेंदबाजों को वनडे में हैट्रिक बनाने का श्रेय हासिल है। चेतन शर्मा ने 1997 में न्यूजीलैंड में तथा कपिल देव ने (1991) में श्रीलंका के विरुद्ध यह उपलब्धि हासिल की।

वाडा के परिचालन अधिकारी फ्रेडरिक डोंजे का निधन

मॉन्ट्रियल, 17 अगस्त। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) फ्रेडरिक डोंजे का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया है। वाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी हैं। डोंजे 50 वर्ष के थे।

वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा, यह उन सभी के लिए एक अविश्वसनीय रूप से दुखद समय है जो फ्रेडरिक डोंज को जानते थे। मुझे यकीन है कि वैश्विक डोपिंग रोधी समुदाय इस दुखद समय में फ्रेड के परिवार के प्रति हमारी सबसे ईमानदार संवेदना व्यक्त करने में वाडा के साथ शामिल है। उन्होंने कहा, डोंजे एजेंसी के अभिन्न अंग थे। डोपिंग रोधी और सामान्य रूप से खेल के सभी पहलुओं के बारे में उनका ज्ञान, एथलीटों के लिए वास्तविक परिणाम देने वाला उनका जुनून और संचालन, उनके जाने से हमारे संगठन में गैप पैदा हो गया है।

उन्होंने कहा, डोपिंग रोधी में उनके योगदान के अलावा उनकी मानवता, हस्मुख और मिलनसार स्वभाव के लिए हम सभी उन्हें सबसे अधिक याद करेंगे। डोंज़े वर्ष 2002 में मीडिया रिलेशंस एंड कम्युनिकेशंस मैनेजर के रूप में वाडा में शामिल हुए। उन्हें वर्ष 2011 में लुसाने में वाडा के यूरोप कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय संघ संबंधों के निदेशक बनाया गया। तथा 2016 में वह वाडा सीओओ नियुक्त किये गये।

केन्द्र सरकार प्रतिबंधित मामले को फीफा के साथ अच्छे से उठाये : सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे

नयी दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह भारतीय फुटबॉल को प्रतिबंधित करने के मामले में खेल के वैश्विक नियमन फीफा के साथ अच्छे तरीके से उठाये और यह सुनिश्चित करे कि अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेज़बानी का मौका भारत के हाथ से न छूटे।

गौरतलब है कि भारतीय फुटबॉल से जुड़े संगठनों के विवाद के बीच फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को 14 अगस्त, 2022 से निलंबित कर दिया है।

एआईएफएफ के मामले की सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति जमशेद बुरजोर पारदीवाला की पीठ ने बुधवार को इस मामले को सुलझाने के लिए केन्द्र सरकार को फीफा के साथ 'सक्रियता के साथ बातचीत' करने का कहा।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध के अनुसार एआईएफएफ से संबंधित मामले में सुनवाई अगली तारीख के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले आज जब मामले की सुनवाई शुरू हुई तो भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को अवगत कराया कि केंद्र सरकार ने फीफा के सामने निलंबन का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि 'स्थिति पहले से बेहतर हुई है' और उन्होंने इस मामले में और जानकारी देने के लिए अदालत से अगले सोमवार तक का समय मांगा। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई सोमवार, 22 अगस्त को मुकर्रर की है।

उल्लेखनीय है कि फीफा ने 'तीसरे पक्ष' के अनुचित हस्तक्षेप का हवाला देते हुए एआईएफएफ को 15 अगस्त को निलंबित कर दिया है। इसके फलस्वरूप भारत से फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी भी छिन गयी है यह टूर्नामेंट भारत में अक्टूबर 2022 में कराया जाना था। फीफा ने 16 अगस्त को जारी एक बयान में कहा कि भारतीय फुटबॉल के मामले में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप खत्म होने और प्रशासकों की समिति की नियुक्ति के आदेश के निरस्त होने के बाद तथा एआईएफएफ के रोजमर्रा के कार्य उसकी कार्यकारी समिति के हाथों में जाने के बाद निलंबन का आदेश हटाया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट शृंखलाएं खेलेगा भारत

मुंबई, 17 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को 2023-27 की अवधि के लिये पुरुषों के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की जिसके तहत भारत आगामी चार सालों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो-दो टेस्ट श्रृंखलाएं खेलेगा।

आईसीसी द्वारा जारी होने वाला एफटीपी एक निश्चित समयावधि के दौरान होने वाले तीनों प्रारूपों के मुकाबलों की पुष्टि करता है, जबकि टीमें अपनी सहूलत के अनुसार इन मुकाबलों की तिथियां सुनिश्चित कर सकती हैं। भारत अगले चक्र में अपने अभियान की शुरुआत जुलाई 2023 में वेस्ट इंडीज़ दौरे से करेगा। सीमित ओवर शृंखला में ऑस्ट्रेलिया की मेज़बानी करने के बाद भारतीय टीम दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका जाएगी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-21 में दूसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम इस चक्र में अपनी पहली पांच टेस्ट मैचों की शृंखला इंग्लैंड के खिलाफ जनवरी 2024 में खेलेगी। इसके अलावा भारत ऑस्ट्रेलिया में (नवंबर-जनवरी 2025), इंग्लैंड में (जून 2025) और घर पर (जनवरी-फरवरी 2027) ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में हिस्सा लेगा। जून 2018 में बेंगलुरू में टेस्ट में पदार्पण करने वाली अफगानिस्तान टीम 2026 में एक बार फिर भारत में अपना एकलौता टेस्ट मैच खेलेगी।

आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, "अगले चार वर्षों के लिए इस एफ़टीपी को बनाने में किए गए प्रयासों के लिए मैं अपने सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारे पास खेल के तीन जीवंत प्रारूप हैं। आईसीसी वैश्विक कार्यक्रमों और मजबूत द्विपक्षीय और घरेलू क्रिकेट के उत्कृष्ट कार्यक्रम के साथ और यह एफ़टीपी हर तरह के क्रिकेट को फलने-फूलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।"

युवा भारत के सामने नये ज़िम्बाब्वे की चुनौती

हरारे, 17 अगस्त। युवा प्रतिभाओं से भरपूर भारतीय टीम गुरुवार को एक ऐसी ज़िम्बाब्वे से मुकाबला करने उतरेगी जिसने पिछले कुछ समय में अपेक्षाओं के विपरीत शानदार प्रदर्शन किया है।

ज़िम्बाब्वे एक कमज़ोर टीम मानी जाती है, लेकिन इस साल उसने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया, और फिर बांग्लादेश को टी20 (2-1) और एकदिवसीय शृंखला (2-1) में पटखनी दी।

बांग्लादेश के खिलाफ खेली गयी शृंखला में ज़िम्बाब्वे को सिकंदर रज़ा और रायन बर्ल जैसे कई मैचविनर मिले। रज़ा ने इस साल खेले गये नौ एकदिवसीय मुकाबलों में दो शतक और दो अद्धर्शतक बनाए हैं।

दूसरी ओर, भारतीय टीम में केएल राहुल लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं और एशिया कप की तैयारी के मद्देनज़र यह शृंखला उनके लिये बेहद महत्वपूर्ण है। वह आखिरी बार मई 2022 में हुए आईपीएल एलिमिनेटर के लिये मैदान पर उतरे थे। शुभमन गिल और शिखर धवन वेस्ट इंडीज़ दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए ज़िम्बाब्वे आ रहे हैं जहां वे अपनी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे।

भारत अब पूरी तरह से अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में जुट गया है, जो उनके टीम चयन में भी साफ ज़ाहिर है।

ज़िम्बाब्वे में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये भी टीम में कई युवा टी20 विशेषज्ञों को शामिल किया गया है, जो ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में जगह बनाने के लिये अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे।

इन खिलाड़ियों में सबसे पहला नाम दीपक चहर का है जो राहुल की तरह ही चोटिल होकर टीम से बाहर थे। राहुल त्रिपाठी और शाहबाज़ अहमद भी इस शृंखला में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर सकते हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल में

- **ज़िम्बाब्वे ने 2016 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया है वहीं बांग्लादेश को पटखनी दी है**

अपना लोहा मनवा चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिले अवसर को पूरी तरह भुनाना चाहेंगे।

सीरीज़ के तीनों मैच हरारे की पिच पर खेले जाएंगे जो बल्लेबाजों की हितैषी मानी जाती है। भारत ने 2013 से इस मैदान में नौ मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है, हालांकि ज़िम्बाब्वे को इस बार कम आंकना सही नहीं होगा और धवन भी इस बात को स्वीकार चुके हैं।

उपकप्तान धवन ने मंगलवार की संवाददाता सम्मेलन में कहा था, "उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की है। वे अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और यह हमारे लिये अच्छी बात है। हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते।"

राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं रसेल

लंदन, 17 अगस्त। वेस्ट इंडीज़ के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिये राष्ट्रीय टीम में वापसी की मंशा जताई है।

उल्लेखनीय है कि रसेल पिछले साल यूएई में हुए टी20 विश्व कप 2020 के बाद से टीम से बाहर हैं, हालांकि अपने हमवतन और पूर्व क्रिकेटर डैरेन सैमी से स्काई स्पोर्ट्स पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिये एक और विश्व कप जीतने की इच्छा रखते हैं।

रसेल ने कहा, "मैं हमेशा खेलना और टीम का कर्ज चुकाना चाहता हूं, लेकिन अगर हम कुछ शर्तों पर राजी नहीं हैं... उन्हें भी मेरी कुछ शर्तों का सम्मान करना चाहिये। अंततः, जो है सो है।" उन्होंने कहा, "हमारे परिवार भी हैं, और हमें यह सुनिश्चित करना होता है कि हम अपने एकलौते करियर को सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करें। ऐसा नहीं है कि मैं दोबारा अपने करियर की शुरुआत कर सकता हूं। मेरी उम्र 34 साल है और मैं वेस्ट इंडीज के लिये एक या दो और विश्व कप जीतना चाहता हूं।"

रसेल अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 67 टी20 खेल चुके हैं और वेस्ट इंडीज़ की दोनों टी20 विश्व कप जीतों (2016, 2021) में टीम का हिस्सा रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम का हिस्सा बनने के लिये भी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, "मरून (वेस्ट इंडीज़ की जर्सी का रंग) पूरी तरह छाया हुआ है। सच कहूं तो मैंने फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में दो शतक बनाए हैं और मेरी इच्छा है कि दोनों शतक वेस्ट इंडीज के लिये बने होते। मुझे यह कहने पर अफसोस नहीं है। मुझे जमैका तलावाज़ के लिये खेलना अच्छा लगा, लेकिन वे दो शतक अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने होते तो और भी खास होते।"

रसेल इस समय इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके बाद वह कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स का हिस्सा बनेंगे। वेस्ट इंडीज के दिग्गज क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेनेस ने यह सुझाव दिया था कि यदि कोई खिलाड़ी सीपीएल में अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह टी20 विश्व कप की टीम में शामिल हो सकता है। उन्होंने हालिया बयान

में कहा था, "अगर वेस्ट इंडीज को प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है और कोई खिलाड़ी अच्छा खेल रहा है, तो मुझे लगता है कि उसका नाम चयन के लिये ऊपर आना चाहिये।"

पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित खिलाड़ियों का चयन

जालंधर, 17 अगस्त। गुजरात में होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने बुधवार को बताया कि 30 सितंबर से सात अक्टूबर तक राजकोट (गुजरात) में शुरू होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के चयन हेतु बलदेव सिंह (द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित), ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी, सुखजीत कौर (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) और कोच अमरजीत सिंह की चयन समिति ने 30 संभावित हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया है। इस टीम में गुरजीत कौर, सियामी (दोनों ओलंपियन), योगिता बाली, नवप्रीत कौर, राजविंदर कौर, बलजीत कौर, जसप्रीत कौर, रणसनप्रीत कौर, हरदीप कौर, रितु रानी, गगन, प्रियंका, रोन्सेलीन रिलेटा, रिंट (सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी), सिमरन चोपड़ा, जसदीप कौर, कमलप्रीत कौर, ज्योतिका, किरणदीप कौर (सीनियर), नवजोत कौर, किरणदीप कौर (जूनियर), महिमा, काजल, अमरदीप कौर, सिमरन सैनी, प्रियंका (जूनियर), तरणप्रीत कौर, शालू, सोनी और रीना (सभी राष्ट्रीय खिलाड़ी) का नाम शामिल है।

शम्मी ने कहा कि इन 30 संभावित खिलाड़ियों के लिए पांच से 25 सितंबर तक अमृतसर के गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी एस्ट्रोटर्फ हॉकी ठाउंड में कोचिंग कैंप का आयोजन किया जाएगा।

चंद्रकांत पंडित बने केकेआर के नये मुख्य कोच

कोलकाता, 17 अगस्त। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइज़ी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मध्य प्रदेश को पहला रणजी खिताब जिताने वाले पूर्व क्रिकेटर चंद्रकांत पंडित को मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह टीम के पूर्व कोच ब्रैंडन मैकुलम की जगह लेंगे। ब्रैंडन मैकुलम अब इंग्लैड टेस्ट टीम के कोच बन गए हैं। मैकुलम ने आईपीएल 2022 के बाद टीम से हटने का फैसला किया था। अनुभवी कोच होने के बावजूद चंद्रकांत ने पहले कभी किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ काम नहीं किया। वह केकेआर के मुख्य कोच की भूमिका निभायेंगे।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने चंद्रकांत पंडित को कोच बनाए जाने पर कहा, हम बहुत उत्साहित हैं कि चंदू हमारी यात्रा के अगले चरण में हमारा नेतृत्व करने के लिए नाइट राइडर्स परिवार में शामिल हो रहे हैं। वह जो करता है उसके प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता और घरेलू क्रिकेट में सफलता का उसका ट्रैक रिकॉर्ड सभी के सामने है। हम अपने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ उनकी साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं, जो एक रोमांचक होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि चंद्रकांत की

अगुवाई में मध्य प्रदेश ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी 2022 जीती है, जो इतिहास में उनका पहला रणजी खिताब है। चंद्रकांत पंडित ने नई चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा, यह जिम्मेदारी दिए जाने के लिए यह एक बड़ा सम्मान और सौभाग्य की बात है। जो नाइट राइडर्स से जुड़े रहे हैं मैंने खिलाड़ियों और अन्य लोगों से पारिवारिक संस्कृति के बारे में साथ ही सफलता की परंपरा जो बनाई गई है उसके बारे में सुना है।

उन्होंने आगे कहा, मैं सहयोगी स्टाफ और सेट अप का हिस्सा रहे खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर उत्साहित हूं और मैं पूरी विनम्रता और सकारात्मक उम्मीदों के साथ इस अवसर को देख रहा हूं।

गोकुलम एफसी ने ताशकंद में फंसी महिला फुटबॉल टीम के लिये प्रधानमंत्री कार्यालय से मदद मांगी

नयी दिल्ली, 17 अगस्त। श्री गोकुलम केरल एफसी ने उज़्बेकिस्तान के ताशकंद प्रांत में फंसी 23 सदस्यीय महिला फुटबॉल टीम की मदद के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

श्री गोकुलम केरल एफसी की महिला टीम एएफसी महिला क्लब

चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये उज़्बेकिस्तान पहुंची थी, लेकिन फीफा द्वारा अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के निलंबन के बाद उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

केरल के फुटबॉल क्लब ने बुधवार को ट्वीट किया, "हमारी टीम 16 अगस्त 2022 की तड़के कोझीकोड से ताशकंद, उज़्बेकिस्तान पहुंची। आगमन पर हमने विभिन्न मीडिया आउटलेट्स के माध्यम से सुना कि फीफा ने एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) पर प्रतिबंध लगा दिया है और क्लब अब अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में निलंबन हटाए जाने तक भाग लेने के हकदार नहीं हैं।"

- **टीम एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये उजबेकिस्तान पहुंची थी**
- **लेकिन भारतीय फुटबॉल महासंघ के निलंबन के बाद उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है**

क्लब ने इस साल आई-लीग और भारतीय महिला लीग में जीत हासिल करके 23 अगस्त से शुरू होने वाली महिला क्लब चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था।

23 खिलाड़ियों की टीम को 26 अगस्त को बम खातून एफसी से खेलना था, लेकिन वह प्रतिबंध के बाद प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएगी।

गोकुलम एफसी ने कहा, "एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने 16 अगस्त, 2022 को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को एक पत्र भेजा जिसमें कहा गया था कि हमारा क्लब अब एएफसी महिला क्लब प्रतियोगिता 2022 में भाग लेने के योग्य नहीं है। एआईएफएफ ने यह अनुमान लगाते हुए कि फीफा द्वारा एक दो दिनों के भीतर प्रतिबंध हटा लिया जाएगा, हमारे क्लब को कोई मेल या पत्र नहीं भेजा है।"

उन्होंने कहा, "इसके मद्देनज़र हम प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप करने, फीफा प्रतिबंध को रद्द करने और हमें एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप में भारत के चैंपियन क्लब के रूप में शामिल करने के लिए सभी प्रयास करने का अनुरोध करते हैं।"

उल्लेखनीय है कि फीफा ने "तीसरे पक्ष के अनावश्यक हस्तक्षेप" का हवाला देते हुए एआईएफएफ को निलंबित कर दिया था।

फीफा ने कहा कि प्रशासकों की समिति (सीओए) की नियुक्ति के निर्णय को निरस्त करने और एआईएफएफ के रोजमर्रा के कामों की जिम्मेदारी महासंघ की कार्यकारी समिति के हाथों में आने के बाद प्रतिबंध हटा लिया जाएगा।

आईसीसी ने अमिताभ चौधरी के निधन पर जताया शोक

दुबई, 17 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व प्रशासक और आईसीसी निदेशक अमिताभ चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

पूर्व क्रिकेट प्रशासक एवं भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी चौधरी का मंगलवार सुबह रांची के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 58 वर्ष के थे।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, अमिताभ चौधरी के निधन का समाचार सुनकर दुख हुआ। आईसीसी की ओर से मैं बीसीसीआई में अपने सहयोगियों के साथ-साथ उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

सूत्रों के अनुसार, चौधरी जब सुबह अपने घर के लॉन में टहल रहे थे तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और वह अचानक गिर गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूर्व आईपीएस चौधरी 2002 में बीसीसीआई के सदस्य बने। वर्ष 2005 में उन्होंने तत्कालीन उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो को हराया और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने।

उन्होंने 2005-2009 तक टीम इंडिया के मैनेजर के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने बीसीसीआई के कार्यवाहक सचिव के रूप में भी अपनी सेवा दी। इसके बाद उन्होंने 2013 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली और राजनीति में आ गए।

चौधरी ने जेवीएम के उम्मीदवार के रूप में रांची सीट से संसदीय चुनाव लड़ा था लेकिन वह हार गए थे।

उन्होंने झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवा दी और हाल ही में अपना कार्यकाल पूरा किया था। अमिताभ चौधरी मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे और उन्होंने 1985 में आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग की थी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वह भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुए थे।

बेंगलुरु ने जीत के साथ डूरंड कप की शुरुआत की

गुवाहाटी, 17 अगस्त। बेंगलुरु एफसी ने बुधवार को जमशेदपुर एफसी को 2-1 से मात देकर अपने डूरंड कप अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। बेंगलुरू के लिये सुनील छेत्री (23) और रॉय कृष्णा (56) ने एक-एक गोल किया, जबकि जमशेदपुर का एकलौता गोल ऋषि (61) ने किया। बेंगलुरु ने मज़बूत शुरुआत करते हुए पहले हाफ में कई मौके बनाये। 12वें मिनट में दानिश फारूक और उदांता ने गोल के प्रयास किये जिन्हें मोहित ने रोक लिया, लेकिन 23वें मिनट में छेत्री ने सफलतापूर्वक बेंगलुरु का पहला गोल किया। पहले हाफ में जहां सुनील ने गोल से टीम को बढ़ त दिलायी, वहीं दूसरे हाफ में उन्होंने रॉय के साथ असिस्ट किया। मैच के 56वें मिनट में सुनील ने बेंगलुरु के लिये पदार्पण कर रहे रॉय को पास दिया। रॉय ने गेंद को गोल में पहुंचाते हुए बेंगलुरु की बढ़ त को दोगुना कर दिया। जमशेदपुर की ओर से ऋषि ने 61वें मिनट में गोल करते हुए टीम को मैच में वापस लाना चाहा, लेकिन बेंगलुरु ने आक्रामकर रवैया अपनाए रखा और प्रतिद्वंदियों को कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ बेंगलुरु ने डूरंड कप में तीन पॉइंट हासिल कर लिये हैं।

अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप: भारतीय कुश्ती टीम ने जीते चार कांस्य

सोफिया (बुल्गारिया), 17 अगस्त। भारतीय पुरष फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत का लोहा मनवाते हुए चार कांस्य पदक जीत लिये।

अभिषेक ढाका ने मंगलवार को 57 किग्रा में कज़ाकस्तान के मेरे बज़रबायेव से क्वार्टरफाइनल मुकाबला हारने के बाद रेपचेज की बाधा को पार करते हुए कांस्य पदक जीता।

ढाका ने रेपचेज बाउट में यूनान के एंड्रेयास पारोसिडिस को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 12-2 से हराया, जबकि कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने यूक्रेन के हेओरी कज़नज़ी को 8-5 से मात दी।

पिछले महीने ट्यूनीशिया में सीनियर ज़ौहैर शघेयर रैंकिंग सीरीज़ में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में यूक्रेन के मायकीता जुबल को तकनीकी श्रेष्ठता से 12-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने क्वार्टरफाइनल तक अपने सभी तीन मुकाबले बिना एक अंक गंवाए जीते, लेकिन सेमीफाइनल में अजरबैजान के जिराद्दीन बायरामोव से 6-2 से हार गए।

70 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में मुलायम यादव अजरबैजान के कानन हेबातोव से 5-3 से हार गए, लेकिन कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने गिगी कुरखुली जॉर्जिया को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी।

साथ ही नीरज ने 97 किग्रा में कांसे का तमगा जीतने के लिये जॉर्जिया के लुका खुचुआ के खिलाफ 18-10 की शानदार जीत दर्ज की।

दीपक (79 किग्रा) और जॉइंटी कुमार (85 किग्रा) क्वालीफिकेशन राउंड में बाहर हो गए, जबकि आकाश (92 किग्रा) राउंड ऑफ-16 में हार गए।

यूपी सेंट्रल जोन ताइक्वाण्डो चैंपियनशिप 19 अगस्त से

लखनऊ 17 अगस्त। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 19 से 21 अगस्त के बीच खेली जाने वाली प्रथम यूपी सेंट्रल जोन ताइक्वाण्डो चैंपियनशिप में 18 जिलों के करीब 700 खिलाड़ी पदकों पर दावेदारी करने के लिए प्रतिस्पर्धा में उतरेंगे।

उत्तर प्रदेश ताइक्वाण्डो संघ के तत्वावधान में लखनऊ जिला ताइक्वाण्डो संघ चौक स्टेडियम में चैंपियनशिप का आयोजन करेगा। यूपी ताइक्वाण्डो संघ के अध्यक्ष सलिल सिंह टीटू ने बताया कि चैंपियनशिप में क्यूरगी व पूमसे के विभिन्न वर्गों में मुकाबले होंगे जिसमें सीनियर, कैडेट, सब जूनियर व जूनियर आयु वर्ग में क्यूरगी व पूमसे वर्ग में दांव पर लगे 89 स्वर्ण, 89 रजत व 178 कांस्य पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा होगी।

चैंपियनशिप का औपचारिक उद्घाटन 20 अगस्त को किया जाएगा जबकि 19 अगस्त को टीम रजिस्ट्रेशन व खिलाड़यों का भार होगा।

प्रदेश ताइक्वाण्डो संघ के सचिव व लखनऊ जिला ताइक्वाण्डो संघ के अध्यक्ष चंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि चैंपियनाशिप में बालक व बालिकाओं में कैडेट आयु वर्ग में 10-10, जूनियर वर्ग में 10-10, सब जूनियर वर्ग के 12-12 और सीनियर वर्ग के 8-8 भार वर्गो सहित 80 भार वर्ग और पूमसे में नौ वर्गो के मुकाबले होंगे।

लखनऊ जिला ताइक्वाण्डो संघ के सचिव व आयोजन सचिव सुभाष मौर्या ने बताया कि चैंपियनशिप में सेंट्रल जोन के अंतर्गत आने वाले 18 जिलों जैसे रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, बाराबंकी, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, फर्रुखाबाद, कन्नौज,अयोध्या, लखीमपुर खीरी, बरेली, सुल्तानपुर, फतेहपुर, बलरामपुर के लगभग 700 खिलाड़ी व अधिकारी भाग लेंगे।

गत कुछ हफ्तों में दक्षिण जापान के शहर यामागूची में बंदरों का एक झुण्ड कम से कम 50 लोगों पर हमला कर चुका है, हालांकि, किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। अधिकारियों का कहना है कि बंदर अधिकतर बच्चों और महिलाओं को लक्ष्य बना रहे हैं, परंतु वृद्धों पर हमले की घटनाएं भी सामने आई हैं। शहर के एक अधिकारी, मासातो साइतो ने कहा, ''ये बंदर बहुत चतुर हैं, चुपचाप पीछे से आकर टांगें पकड़ लेते हैं। मैंने पूरे जीवन में ऐसा कुछ नहीं देखा है।'' जैपनीज़ मकाक, जिन्हें स्नो मंकीज़ भी कहते हैं, सर्दी के दिनों में हॉट स्प्रिंग्स में नहाने के लिए जाने जाते हैं। ये बंदर 20-30 के समूह में रहते हैं, लेकिन कभी-कभी एक गुट में सौ बंदर भी देखे गए हैं। एक समय ये बंदर जापान में संकटग्रस्त थे, लेकिन अब इनकी आबादी बढ़ी है और इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर ने इन्हें ''कम चिन्ताजनक'' वर्ग में सूचिबद्ध किया है। इन जानवरों की उम्र 22 से 27 साल होती है। नर जैपनीज़ मकाक तकरीबन 25 पाउण्ड और मादा 18.5 पाउण्ड तक की होती है। कोबे युनिवर्सिटी में वाइल्डलाइफ मैनेजमैंट विशेषज्ञ, मेको कियोनो ने कहा, ''मकाक की आबादी बढ़ रही है लेकिन साथ ही साथ इनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं इसलिए मनुष्य और बंदर के बीच टकराव की घटनाएं बढ़ रही हैं।'' एडो काल (1603-1867) से ही जैपनीज़ मकाक मंकी मनुष्य के साथ मिलजुलकर रह रहे हैं। जापान पर्वतीय देश है और लोग पहाड़ों के पास रहते हैं जो इन बंदरों का भी घर है इसलिए गांवों और शहरों में इनका आना -जाना आसान है। बताया जा रहा है कि इन दिनों कुछ बंदर तो खिड़की -दरवाज़ों से मकानों में घुसकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। पिछले दिनों घर में सो रहे एक वृद्ध पर बंदरों ने हमला किया। बंदरों को पकड़ने के लिए जाल आदि लगाना असफल रहा है इसलिए अब ट्रैंकुलाइज़र्स की मदद से इन्हें पकड़ने की मुहिम शुरु की गई है।

'अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए दूसरे देशों में युद्ध करवाता है'

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाये

- **पुतिन ने कहा कि, अमेरिका ने यूक्रेन के मन में रूस के प्रति शत्रुता को प्रोत्साहित किया। उन्होंने ताईवान का भी जिक्र किया और कहा कि, अपने फायदे के लिए चीन और ताईवान में बैर पनपाया गया है।**

मॉस्को, 17 अगस्त। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के मन में रूस के प्रति शत्रुता को प्रोत्साहित किया, अमेरिका अपने वर्चस्व के लिए इस तरह से झगड़े करा रहा है।

पुतिन ने ताइवान का भी जिक्र किया। कहा कि जल्द ही अमेरिका का एकाधिकार खत्म होगा। रूस ने यूक्रेन में रासायनिक और परमाणु हमले के दावों का भी खंडन किया और कहा कि यह पश्चिमी देशों द्वारा फैलाया जा रहा है बेतुका प्रोपेगेंडा है।

अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के सैन्य अधिकारियों के एक सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने लंबे समय से किए जा रहे दावे की पुष्टि की और कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को रूसी विरोधी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। इसलिए इसके जवाब में रूस को यूक्रेन में सेना भेजनी पड़ी।

पुतिन ने आरोप लगाया, अमेरिका को अपना आधिपत्य बनाए रखने के लिए संघर्ष की जरूरत है। इसीलिए अमेरिका ने यूक्रेन के लोगों को बलि के रूप में इस्तेमाल किया। यूक्रेन की स्थिति से पता चलता है कि अमेरिका संघर्ष को जारी रखने की कोशिश कर रहा है, और यह ठीक उसी तरह है जैसे अमेरिका एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में संघर्षों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बुधवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस बयान की चीन अत्यधिक सराहना करता है कि अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा 'सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उकसावा' था।

रूसी नेता के बयानों पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर राजनयिक ने कहा, चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा व्यक्त किये गये रुख की बहुत सराहना करता है। वांग ने कहा कि जब से पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया है 170 से अधिक देशों ने वन चाइना सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और अपनी राज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए बीजिंग के प्रयासों का समर्थन किया है।

वांग के अनुसार पुतिन की राय चीन और रूस के बीच उच्च स्तर के रणनीतिक सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है।

चीन ने द्वीप पर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के दौरे का बार-बार विरोध किया था क्योंकि वह ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और ताइपे के साथ किसी भी प्रत्यक्ष आधिकारिक विदेशी संपर्क का विरोध करता है।

अगस्त की शुरुआत में पेलोसी की द्वीप की यात्रा ने ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव का एक नया दौर शुरू कर दिया और ताइवान के खिलाफ चीनी प्रतिबंधों की एक लहर शुरू हो गयी। इसके अलावा बीजिंग ने द्वीप के आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें ताइवान के हवाई क्षेत्र के करीब लाइव-फायर ड्रिल और सैन्य विमान ओवरफ्लाइट शामिल थे।

चीनी राष्ट्रवादी पार्टी (कुओमिन्तांग) का गढ़ बनने के बाद ताइवान बीजिंग से अलग हो गया, जिसे 1949 में एक गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी से हार का सामना करना पड़ा। चीनी मुख्य भूमि और द्वीप ने 1980 के दशक के अंत में व्यापार और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किया।

कोटपूतली में नगर पालिका द्वारा तोड़ फोड़ की कार्यवाही कानूनी दलदल में फंसी

- **हाई कोर्ट में कोटपूतली नगर पालिका द्वारा अदालती आदेश के विरूद्ध तथा न्यायिक प्रक्रिया की अवहेलना करते हुए इमारतें ध्वस्त करने के संबंध में याचिकायें दायर।**
- **मानवाधिकार आयोग में भी याचिका दायर की गई है।**
- **हाई कोर्ट में दायर एक याचिका में मुख्य न्यायाधीश की खण्डपीठ से गुहार की गई है कि वह आदेश पारित करें कि अदालत ने नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने के नोटिस पर जो रोक लगाई थी, वह नगर पालिका में रहने वाले सभी लोगों के हित में दिया गया आदेश था, न केवल उन लोगों के हित में जिन्होंने अदालत में याचिका दायर की थी।**

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 17 अगस्त। राजस्थान हाई कोर्ट में इस माह की छः तारीख को कोटपूतली नगर पालिका द्वारा 68 इमारतों को भूमि अवाप्त करे बिना तथा न्यायिक प्रक्रिया की अवहेलना करते हुए, ध्वस्त करने से संबंधित नौ याचिकायें दायर की गई हैं। इन नौ मामलों के अलावा मानवाधिकार आयोग में भी मामला दायर किया गया है।

न्यायाधीश महेन्द्र गोयल की एकल पीठ के समक्ष दायर आठ मामलों में कई याचिकाकर्ता ऐसे हैं जिनका पट्टा रद्द करने के लिए नगर पालिका ने उन्हें ''म्युनिसपैलिटीज़ एक्ट'' की धारा 73 के तहत नोटिस जारी किया है। इसके अलावा इस एकल पीठ के समक्ष चार ऐसी याचिकायें भी हैं, जिनमें वे मकान या दुकान भी नगर पालिका ने ध्वस्त कर दिये, जिनके मालिक सात जनवरी को ही राजस्थान हाई कोर्ट से अपने पक्ष में स्थगन के आदेश लेकर आये थे। तब अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि नगर पालिका किसी भी मकान मालिक या दुकानदार की इमारत तब तक नहीं तोड़ सकती, जब तक कि उसे कानूनी प्रक्रिया के अनुसार अवाप्त नहीं कर लिया जाता और मकान मालिक या दुकानदार को मुआवजा या जमीन के बदले जमीन और मुआवजा न दिया गया हो। याचिकाकर्ता के वकील अर्चित बोरा का कहना है कि नगर पालिका ने हाई कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुये जमीन आवाप्त करने के लिए न तो न्यायिक प्रक्रिया अपनाई और न ही नोटिस जारी किये। गौरफरमाने योग्य है कि कोटपूतली के स्थानीय जिलाध्यक्ष ने मीडिया में बयान दिया है कि, उन्होंने ऐसी किसी भी दुकान या इमारत को ध्वस्त नहीं किया है जिसे अदालत से स्टे मिला है। जबकि चार याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्हें अदालत ने स्टे दिया था फिर भी नगर पालिका ने उनके भवन तोड़ दिए हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट में दायर नौ याचिकाओं में से एक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी की खण्ड पीठ के समक्ष लगी है। याचिकाकर्ता के वकील अर्चित बोरा ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट की खण्डपीठ में गुहार की है कि वह अपने आदेश में स्पष्ट करे कि नगर पालिका के अतिक्रमण हटाने के नोटिस पर अदालत ने जो स्थगन आदेश दिये थे, वह अदालत में याचिका दायर करने वाली पार्टियों के ही नहीं बल्कि नगर पालिका क्षेत्र में रह रहे सभी लोगों, व्यापारियों व भूखण्ड मालिकों के हित में दिए गए थे, अर्थात् यह स्थगन आदेश नगर पालिका पर पूरी तरह लागू होता है। गौरफरमाने योग्य है कि नगर पालिका अदालत में यह सिद्ध नहीं कर पायी कि जिन लोगों को नोटिस दिये गये थे, उनमें से किसी ने भी कोई भी अतिक्रमण किया था।

इस मामले को जानने वाले कई लोगों का कहना है कि प्रशासन व स्थानीय विधायक लोगों को उनकी भूमि से हटाकर, उक्त क्षेत्र से 10 से 15 किलोमीटर दूर पनियाला में पुनः स्थापित करना चाहती है, परन्तु नगर पालिका सभी स्थानीय लोगों को मुआवजा या भूमि नहीं देना चाहती। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका के अधिकारी मीडिया में बयान दे चुके हैं कि वह चार या पांच से ज्यादा लोगों की भूमि अवाप्त नहीं करेगी।

'क्या ये चुनावी वादे देश की इकॉनमी के लिए सही हैं?'

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, इस पर सदन में बहस व चर्चा होनी चाहिये, हम किसी राजनीतिक दल को चुनावी वादे करने से नहीं रोक सकते

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी लोकलुभावन वादों के खिलाफ दायर याचिका पर बुधवार को कहा कि वह राजनीतिक दलों को मतदाताओं से वादे करने से नहीं रोका सकता।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा कि वह राजनीतिक दलों को मतदाताओं से वादे करने पर रोक नहीं सकती लेकिन इस मुद्दे पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, पीने के पानी जैसी आवश्यक चीजों को जनता तक तक पहुंचाने को मुफ्त उपहार की श्रेणी में माना जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वास्तव में ये कुछ ऐसी योजनाएं हैं, जो नागरिकों के अधिकार हैं तथा उन्हें जीवन की गरिमा प्रदान करती हैं।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा कि यह मुद्दा 'तेजी से जटिल' होता जा रहा था और सवाल यह था कि सही वादे क्या हैं? पीठ ने कहा,हम राजनीतिक दलों को वादे करने से नहीं रोक सकते हैं। सवाल यह है कि बहस और चर्चा होनी चाहिए कि सही वादे क्या हैं। क्या हम मुफ्त शिक्षा के वादे, सत्ता की कुछ आवश्यक इकाइयों को मुफ्त के रूप में वर्णित कर सकते हैं?

मुख्य न्यायाधीश ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार मुहैया कराने वाली 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' जैसी योजना का भी हवाला दिया।

न्यायमूर्ति रमना ने संबंधित पक्षों से कहा, मनरेगा ऐसी योजना है, जो जीने की गरिमा देती हैं। मुझे नहीं लगता कि वादे केवल पार्टियों के चुने जाने का आधार हैं। कुछ वादे करते हैं और फिर भी वे नहीं चुने जाते। आप सभी अपनी राय दें और फिर विचार के बाद हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने राजनीतिक दलों द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में मुफ्त उपहारों के वादे पर प्रतिबंध लगाने या ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने की शीर्ष अदालत से लगाई है।

मोदी-शाह ने भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, को संसदीय बोर्ड में फिर से शामिल कर लिया गया है।

फड़णवीस चुनाव समिति में शामिल किये गये हैं। उन्हें यह तोहफा संभवतः इसलिये दिया गया है कि जब शिवसेना के विद्रोही नेता एकनाथ शिंदे के साथ, भाजपा महाराष्ट्र की सत्ता में आई थी, तो फड़णवीस पर उपमुख्यमंत्री का अपेक्षाकृत छोटा स्वीकार करने के लिये दबाब डाला गया था तथा उन्होंने पार्टी के आदेश का पालन किया था।

शिवराज सिंह संसदीय बोर्ड से बाहर कर दिये गये हैं। यह निर्णय एक ऐसे व्यक्ति के लिये निश्चित रूप से एक बड़ा धक्का है, जो 20 साल तक मुख्यमंत्री रहा है।

येदियुरप्पा को पिछले साल पार्टी की अंदरूनी लड़ाई तथा भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते, मुख्यमंत्री पद से त्याग पत्र देने के लिये बाध्य किया गया था। 77 वर्ष के हो जाने के कारण, वे पार्टी की 75 वर्ष की अलिखित आयु सीमा को पार कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि ये प्रभावशाली लिंगायत राजनेता कुछ दिनों से नाखुश थे तथा पार्टी उन्हें सान्त्वना देना चाहती थी ताकि अगले वर्ष होने वाले कर्नाटक के चुनावों में उनके सहयोग का लाभ सुनिश्चित हो सके। लिंगायत राजनैतिक रूप से एक ताकतवर समुदाय है जिसके कर्नाटक में करीब 18 प्रतिशत वोट हैं।

सर्बानन्द सोनोवाल, जो इस साल के शुरू में भाजपा के दोबारा सत्ता के बाद, हिमान्ता बिस्वा सरमा के लिये रास्ता छोड़ देने के लिये सहमत हो गये थे, को संसदीय बोर्ड तथा केन्द्रीय चुनाव समिति- दोनों में नामजद कर दिया गया है।

इस फेरबदल में केवल मोदी, शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा तथा पार्टी महासचिव बी.एल. संतोष अपने-अपने स्थान अटल एवं यथावत बने हुये हैं।

कुछ ठीक नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इकाई की एक अहम बैठक शुक्रवार को आहूत की जा रही हैं।

शायद पार्टी की चुनावी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए लिंगायत संप्रदाय के दबंग नेता एवं दक्षिण भारत में भाजपा को सत्ता में लाने वाले येदियुरप्पा को पुनः महत्व प्रदान करते हुए पार्टी की शीर्ष निर्णय मण्डल में लिया गया है, और चूंकि वह टिकट वितरण का भी निर्णय लेंगे, इसलिए इस कदम को उनके लिंगायत वोट बैंक पर भरोसा करने के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी वोट बैंक को लेकर लिंगायत मठों के दौरे करने शुरू किए थे। येदियुरप्पा ने विश्वास व्यक्त किया कि वह नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और अपनी जिम्मेदारी निभाकर अगले वर्ष होने जा रहे कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पार्टी की वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह दक्षिण भारत में पार्टी का प्रदर्शन सुधरवाने में मदद करें। लोकसभा में दक्षिण भारत के 130 सांसद हैं।

'हम रोहिंग्याओं को फ्लैट देकर दिल्ली में बसायेंगे'

- **केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस बयान पर चौतरफा विरोध के बाद केन्द्र सरकार बैकफुट पर आई।**

नई दिल्ली, 16 अगस्त। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों को बाहरी दिल्ली के बक्करवाला में अपार्टमेंट में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और उन्हें बुनियादी सुविधाएं और पुलिस सुरक्षा भी प्रदान की जाएगी। उनके इस बयान के बाद भारी बवाल मच गया। इसके बाद गृह मंत्रालय को इस मामले में स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा।

इस ट्वीट के बाद आम आदमी पार्टी तथा खुद भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता इसके विरोध में उतर आये और उन्होंने इसकी कड़ी आलोचना की। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और रोहिंग्याओं को आवास प्रदान करने के बजाय उन्हें वापस भेजने की व्यवस्था करने का आग्रह करते हैं।

बता दें, ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का निर्माण नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) द्वारा किया गया है और टिकरी सीमा के पास बक्करवाला इलाके में स्थित हैं। गृह मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राजधानी में अवैध रूप से रहने वाले रोहिंग्या समुदाय के लोगों को दिल्ली में फ्लैट नहीं दिये जायेंगे और उसने इस संबंध में किसी को कोई निर्देश नहीं दिया है।

मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मीडिया के एक वर्ग में इस तरह की खबर आ रही है कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों को राजधानी के बक्करवाला में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बनाये गये फ्लैट दिये जायेंगे।

दरअसल यह विवाद केन्द्रीय शहरी कार्य एवं आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के एक ट्वीट के बाद पैदा हुआ जिसमें कहा गया था कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों को बक्करवाला में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बनाये गये फ्लैट में स्थानांतिरत किया जायेगा।

इसके बाद गृह मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि सरकार ने इस संबंध में किसी को कोई निर्देश नहीं दिया है।

इंडियन ओलम्पिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये ओलिम्पियन तीन सदस्यों वाली उस प्रशासकीय समिति के सहायक होंगे, जिसके अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के एक पूर्व जज हैं। इनके अलावा, इस समिति में एक चुनाव आयुक्त तथा एक सरकारी नौकरशाह हैं। अन्तर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक कमेटी ने आई.ओ.ए. को सलाह दी है कि वह अपने चुनाव शीघ्र ही कराये अन्यथा इसे निलम्बित किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि संदर्भित चुनाव पिछले दिसम्बर में हो जाने चाहिये थे।

सरकार ने जूरिख-स्थित फुटबॉल की अन्तर्राष्ट्रीय समिति फीफा के साथ समझौता वार्ता शुरु कर दी है। इस पहल से एक दिन पूर्व, फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फैडरेशन को निलम्बित कर दिया था तथा महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप के आयोजन की अनुमति भी नहीं दी थी। उच्च न्यायालय ने आई.ओ.ए. के खिलाफ, उसके नेशनल स्पार्ट्स कोड के साथ तालमेल बिठाने में ''निरंतर अक्खड़पन'' के कारण, आदेश जारी कर दिये हैं।

न्यायालय ने कहा कि आई.ओ.ए. के लाइफटाइम प्रेसिडेन्ट जैसे पद नेशनल कोड के खिलाफ हैं तथा अदालत चाहती है कि वरिष्ठ अधिकारी अपने पद पर तीन कार्यकाल से ज्यादा नहीं रहें। अदालत यह भी चाहती है कि महिलाएं भी वरिष्ठ पदों पर नियुक्त की जायें तथा बोर्ड में लैंगिक समानता रहे। अदालत ने कहा, ''खेल प्रशासन केवल पुरुष के लिये आरक्षित नहीं है।''

'चुनाव लड़ना ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रीवास्तव और जस्टिस वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश लोकेन्द्र सिंह व अन्य की याचिकाओं पर दिए। वहीं एक अन्य छात्र नेता की याचिका पर एकलपीठ गुरुवार को सुनवाई करेगी।याचिकाओं राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ संविधान के प्रावधान को चुनौती देते हुए कहा गया कि छात्रसंघ चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम आयु 25 साल निर्धारित की गई है, जबकि पिछले दो साल से करोना के चलते चुनाव नहीं हुए हैं। इसलिए याचिकाकर्ता आयु सीमा को पार कर गए हैं। राज्य सरकार ने सरकारी सेवाओं में भी आवेदन के लिए आयु सीमा दो साल बढ़ाई है। ऐसे में चुनाव लड़ने के लिए भी आयु सीमा में दो साल की छूट दी जानी चाहिए। इस पर राज्य सरकार की ओर से एएजी विभूति भूषण शर्मा और विवि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए.के. शर्मा व रचित शर्मा ने बताया कि लिंगदोह कमेटी और छात्रसंघ संविधान के अनुसार चुनाव कराए जा रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का कोई मूल अधिकार प्रभावित नहीं हो रहा है। जिनका परीक्षा परिणाम नहीं आया है, उन्हें भी मताधिकार का अधिकार दिया गया है।

बिहार में कोई सशक्त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस समय त्वरित काम तो बिहार विधायिका के दोनों सदनों के लिये विपक्ष के नेता तथा, इससे साथ ही, उपनेताओं तथा एक मुख्य सचेतक का चयन करना है। भूपिन्दर यादव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल कर लिये जाने के बाद, भाजपा के पास पार्टी महासचिव एवं बिहार प्रभारी नहीं है। राज्य इकाई के अध्यक्ष पद के लिये भी पार्टी को एक नये चेहरे की जरूरत है क्योंकि वर्तमान राज्य अध्यक्ष संजय जायसवाल का कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है।

नीतीश कुमार के एन.डी.ए. से अलग हो जाने के बाद, भाजपा के सामने अपनी हिन्दुत्व-राजनीति को पिछड़ी जातियों की आकांक्षाओं के साथ मिला देने की नई चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं।

पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश, जहां समाजवादी आंदोलन कमजोर हो चुका दिखाई दे रहा है, के विपरीत बिहार की राजनीति की जड़ें अभी भी जाति एवं पिछड़ों की राजनीति में जमी हुई हैं। दो साल के अंतराल के साथ, 17 साल तक जे.डी.यू. की गठबंधन पार्टनर रहने के बावजूद, भाजपा एक मजबूत प्रांतीय नेतृत्व तैयार करने में असफल रही है। बिहार में आगामी भूमिका के लिये पार्टी नेतृत्व जिन नामों पर विचार कर रहा है, उनमें समर्थ चौधरी का नाम भी शामिल है, जो ओ.बी.सी. समुदाय से हैं।

सूत्रों ने संकेत दिया कि भाजपा ने बिहार के लिये तिफारी रणनीति बनाई है। पहली, ई.सी.बी. तथा महा दलितों के कुमार के वोट बैंक में सैंध लगाने की कोशिश करना, दूसरे, राज्यव्यापी ''पोल खोल'' (कुमार का कच्चा चिट्ठा खोलना) अभियान छेड़ना तथा लालू प्रसाद के ''जंगल राज'' एवं भ्रष्टाचार के युग की वापसी पर जोर देना तथा तीसरे, नई बिहार सरकार की उन कोशिशों को नाकाम करना, जिनके अंतर्गत वह राज्य में जातिगत जनगणना शुरू करने के निर्णय के माध्यम से मंडल-2 प्रारंभ करना चाहती है। ऐसी संभावना भी है कि आने वाले सप्ताहों और महीनों में, सी.बी.आई., ई.डी. तथा आयकर विभाग लालू के खिलाफ केसों पर विशेष जोर दे सकते हैं।

'रूस से खरीदे गये ऑयल में हमारा खून मिला हुआ है'

यूक्रेन के प्रधानमंत्री के इस बयान के जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि, भारत के लोग गरीब हैं और बहुत ऊँची कीमतों पर पैट्रोल-डीजल नहीं खरीद सकते

नई दिल्ली, 17 अगस्त। रूस से तेल खरीदने को लेकर यूक्रेन ने भारत पर अपनी भड़ास निकाली है। यूक्रेन का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत यूक्रेन का खून खरीद रहा है। बता दें कि यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला किया था। उसके बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन भारत ने पश्चिमी देशों की आलोचना के बावजूद रूस से तेल खरीदना जारी रखा। भारत ने यूक्रेन युद्ध के बाद तेल आयात बढ़ाया है और उसके साथ व्यापार भी जारी रखा है।

इस मुद्दे पर यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन को भारत से ''अधिक व्यावहारिक समर्थन'' की उम्मीद है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कुलेबा ने तर्क दिया कि यूक्रेन भारत का एक विश्वसनीय भागीदार रहा है, लेकिन रूस से कच्चा तेल खरीदकर, भारत असल में यूक्रेनी खून खरीद रहा है। भारत को लेकर यूक्रेन की ये सख्त टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि तेल एवं गैस की ''अनुचित रूप से अधिक'' कीमतों के बीच सरकार का अपने लोगों के प्रति नैतिक दायित्व है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के चलते अमेरिका सहित कई यूरोपीय देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए लेकिन भारत ने अपनी हितों को ध्यान में रखते हुए बीच का रास्ता निकाला और रूस से तेल खरीदता रहा। कई मंचों पर भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेशी मीडिया के सवाल पर करारा जवाब दिया। इसी कड़ी में एक बार फिर से जयशंकर ने दो टूक जवाब देते हुए बताया कि भारत रूस से तेल क्यों खरीद रहा है।

दरअसल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा भारत 2000 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय वाला देश है। यहां के लोग वे नहीं हैं जो ऊर्जा की बढ़ी कीमतों को वहन कर सकते हैं। ऐसे में यह मेरा दायित्व और नैतिक कर्तव्य है कि मैं उन्हें सबसे अच्छी डील करके दूं। विदेश मंत्री जयशंकर थाईलैंड के बैंकॉक में भारतीय समुदाय के संग बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान रूस से तेल खरीदने से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि हर देश बढ़ती ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए सबसे अच्छा और मुफीद सौदा पक्का करने की कोशिश करेगा और भारत ठीक ऐसा ही कर रहा है। जयशंकर ने यह भी कहा कि यूरोप मध्य पूर्व और अन्य दूसरे सोर्स से तेल खरीद रहा है तो भारत को भी सबसे अच्छा सौदा पक्का करने का हक है।

जयशंकर ने यह भी कहा कि हम अपने हितों को लेकर बेहद ईमानदारी और खुले तौर पर काम कर रहे हैं। देश के नागरिक तेल गैस की उतनी ऊंची कीमतों का बोझ नहीं उठा सकते हैं। आने वाले समय में पश्चिमी देश इसे समझेंगे और भारत के कदम का भले ही स्वागत न करें लेकिन वो मानेंगे कि भारत ने अपने नागरिकों के लिए सही कदम उठाया है।

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि तेल और गैस की कीमतें असंगत रूप से अधिक हैं। बहुत सारे पारंपरिक आपूर्तिकर्ता यूरोप की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि यह महाद्वीप रूस से कम तेल खरीद रहा है।

यूरोप मध्य पूर्व और अन्य जगहों से बहुत अधिक तेल खरीद रहा है, ऐसे में भारत को सप्लाई कौन करेगा। हर देश अपने नागरिकों के लिए स्वाभाविक तौर पर सबसे अच्छा सौदा करने की कोशिश करेगा।

रोहिंग्यास....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक कानून के तहत बंदी केन्द्र (डिटैन्शन सैंटर) में रखा जाना चाहिए। विज्ञप्ति में दिल्ली सरकार को निर्देश दिया गया है कि रोहिंग्या अभी जहां रह रहे हैं उस जगह को तुरंत डिटैंशन सैंटर घोषित किया जाए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908